SAMDRISHIT'23

TARANG 90.0 FM



RAM LAL ANAND COLLEGE UNIVERSITY OF DELHI

R.L.A. in News

भारत के पास समृद्ध भूनिवरासत, तरासने की जरूरत : डा. त्रियाटी | लिए घातक बनता जा रहा है इलेक्ट्रानिक कचरा

e; und fragi i apply ero is no my; ny lener f , ny; usar dibalonia a, no a hadin poi nj mat f , ujih na lis no njer harmi ali ibiz konerino ni, pak er, al-grow wheth an enger act with radio de cardinar in fraction result alls, origin from a real in cardinar in severe gibb areas chose communit in manus result

Perignian processing the trip water proof is expose to state of the contract o



Heaper report from the control of the control option and a support option and a support of the control option and a support option and a s

of the court of the court

peuten est op oper Better



अमर उजाला

भ पर्यटन को स्वरोजगार से जोड़ने की वकालत







संबार फेस्ट 2023 में चंडीनढ़ विधि ने जनाया कव्या



भ-पर्यटन की दक्टि से महत्वपूर्ण स्थान होंगे चिहिनत : प्रो. सीम

क्षेत्र को भू-पर्यटन के क्षेत्र में

दे दिक्सीय सतत भू-पर्यटन और जैब विविधत एवं लोक धरोतरों के संस्क्षण पर केंद्रित अंतरराष्ट्रीय सेमिनर हुआ। कार्यक्रम में क्षेत्र को भू-पर्यटन के क्षेत्र में नई पहचान दिलाने पर जीर दिया।

विशेषजी ने बताया कि केंद्र समकार के राष्ट्रीय हिमालये अध्ययन मिशम के तहत रामलाल कालेज की और से क्षेत्र में अनुसंघन परियोजना संचालित को ज रही है। क्षेत्र को भू-पर्यटन को दिशा में है। सब्ध हो यहाँ को पुरातन सबलों को धारण क्षमताओं का धरेहरों का संरक्षण कर यहां के जिकत्प देकर हिमालये गांवीं के पलायन के उपाय सद्धाए जने पर भी चर्चा हुई। परियोजन प्रमुख प्रो. सीमा एनसे पंत, हा विमल सिंह गुप्ता ने बतायां कि बन्य जीवीं आदि मीजूद रहे।

जागरण संवाददाता, अल्पांडा : को समस्य को देखते हुए इस कसारदेवी में रामलाल आनंद क्षेत्र में सोलर फेसिंग संरक्षित कालेज दिल्ली की और से खेती समीणों को या रही है। साथ हो स्थानीय स्तर पर गांवी में पुरातन भवनों को होम स्टे के रूप में विकसित किया जा स्य है। उत्तरसंह सेव निध के पदाओं हा. शांतित पढ़ि ने नव शोधार्थियों से समाज में सकर सधन और मौलिक रोध करने का अख्रम किया। राष्ट्रीय हिमालयी अध्ययन मिरान नेटल अधिकारी किरोट कुमार ने बताय कि मिगान के तहत विभिन्न हिमालयी राजी में सतत पर्यटन के विधिन परियोजन संचालकों का इस माइलों पर कार्य किया जा रहा है। हमें व्यवहारिक प्रकृषों पर नाँ परचान दिलाने का प्रयास कार्य करते हुए यहाँ के पर्यटक ची सेस प्रत्यांकन करना रोगा। नए पर्यटन व आजीविका कार्यक्रम में यूनेसको प्रतिनिधि बैने बोहर, ब्रानील साओ विश्वविद्यालय से दा. स्तीरिया गासिया, दिल्ली विकि से प्रो.

राष्ट्रीय सहारा - १४-०३-३३ रामलाल आनंद कॉलेज में सामुदायिक रेडियो शुरू

नई दिल्ली (एसएनधी)। रामनात अमद कॉलेंग के सामग्रहिक विदेश होंग 90.0 का उद्घाटन सोमवलको हजा। कार्यक्रम में कॉलेज के प्रबंध समिति के अध्यक्ष प्रो. एससी सरकोटी बर्गर मुख्य जीतीय शामिल हुए जबकि कॉलेन के प्रवार्ग सकेल पुरार पुरा ने कौर अध्यक्ष उद्यादन समारीह को श्रेषा बढ़ाई। प्रे. गरकोटी ने विद्यक्षियों को संबंधित करते हार उन्हें सफ्ते देखने की सताह दी। उन्होंने उप्पोद जवर्ड कि यह स्वपृत्रदिक रेडियो दिल्ली विराविद्यालय में आने का सपन देखने वाले विद्यादियों तक पहुंचकर उने सकारक्यक रूप में प्रपादित कर सकेगा। उन्होंने कहा कि वह इसके माध्यम से विद्यार्थियों को जिला के साथ-साथ अवक्टक प्रशिक्ष में दे सकेंगे. जो उनके बांचन पर काम आयेग । उन्हें उम्मीद है कि बी संसीय विद्यविंदी को आने बहने में रोकता है, वे इसमे लुटकारा पा लेवे। अवस्थाता के पत्रकारिया विभाग के संयोजक राकेश कृपार ने इस उद्गाटन को वितासिक बताते हुए कहा कि वह गरिए पर बाम बरने को लेकर दलाहित है।



And the country of the property of the propert E of any or ally the state of an arch of some or within a flow of with land, it shall of the sol of land in the flow distribution of the state of

ethekarateau Steranov III

वेविनार में पड़कारिता के क्षेत्र में हो रहे बदशातों के बारे में बलवा

TO DENIES & GET # GETGS

PL 1 May And Annies and the control of th

सेमिनारः ग्रामीणों को भा सोलर फेंसिंग संरक्षित ALC: NO

अपने हर्वल गार्डन पर इतराता है डीव्

का राम लाल आनंद कालेज

बकाये की समस्या 12वीं के छात्र की हत्या में एक

रामलाल कॉलेज का सामुदायिक रेडियो शुरु, शिक्षा कार्यक्रमों का होगा प्रसारण

हर पत्रकार को ट्रॉमा से गुजरना पड़ता है



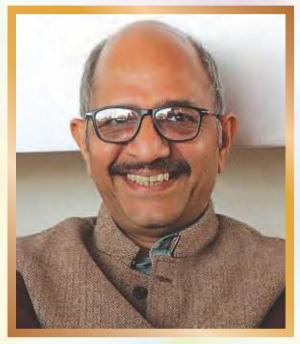




Contents....

From the Chairman's Desk	02
प्राचार्य संदेश	03
Editorial Board	04
संपादकीय	05
Cultural Diversity	06-25
Empowering Young Mind	26-84
Nation First	85-102
RLA Shining	103-129
Svachchhata Action Plan	130-148
Women Empowerment	149-178
Education Trips	179-189
Department Photograph	190-197
Backbone of RLA	198-199
25 Years of Teachers	200
25 Year of Non-Teaching	201
Student of the Year+NCC+NSS+Sports+ECA	202
Annual Day Celebration	203-204
Splendour-2023	205
Poster	206

From the Chairperson's Desk



The inheritance of traditions in liberal institutions includes the inspiration to innovate. Traditional weaves on the age-old patchwork quilt are replaced by new innovative patterns. Ram Lal Anand College stands renewed and reinvented at the new horizon, powered to joyously craft a successful life.

It is a cliché to say that great institutions are made not of brick and mortar but out of the collective will of their people. However, in reality, it is the synergy between physical and human capital, the hardware and the software that make lasting institutions. This synergy is quintessential for the growth of the institution and is what gives wings to our dreams.

Respecting the fundamental right to freedom of expression, Ram Lal Anand College has always encouraged its students to be free and fearless when it comes to expressing themselves. The college also attempts to make the students aware that freedom must be used responsibly and with sensitivity towards the feelings of others.

The College Magazine is a commendable effort in this very direction; to give the students an opportunity to explore ideas and

express them without impositions and inhibitions. The motto of the college is undoubtedly a reiteration of the College's commitment of instilling among its students the conviction and courage to express themselves with confidence and also a sense of responsibility that ultimately leads to acquiring and absorbing knowledge. Ram Lal Anand College in particular is known for the opportunities it gives to students for exploring the unknown in their own unique ways. They question, attempt to find answers; sometimes with the gentle nudge and unobtrusive hand-holding, sometimes with uncertain groping in the dark and the pangs of confusion, sometimes with the sharp haul on the roller-coaster and race against time, sometimes alone and sometimes in large teams, they negotiate unchartered territory, leaving a trail of light. Overcoming perceived barriers, shackles of anachronistic understanding, inept processes, crumbling structures, often our own traditions, we walk the last mile to a new beginning. The curriculum and environment contribute, in every possible way, towards the overall growth, evolution and improvement of the students enabling them to carve out their individual identities. I congratulate the teachers and students of the magazine society for their concerted effort in bringing out this year's issue, I am confident that reading the magazine will be a pleasurable and enriching experience for everyone.

Dreams signify reflective conversations! While we contemplate upon the emerging future, as individuals and as an institution we have a lot to learn from our past. I am aware that the last edition of Samdrishti commemorates 75 years of our country's independence, yet there are miles to traverse. My best wishes to the outgoing batch and sincere words of approbation for the efforts of the editorial board.

My best wishes.

Prof. S.C. Garkoti Chairman, Governing Body

Ram Lal Anand College

प्राचार्य संदेश

राष्ट्र निर्माण प्रक्रिया में शैक्षणिक संस्थाओं का योगदान अविस्मरणीय है। इन संस्थाओं से जुड़ कर छात्र भावी जीवन के लिए उन योग्यताओं का विस्तार करते हैं जिनसे आजीविका के रास्ते तो खुलते हैं, साथ ही तार्किकता, जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण, सिहण्णुता, समाज और राष्ट्र के प्रति कर्तव्य—बोध के प्रति सजग होते हैं। रामलाल आनंद कॉलेज छात्रों के शैक्षणिक विकास के साथ —साथ चारित्रिक निर्माण पर विशेष बल देता है। सुदृढ़ चरित्र समाज — बोध और राष्ट्र — बोध का परिचालक होता है। सृजनात्मकता और कलात्मकता के सौन्दर्य बोध द्वारा छात्रों में कलात्मक अभिव्यक्ति की ऊर्जा को दिशा देना भी हमारे कॉलेज की प्राथमिकता है। 'समदृष्टि' के द्वारा शैक्षणिक सत्र २०२२—२०२३ की सम्पूर्ण गतिविधियों से आप परिचित होते है।



रामलाल आनंद का प्रत्येक छात्र अपने जीवन के अमूल्य तीन वर्ष इस परिसर में व्यतीत करता है। सभी प्राध्यापक, अधिकारी और कर्मचारी अपनी पूर्ण कर्तव्य—निष्ठा के साथ छात्रों को सुखद वातावरण की अनुभूति कराते हैं, आतम—अनुशासन और निरंतर परिश्रम द्वारा जीवन जीने की कला का मार्ग प्रशस्त करते हैं। आंतरिक गुणवत्ता के आँकलन द्वारा भीतर से मज़बूत बनाते हुए योग्य क्षमतावान नागरिक का निर्माण करते हैं। आत्मविश्वास, निर्भयता, परोपकारी भाव और सकारात्मक दृष्टि प्रदान करना और उसके अनुसार जीवन —निर्वाह करने की प्रेरणा देना और नीर—क्षीर विवेक की समझ छात्रों में पैदा करना ही इस संस्था का मुख्य उद्देश्य है। स्वच्छता, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण, विविध सांस्कृतिक बोध, बहुभाषी राष्ट्र के प्रति सम्वेदनशीलता, महिला सशक्तिकरण के प्रति पूर्ण जागरूकता का बोध एवं इनके प्रति अपनी जि़म्मेदारी को समझ कर उसके अनुरूप व्यावहारिकता से जीवन यापन करने की राह ये कॉलेज प्रदान करता है। मैं उन सभी छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आशीर्वाद देता हूँ जो इस वर्ष कॉलेज से सफल हो कर उच्च शिक्षा के लिए जाएँगे या अन्य जीविका कर्म से जुड़ेंगे और 'समदृष्टि' के सम्पादक मण्डल की सराहना करता हूँ जिनके अथक परिश्रम से 'समदृष्टि' हमारे सममुख है।

Rahgupta

—प्रोफेसर राकेश कुमार गुप्ता प्राचार्य

EDITORIAL BOARD



Faculty Members

Left to right - Row 1 - Dr. Dikscha Sapra, Dr. Deepti Gupta, Ms. Pragya Deshmukh, Prof. Archna Gaur, Ms. Pallavi Dutta, Dr. Rajesh Gautam, Dr. Surender Kumar, Mr. Neeraj Kumar.

Student Members

Left to right- Row 2- Ravi Kumar, Vidit Mishra, Priti Singh, Ram Kumar Pandey, Ravi Singh, Soni Vishva Karma, Paridhi Varma

Student Illustrators

Cultural Diversity: Tushar Sharma

Empowering Young Minds: Monifa Noor

Nation First: Dalima RLA Shining: Vinay

Swachchhta Action Plan: Anisha Tewari Women Empowerment: Muskan Arora

Educational Trips: Bhanvi

श्रद्धावान लभते ज्ञानम्

Cover Page: Tushar Sharma

संपादकीय

भारतीय संस्कृति में मौखिक ज्ञान, स्मरण शक्ति और गुरु शिष्य परम्परा का अनूटा संगम दिखाई देता है पर आज के वर्चुअल—वर्ड ने ज्ञान के सागर की हिलोरें पर कई प्रश्न चिन्ह लगा दिए है। गूगल बाबा के ज्ञान के समक्ष आज का विद्यार्थी अपनी मौलिकता, सृजनात्मकता, कलात्मकता को ढेरों किनाइयों के साथ देखता है। कलात्मक अभिव्यक्ति की सार्थकता उसके महान प्रयोजन पर आश्रित होती है, किन्तु वर्तमान युग में सोशल मीडिया के कारण यह संदेह और भ्रम जाल में जकड़ी हुई प्रतीत होती है। आज छात्रों को उनकी कलात्मक अभिव्यक्ति के साथ जोड़ने के लिए रामलाल आनंद कॉलेज कई सेमिनार, कार्यशालाओं, प्रतियोगिताओं के द्वारा तार्किकता और कल्पनाशीलता के कलात्मक अनूटे जोड़ के लिए निरंतर प्रयासरत है। बौद्धिक सृजनात्मकता की कलात्मक अभिव्यक्ति का सौंदर्य लेकर समदृष्टि फिर आपके सामने है। जिसमें विद्यार्थियों के विवेकशील मस्तिष्क को दिशा देने के साथ साथ उनके संवेदनशील हृदय को पोषित करते हुए कलात्मक अभिव्यक्ति



को शब्द में सजाने का अनूठा प्रयास किया गया है। इस कॉलेज पत्रिका को इस बार छः वर्गों में विभक्त किया है, जिसमें सांस्कृतिक — विविधता, राष्ट्रीय— एकता अखण्डता, युवा छात्रों की मानसिक एवं चारित्रिक सुदृढ़ता, रामलाल अनंद के प्रगतिशील कदम, स्वच्छता और प्राकृतिक संसाधनों के प्रति कर्तव्यनिष्ठा के साथ स्त्री—सशक्तिकरण को परिभाषित करने का प्रयास समदृष्टि के माध्यम से किया गया है। हमारे इस नव प्रयास को बुद्धिजीवी पाठक वृंद अपनी कसौटी पर परखेंगे, सुझाव आमंत्रित हैं।

प्रतिक्रियाओं की अपेक्षा के साथ आपकी समदृष्टि आपको फिर एक बार समर्पित।

प्राचार्य प्रोफेसर राकेश कुमार गुप्ता के विवेक का ही परिणाम है जो 'समदृष्टि' पहली बार अपने इस आकार को पा सकी है। प्राचार्य के मार्गदर्शन, उत्साही शब्दों और सम्पादकीय मण्डल पर भरपूर विश्वास के साथ ही ये सम्भव हो सका।

इस यात्रा में सम्पादक मण्डल के सदस्य— डॉ॰राजेश गौतम, सुश्री प्रज्ञा देशमुख, डॉ॰ सुरेंद्र कुमार, डॉ॰ दीप्ति गुप्ता, डॉ॰ दीक्षा सपरा, डॉ॰ अटल तिवारी, सुश्री पल्लवी दत्ता, श्री नीरज कार्यालय का आभार जिनके अथक परिश्रम से आज इस पत्रिका का यह रूप सामने है।

छात्र संपादक मण्डल— सुश्री सोनी विश्वकर्मा, सुश्री प्रीति सिंह, सुश्री ऋतु यादव, सुश्री परिधि वर्मा, सुश्री निकिता पठानिया, कुमार रवि सिंह, कुमार राम कुमार पाण्डेय, कुमार आकाश, कुमार विदित मिश्रा, कुमार रवि कुशवाहा सभी छात्र सदस्यों को बधाई, आपकी मेहनत अब इस रूप में निखर के आई है।

प्रो. अर्चना गौड़



Anantadrishti

The Classical & Folk Dance Society

Anantadrishti the Indian classical and folk-dance society of Ram Lal Anand college, University of Delhi has been one of the most active ones in the college. Regular scheduled practices along with devotion towards dance groomed the members to be a part of various competitions in the DU circuit that were held during the month of October'22. We are immensely pleased to share the names of the winners who bagged various prizes in their respective events.

1. Deepotsav (Event in Dwarka)

Deepotsav was a solo classical dance competition organized by Samvardhan Trust at CCRT Auditorium, Dwarka in which Sveta Raman {B.A(H) English 3rd year} the member of our society participated and bagged the second prize. The audience was mesmerized by her fluid movements and grace, as she effortlessly brought the music to life with her dance.



2. Solo Folk Dance Competition at Janki Devi Memorial college

Anannya Sharma [B.A.(H) History 3rd Year] who is also the President of the Society wowed

the crowd at the Janki Devi Memorial college Solo Folk Dance Competition with her incredible performance of Lavni. Her passion for the traditional dance form was evident in every movement, and she was awarded an appreciation prize for her exceptional display. Her dedication and hard work have paid off, and she continues to inspire others with her talent and love for dance.



3. Lok Utsav Performance at Rajdhani college

October'22 was a month full of festivities and cheer all around and to celebrate the auspicious month and spread the joy Rajdhani College, University of Delhi had organised a Diwali Mela for all students and we were very overwhelmed as Anantadrishti was invited to perform at this acclaimed event which was attended by various students across the University. There were performances from many other colleges as well like Sri Venkateswara College, Shaheed Sukhdev College of Business studies to name a few across the DU campus. The performance was highly cheered and applauded.





(Left to right) Anannya Sharma, Tanisha Jindal, Sumedha Bhatia, Hardika Sharma, Manisha Yadav, Pooja, Loveneet Kaur

FRESHERS'2023

The College Freshers' Party was held on January 27, 2023 with the aim of welcoming the new students and to introduce them to the college community. The event was well attended by students, staff, and faculty members.

The event started with a few ice-breaking games to get the students comfortable and to break the ice. After a series of performances and sessions the team of Anantadrishti winded up the performances of the evening with a bang on fusion dance of Bharatnatyam and Kathak on the Carnatic version of the song Shape of you. A team of six performed which included three Bharatnatyam and three Kathak dancers.

The fluid grace and intricate footwork of Bharatnatyam combined with the dynamic energy and expressive gestures of Kathak created a harmonious and mesmerizing performance. The fusion of these styles highlights the similarities and differences between the two forms, showcasing the diversity and richness of Indian classical dance. The event was a huge success, with the help of the organizing committee, the staff, and the students who made this event possible.

DAV UNITED FESTIVAL

Sumedha Bhatia [B.A.(H) History 2nd Year] who is also the Vice-president of the society awed the crowd at the DAV United festival at Indira Gandhi stadium with her remarkable performance of Ganesh Vandana in Bharatanatyam. Her long-term training in the dance form was apparent in every movement, and she was invited by her school JLDAV public school as the alumna to showcase the talent the school has nurtured. Sumedha's expression and storytelling intrigued the audience. Her diligence and sincere efforts brought out great results and she'll continue to do so and become an inspiration for other enthusiasts with the language of Bhav, Raag and Taal i.e. Bharatanatyam and love for dance.

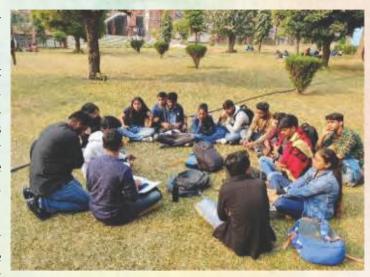
Drishyam

Film and Photography Club

Interaction sessions conducted by Drishyam

In hard times of corona, not only we lost precious time of our lives, we suffered loneliness, anxiety and lack of motivation, these Interaction sessions, not only helped us to interact with our members of the society but also helped all of us to feel a little more motivated and a little less anxious and motivated us to work even harder.

These interaction session played a very important role in getting familiar with the work culture of Drishyam helped us to know each other better.



Actors workshop for Drishyam's very own Short Film

Drishyam conducted a fun and engaging workshop for all the actors who were willing to grab a role in our short film. The acting workshop not only helped us to finalise actors for our short film, but it also helped the actor to discover their true potential. The workshop lasted for 3 days and was filled with fun and enjoyment along with some great acting activities.

Shooting for Drishyam's Short Film

Now that we found the perfect actors for our short film, the shoot for the short film, started.









Though some may think, shooting can be really hectic, but with a great crew and amazing actors our shoot was one of the most amazing and fun part of our short film making process, a combination of indoor and outdoor shoot made the process a lot more compelling.

Film screening at Seminar room

No matter how modern we get or how many new big budget movies we produce, but nothing can beat those classic bollywood movies. To celebrate our classic bollywood, we screened a classic bollywood movie called GODAAN at seminar room of Ram Lal Anand College.







GODAAN is a really beautiful cult classic movie, we got to learn a lot from the movie and the film screening of GODAAN gave Drishyam a lot of exposure.

Photo exibition organised by Drishyam

What's the point of talent if you don't show it. So to showcase the talent of our talented Drishyam members, we organised photo exibition and the theme was "Heritage of India" and secondary theme was "black and white" that means heritage of India in black and white, how cool is that?





ILLUSION

The Western Dance Society

Illusion, the western dance society of Ram Lal Anand College was instituted in the year 2017. The society provides a platform to showcase the passion towards dance through various western dance forms. The team has also inculcated various dance forms like: Bollywood, Urban, Hip-hop, Jazz funk, Popping and many more which has helped them grow and enhance their dance skills.

After the intermittent pandemic, society carried out



the Orientation & annual Auditions of the freshers offline in the month of December. Following the efforts in the past years, a huge number of students came up for the Auditions and the best 20 were selected. There were physical and virtual meetups & practice sessions for the team so that the freshers could have a strong connect with the team. All the members are encouraged and given an opportunity to develop as solo performers.

Despite the pandemic challenges the society represent Ram Lal Anand college in the cultural fests of various institutes such as: Bharti Vidyapeeth, Amity University NIFT.

The society also gave their full participation for the event conducted by the commerce Department of the college and Farewell of the college.

On November 22nd, Dastoor – The Indian Music Society of Ram Lal Anand College University of Delhi organised an orientation ceremony for batch 2022-23. The event focussed on introducing freshers of musical interest with society's functioning and its legacies with several achievements in past.





During the event, attendees shared queries for consideration for upcoming auditions and regular practice sessions.

Dastoor Convenor, Prof. Mukta Datta Mazumder, addressed freshers with words of wisdom. In continuation to this, a video compilation of past gathered memories was presented. Aiming an apt

elicitation, a bandish in raag des named "Shyama Tori Bansuri" was performed.

The event took its pace with an awe-inspiring rendition of raag khamaj by an extremely talented artist of Dastoor - Rupesh Debbarma. In addition, an instrumental piece was presented by an experienced flute artist of Dastoor - Divyansh Pandit.

The event ended up with a jamming session to increase participation and freshen up the atmosphere with a synergic zeal.



Dastoor

The Indian Music Society

Dastoor is a group of people who are dedicated to raising the bar for Indian Classical Music. As each note in "Sargam" has its own unique personality, yet when they are combined, they produce a lovely harmonic presentation, so do we, by cooperating and ensuring that everyone has access to opportunities and resources, work for the advancement of our society and for our own personal growth. As part of the Delhi University circuit, we compete in a variety of events put on by other prestigious universities as well as those held at the majority of the colleges in the circuit. Additionally, we conduct events and organize competitions in an effort to unite all the institutions and provide a stage for them to display their talent.

In the past year, we have performed at several events such as the annual prize distribution ceremony conducted in our college. Apart from this, we participated at AIIMS Delhi and received consolation price.

On November 22nd, Dastoor – The Indian Music Society of Ram Lal Anand College University of Delhi organised an orientation ceremony for batch 2022-23. The event focussed on introducing freshers of musical interest with society's functioning and its legacies with several achievements in past. The aim behind was to create an impression to wholeheartedly welcome them to be a part of society. The eventcomprises of limited slots for which prerequisites were taken to avoid unwanted involvement. During the event, attendees shared queries for consideration for upcoming auditions and regular practice sessions.

Dastoor Convenor, Prof. Mukta Datta Mazumder, addressed freshers with words of wisdom. In continuation to this, a video compilationofpastgatheredmemorieswaspresented. Aiming an apt elicitation, a bandish in raag des named "Shyama Tori Bansuri" was performed.

The event took its pace with an awe-inspiring rendition of raag khamaj by anextremely talented artist of Dastoor - Rupesh Debbarma. In addition, aninstrumental piece was presented by an experienced flute artist of Dastoor -Divyansh Pandit.

The event ended up with a jamming session to increase participation and freshen up the atmosphere with a synergic zeal.

In future we plan to increase the engagement and levelling up our musical standards and with a visionary approach will give our best to grow as a society.

Aikyam

The North-East Society

The society aims at providing a platform to support the North East students, to address issues related to them and help them mingle with students of different states of the region and those from different parts of the country who join the college. The students exchange ideas, culture and knowledge, help each other grow and in the process develop and strengthen bonds, discover self, develop and cultivate talent so that the years they spend in the college becomes enjoyable and fruitful having come so far off from their home states to get good education. The society encourages sharing thoughts, experiences, without any fear of being judged. Effort has been made to understand each other, overcome difficult situations and enjoy life and strive to make oneself and surrounding people happy in pursuit to achieve the highest possible in academics and extracurricular activities and eventually become excellent citizens of the country.

1. In celebration of Azadi ka Amrit Mahotsav on 17th August, 2022, AIKYAM in





collaboration with Gandhi Study Circle, the North East Students along with those from different parts of the country wore their respective traditional dresses and performed dance. The music was a collage of patriotic songs.

2. On 27th September 2022 On the occasion of the Arunachal Pradesh Tourism Website launch program conducted by the Ministry of Tourism and U.S. Consulate General, Kolkata, teachers and students of AIKYAM, the North East Students Welfare Society attended the exhibition and film

screening on the fascinating intangible cultural heritage of 17 indigenous communities of the state. It depicted the convergence of cultures & traditions with the backyard biodiversity, which is termed the religion of Biodivinity.

3. On 16th October, 2022, the football team of AIKYAM participated in the Football match in

the 7-A side tournament to be held in Motilal Nehru College on 16th October, 2022. This was a good opportunity to showcase their talent, promote team spirit and to interact with students of different colleges who converged there to participate in the tournament.

4. In order to incorporate the newly joined 1st year students from the North East, a Help-Desk was set up from 2nd to 4th November, 2022. The senior students interacted with them, guided some of them to find accommodation, gave contact numbers of



senior students of the respective courses to which they had taken admission and assured them all kinds of help in times of need.

- 5. On 31st January, 2022 orientation of 1st year students was held. They were welcomed by the Principal, Prof. Rakesh Kumar Gupta, the Convenor of the society, Dr. Sarbari Nag and the President Ms. Rasiinai, The students were made to feel comfortable advised to attend classes regularly, to join different societies of their choice and participate in different college activities with full enthusiasm and make the most of their college life.
- 6. A Jewellery making workshop was held on 6-7th February 2023 to make North East Jewellery. It was conducted by Rasiinai who taught 60 students the basics of jewelry making using different techniques. Some beautiful pieces of ear rings, bracelets, and necklaces were prepared by them during the workshop.

World Food Day

"Food for Gut Health"

The Yoga and Meditation Committee of Ram Lal Anand College organized a webinar on "Food for Gut Health" on the occasion of World Food Day.

The event was organized to increase the awareness about the importance of proper food intake and the importance of Food for our Gut health.

The speaker of the event was Ms. Deepali Arora. She is a health coach and an Integrated Gut Health Nutritionist. She is a certified Nutritionist and health coach with official sanction of IOA, USA, Diabetes Educator, Naturopathy (Gold Medalist) and psychotherapist.

There were participants from our college and other outside participants including the family members and working professionals.

Ms. Deepali discussed about the importance of healthy food for our Gut System, The role of healthy digestion for our total health, the concept of food plate and the role of variety of healthy foods on our daily healthy routine. Students and other participants really enjoyed the talk and appreciated it alot.



Yoga takes care of the system in such a way that it will not allow you to eat more than needed.

- Sadguru

Spic Macay

RLA Chapter

Kangra Miniature Painting Workshop

Dr. Sneh Gangal, a renowned president awardee and artist of Kangra miniature paintings conducted a 4-Day workshop from April 1 to April 6, 2022. The workshop was held in the extended staff room of the college building. More than 50 participants attended the sessions daily, learning this intricate art under the able guidance of Dr Gangal and her team.





Hindustani Vocal Recital

On April 22, 2022, SPIC MACAY RLAC Chapter organized a Hindustani vocal recital by Dr Meeta Pandit of the Gwalior Gharana along with her accompanying artists, Pt. Ram Kumar Mishra on the Tabla and Ustad Kamal Ahmad on Sarangi. Dr. Pandit's student, Ms. Anika Gupta, aged 12 played the Tanpura.

The Arts and Crafts in charge of SPIC MACAY, Ms. Neerja Sarin, and the Media Director of SPIC MACAY, Ms. Suman Doonga also graced the gathering with their presence. It was a beautiful presentation followed by an extremely melodious Bandish or Improvisation and Gat on the Tabla. Then the artists performed a Pad, a composition by Dr. Pandit herself.

Rendezvous Series

The RLAC Chapter had the honour of hosting the Rendezvous Series of SPIC MACAY on 7th January, 2023. It is essentially a series of recitals by renowned artists from world over. In this session, Pandit Pradeep Barot was invited to perform Sarod, along with Smt Atusha Pingle on the Tanpura, and Shri Tarun Lala on the Tabla. The recital lasted for around an hour, followed by a question-answer session with Pandit Barot himself.



Mohan Veena Recital

SPIC MACAY RLAC hosted a Mohan Veena Recital by Pandit Vishwa Mohan Bhatt on 20th February, 2023. He was accompanied by Abhishek Mishra on the Tabla. This event was made a grand success by attendees of the college. There were more than 70 of them.

Pandit ji began by elucidating the importance of classical Indian culture in the lives of ordinary people. The performance started with an alaap, followed by a jor, a sawaal jawab and finally, the crescendo, all rendered in raag Nat Bhairav. Pandit ji also graced the audience by performing his Grammy award winning piece 'Meeting by the River'. The event concluded with a question answer round and some refreshments for all attendees.



Andaaz

The Anchoring Society

'अंदाज़', राम लाल आनंद महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय की एकमात्र एंकरिंग समिति ने 06 जनवरी 2023 को दोपहर 2:00 बजे महाविद्यालय प्रांगण में एक ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महाविद्यालय में आए प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को समिति से परिचित करवाना था।

सम्पूर्ण कार्यक्रम का निर्देशन माननीय समिति संयोजिका प्रो. मुक्ता दत्ता मजूमदार व प्रो. पल्लवी दत्ता के अधीन हुआ। कार्यक्रम के अंतर्गत सभी सदस्यों को वस्त्रों का चयन बॉलीवुड थीम के आधार पर करना था। कार्यक्रम के अंतर्गत समिति सदस्यों द्वारा समिति का परिचय दिया गया व समिति अध्यक्ष रुशिका मक्कर ने समिति की कार्य प्रक्रिया बताते हुए आगामी दिनों में समिति से जुड़ने के लिए होने वाले ऑडिशन की जानकारी दी। समिति के 2 सदस्यों द्वारा चयनित प्रक्रिया समझाने हेतु ऑडिशन व इंटरव्यू प्रक्रिया का प्रदर्शन किया गया व इसी के साथ कार्यक्रम का अंत हुआ।

मीनाक्षी पंत बीजेएमसी द्वितीय वर्ष

Inara

The Fine Arts Society

INARA, means to illuminate and the team of fine arts society of Ram Lal Anand College has personified this quality. We are a team of 26 members and every member holds expertise in different art forms and have their art style, thereby bringing in a lot of creativity within the team.

We conducted auditions for the year 2022-23 on 9th January 22 along with the exhibition to

showcase our talents and welcomed a lot of fresh talent into the society. We received more than 80 registrations and a maximum number of participation in the auditions.

With the zeal to learn new things, collaborative workshops or events were conducted.

1. An Annual Street Play was conducted in collaboration





with HASRATEIN(The Dramatics Society), DASTOOR(THE Music Society) on 7th September 22.

- 2. A Diya Painting Workshop was organized in collaboration with ANDAAZ (The Anchoring Society), DASTOOR (The Music Society) on 19th October 22 for the members of SUGAM SOCIETY, who are the people with special needs.
- 3. A Jewellery Making Workshop was organized in collaboration with AIKYAM (The North-East Society) on 6th & 7th February 23.

Inara has actively contributed to decor in various events of the college. The Inara team created this beautiful rangoli and wall decor for "Mohan Veena Recital" conducted by Spic Macay in the college.

Aikyam: RLA & Beyond

Students of Aikyam, Ram Lal Anand College at Janki Devi Memorial College to Participate in Folk Dance Competition on 21st February, 2023





Hasratein

Hasratein, the dramatic society of RLAC, successfully organized the Iltija'23 Nukkad Natak Competition on the 23rd of March 2023. The competition aimed to provide a platform for aspiring theatre artists to showcase their talent and creativity.

The competition received an overwhelming response, with over 40 teams registering for the event, including colleges from all around Delhi and DU. The teams were required to submit a Nukkad video as part of the prelims round, which was



judged by a panel of experts. The videos were evaluated based on their originality, creativity, and relevance to the Nukkad'.

After careful evaluation, only 8 teams were selected to participate in the final round of the competition. The final round was judged by a renowned theatre practitioner, Tarun Kohli, and our society convener Dr. Prabhas Pandey sir. The teams were required to perform a Nukkad Natak, which is a street play performed in public places.

The performances were truly outstanding, and each team put up an excellent show, making it a difficult decision for the judges to select the winners. However, after careful consideration, the first prize was awarded to the team Dramanomics from the College of Vocational Studies, the second prize to the team Kahkasha from Jesus and Mary college.

The event was a grand success, and it provided a great opportunity for the participants to showcase their talents and creativity. The competition not only helped in promoting theatre as an art form but also provided a platform for young artists to showcase their skills and express their thoughts and ideas.

The Society performed its annual production 'Bandishein - Cancel Culture in Indian Cinema' at

Munadi fest which was hosted by the Janki Devi Memorial College. The competition was on the 10thof January, this was also our very first performance for the year 2023. Our team for the performance consisted of 25 members, the rest 11 were also present at the event to witness other Nukkadnatak and the vibe that Du fests have.





Student Reflections

Aikyam



English Honour (3rd year) (president of the Akiyam society).

As a north-eastern who is far away from my original place, who is still learning to cop with others in order to live in, learn and adapt to different cultures and traditions-

Through this journey, the experiences that I have gained made me realise my different potential which I was unaware of, I have become more responsible, have gained leadership qualities, and learned more about different types of people around me n to know about the qualities and quantities, weaknesses and the strength of north-eastern.

To sum it all up, the experiences I have gained have been worth it.



Dinchen Lepcha 3rd year, B.A. English Honors Content head

If I were to story tell my experience with Aikyam society, it would be way too long. However, I could sum it up in a few lines, from joining the society as a member to now as a content head for the society, I have learned and experienced a lot of things, aside from the general skills like management, teamwork, and research and many more which is generally written in almost everyone's description, I would say the exposure I got as being a part of the society was the best think I could have asked for. Made new friends and got to experience I would say the college life as those in the movies, at least to some extent.

In the end I would say being a part of this society, has helped me evolve overall as a person, for that I am very thankful.



Reishimdar Hongsha 2nd year, B.A programme(cs+eco) Aikyam Vice President

Aikyam is an open community that aims at providing co-circular exposure for Seven sisters and the brother with that of the different regions of our country. We aim to integrate people of various cultures—across the nation, provide a home like feeling to our fellow members and to boost up their confidence which in turn will help will help them grow in various aspects of life. I am grateful to be part of this society, and more so to be able to be the vice-president, it has really been an honour for me. This society has helped me nurture various qualities in myself, responsibilities, promoting team work, meeting new people, learning to communicate and coordinate with others and developing leadership skills and confidence.

Grassroots



My journey with grassroots has been amazing. As a self-taught vocalist, grassroots helped me a lot to improve my skills and knowledge about music. It's been great blending & working with the members, and learning something new every session. It has taught me teamwork and the environment here has always been warm and uplifting.

My journey with Grassroots was joyful! It is great getting together with a group of people and making a beautiful noise. I have learned how to sing as a group rather than a soloist, blending with others sounds and learning the intricacies of ensemble singing. That's a huge skillset.





Yoga and Meditation Society

में तुषार शर्मा कला रनातक हिंदी विशेष तृतीय वर्ष का छात्र व योगा एंड मेडिटेशन सोसायटी का सदस्य एवं राम लाल आनंद कॉलेज का छात्र बताना चाहता हू की यह योगा एंड मेडिटेशन सोसायटी एक ऐसी सोसाइटी है,जिसने मेरे अंदर एक सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह तो किया ही किया साथ ही साथ मेरा मुझसे ही आत्मसात करवाया व एक अजीब सी जीवन शैली को सकारात्मक जीवन शैली में परिवर्तित करवाकर मेरे अंदर जागरूकता ,समय पालन व किसी कार्य के दबाव में सकारात्मक कार्य को करवाना सिखाया साथ ही साथ इस सोसायटी <mark>ने मुझे मानसिक व बौद्धिक रूप से मजबूत बनाकर मुझे</mark> एक शांत व्यक्तित्व वाला बनाकर,सकारात्मक ऊर्जा को प्रवाहित करने वाला बना दिया। इस सोसायटी ही ने मुझे

<mark>एक सामान्य जीवन से सार्थकता पूर्ण जीवन जीने को अग्रसर किया।</mark>

Yoga has been a part of my life since I was little, and always being interested in yoga made me join the yoga society of my college Ram Lal Anand. This Socitey has taught me a lot in these three years, this society has helped me with my overall development, I have developed more patience to handle things in my daily life and grown more flexible over this time period.



Political science hons 3rd year

Dastoor



Political science hons 3rd year

Dastoor is the music society of our college, which is not just a society for us, but a name that evokes a range of emotions. I have had the privilege of being a member

and the president of Dastoor, and I can confidently say that it has been the most enriching experience of my college life. Through this society, I have acquired and imparted skills such as teamwork, management, communication, negotiation, socializing, and leadership, which are crucial for success in life. As a member, I have imbibed the values of mutual support, empathy, and friendship. In summary, being a part of Dastoor has been the most fulfilling experience of my college life.



Being a part of Dastoor - The Indian Music Society has been a journey of immense pleasure and gratitude as it gifted a lot of learnings which not only helped me in shaping out within, through enhancement of musical abilities but also had made me a different and a presentable person through its contribution to some of the unclarified crucial imperatives of life in general through being a part of various competitions and regular practice sessions, being amongst the guiding forces i.e. associated faculty and seniors and the lovely team members.

I have gained some of the beautiful connections from here and I truly admire it for this fact. This chapter of my life had left no chance to secure a special

space in my heart and I would love to cherish and embrace the bond we share for lifelong.

Illusion Western Dance Society

I am very delightful to join the dance society. I have met with good and supportive friends. After joining I got to know more about dance, exploring more fascinating things around me and feel overwhelmed to be a part of this society. I have spent my great time enjoying as much as I can.





Soft skills are essentially "people skills"- they're the skills that allow us to effectively interact with others, like communication, attitude and work ethic. Participating in the dance society not only taught these skills, but also helped me broaden and improve my skills in dance. Being able to lead the society as Vice president helped me learn the best way to communicate with both individuals and large groups, and gained emotional intelligence as I developed new relationships. Dance society provided a platform for me to participate in various competitions and learn through it.

Drishyam: Film And Photography Club

Drishyam: Film and Photography Club of Ram Lal Anand College, sounds fascinating, right? And it is to be honest. As a guy who loves clicking photos and making videos, Drishyam was perfect for me to give a little more exposure in the field. One of the best things about Drishyam is that, we never sit still, in DRISHYAM we are always doing something, be it doing interactions sessions, workshops, film screening and much more.

Drishyam has become a very important part of my life, for the time I have been at Drishyam, I experienced a cool journey, from being a photography



team member to being Secretary of Drishyam, I have developed not only as a photographer or videographer but as a person as well. My photography skills have improved exponentially along with my social skills. The network I have created after joining Drishyam is just amazing. I will forever be grateful for everything that Drishyam gave me.



From hesitating to join the society to enjoying every minute of it, Ram Lal Anand College's Drishyam, Film, and Photography Club helped me explore and gain confidence in the photography field. The entire team is made up of dynamic and enthusiastic members and leaders who teach you new things and encourage you while also appreciating your efforts. The exposure here is wonderful.

I gained new and amazing experiences while being in the society. The workshops, screenings, and exhibitions provided unique learnings and allowed showcasing and brushing up on our talent. I am thankful to the team for believing in me. I joined the graphic design team and am confident and excited to learn and grow here.

Andaaz: The Anchoring Society

From a laconic, diffident girl wishing to enchant the crowd with speaking skills in her school days to a confident college student capable of hosting official college events like Freshers and Farewell and controlling a crowd of hundreds from the dias, Andaaz has helped me break the most substantial barriers as a person. Rising from the ranks of member to Vice President, and eventually to the President gave me confidence to excellence in other spheres of life as well.





I joined Andaaz for personality development. It helped me groom my oratorship, presentation and delivery on stage. My training at Andaaz upskilled me to deliver talk for All India Radio and host events of eminent personalities of relevance like youth sensation Zubair Ali Tabish, celebrity comedian Abhishek Walia, avant garde writer Geet Chaturvedi, Pakistani Shayar Zia Mazkoor among many others. Reflecting back, joining Andaaz was one of the best decisions, I made in college.

Anantadrishti

An artist always wants a platform to showcase their talent they've obtained after years of practice, being the President of Anantadrishti, it provided me with such stage. Not only did I received immense exposure but also the responsibilities of the society have groomed me in a better way. The experience as the leader has been a rollercoaster ride, with certain ups and downs but in the end it's all the joyous experiences that matter. I've always been able to stand at the front for my duties and this wouldn't have been possible without the support of our coordinators and convenor.





My time in Anantadrishti has been extremely enlightening. It has improved my dancing and taught me a lot about choreography. Being a part of this society has helped me to improve my managerial abilities and discipline. My admiration and respect for each dance form has grown, and I look forward to many more interactions with this society.

INARA

In these most memorable years of my life, INARA has been the place where I have explored the colors of college life. The creative environment at Inara has nurtured my art and creativity. With the support of our convener and other faculty members, I have participated in many events and learned a lot. Thank you, RLA, for giving me a whole new perspective.





I began my journey with Inara as a budding artist eager to learn new things. From the first day itself, I was very keen on becoming the president of the society as art my greatest passion and I wanted to contribute towards the society as much as I could. I'm grateful to have this opportunity which has not only widened my perspective toward art but has holistically improved my personality and leadership skills. I can proudly say that after 3 years, I have an experience that will stay with me for life.

Hasratein: The Dramatics Society

Being the most quiet kid in school to one of the most talkative ones in college, Hasratein. was a game changer for my life. What I am today, the way I act, talk, behave, is very much influenced by Hasratein.

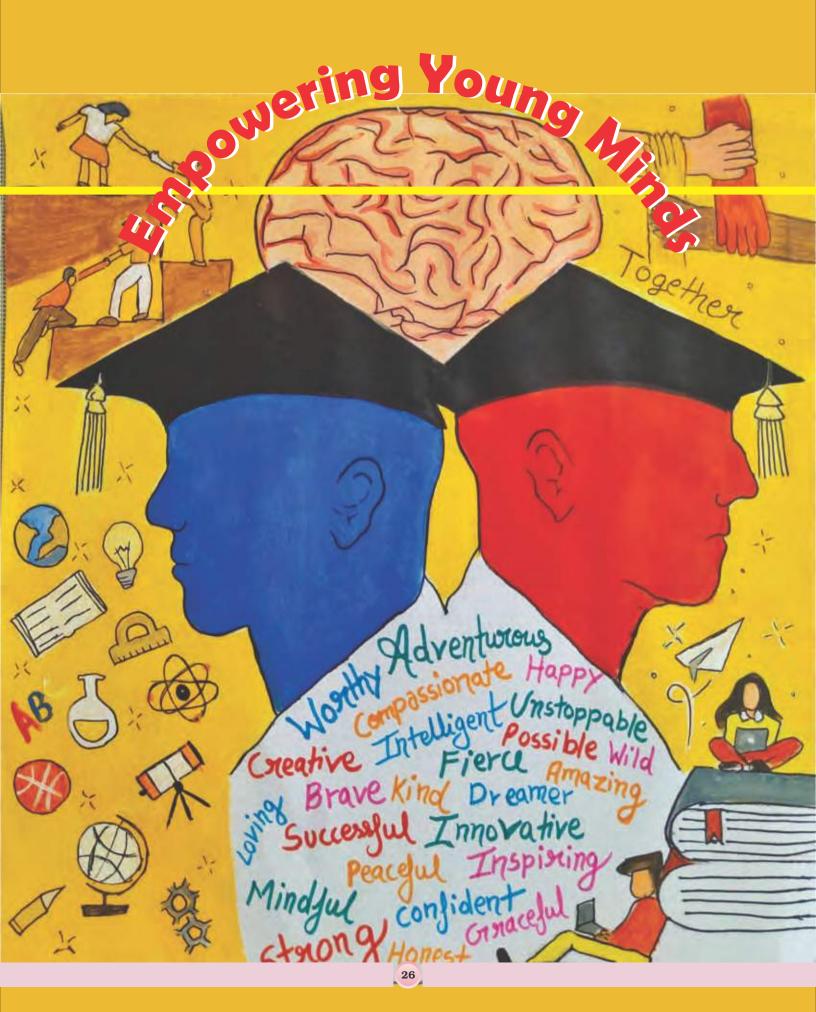
I was always a drama/theatre enthusiast and Hasratein. has been more than just a platform. It has been a guiding light, a channel for self-advancement. Performing in Pulse- Aiims boosted my confidence and showed me what I have in me. I am glad I joined Hasratein.





Vice president, The Dramatics Society of RLAC Bsc. (H) Statistics I've been a theatre fanatic from a very young age and was inspired by artists like Safdar Hashmi and Arvind Gaur. I joined Delhi University with the purpose of delving further into the field of theatre and that is how I met Hasratein. Hasratein has been nothing less than a family to me. I've been a part of this family for more than a year now and the experiences that I've had here are not just amusing but also enlightening.

Hasratein has for sure seen its own ups and downs but something that i can guarantee is that you won't see a more passionate, rigorous, resilient and loving bunch anywhere else in college. If there's anybody to thank besides my parents for my personal wins, it's definitely my team that I can proudly call mine.



Certificate Courses

1. Name of the certificate course: Essential skills of Science and Environment Communication.

Date and Duration: 8th October, 2021-19th December, 2021



Shivani Mishra BJMC 3rd year

Objective of course: To provide essential skills required in field of science and environment communication

No. of students enrolled: Approx. 115

Outcome of the course: The course was successfully able to fulfil its objectives

Student comments with photograph of student (what student have learnt from it in 2-3 lines)

With the help of the course we were able to identify the essential skills required for science and environment communication. Here we learnt about content and structure of science and environment reporting, Popular science writing and rewriting, PR Practices & science communication, script writing for documentary films and video spots on science, science programmes for radio and Scientoon.

2. Name of the certificate course: Python for Data Science

Date and Duration: 24/09/2023 to 12/11/2023 (40 Hours)

Objective of course: To teach students the Python Language and use it to analyse data, build linear regression models to solve real-life problems.

No. of students enrolled: 205

Outcome of the course: The outcomes of the course was satisfactory. At the end of the course, the students could analyse the data quickly using the tools learned during the course. At the end of the course, 38 candidates were awarded certificates on their successful course completion.

Student comments with photograph of student (what student have learnt from it in 2-3 lines)

I'w It is an excellent course and you will get to learn many new concepts through this course. You will develop good analytical as well as coding skills if you follow along with the instructor and stay consistent.

I'll highly recommend the student to take up this course since it polished my basic knowledge along with my further skill



Khusboo Jain
B. sc(H) Mathematics
2nd year



Vinayak Ghosh 3rd Year, B.Sc(H) Computer Science Dastoor President

3. Name of the certificate course:

Chinese language CERTIFICATE course (15 students)

Chinese language DIPLOMA course (2 students)

Japanese language CERTIFICATE course (39 students)

Japanese language DIPLOMA course (7 students)

Date and Duration: 1 year

Objective of course: Foreign language learning skills. New job prospects & opportunitues. Additional educational qualification

No. of students enrolled: Total 63

Outcome of the course: New set of skills & qualification gained, quality academic achievement, improved career potential.

Student comments with photograph of student (what student have learnt from it in 2-3 lines) Personality development, Ability enhancement, Improved vocational choices.



Rashika
Pol Sc Hons, 2nd year
Japanese Certificate student



Sakshi Chinese certificate student 2nd yr, Pol Sc Hons



Shivam Pol Sc Hons, 2nd year Japanese certificate

4. Name of the certificate course: FinTech

Date and Duration: 31. 07. 2021 to 30. 08. 2021

Objective of course: To acquaint and equip students with new financial technologies like tableau and alteryx.

No. of students enrolled: 72

Outcome of the course: 19 students completed the assignment

Student comments with photographs(what students have learnt from it in 2-3 lines) The programme has been designed to educate the students about the various emerging technologies in the field of automation. This course will help to the students to open new facets of finance and technology. It helped students to upgrade their CV and opened up avenues for new employment opportunities.

5. Name of the certificate course: Evolution of the Himalayas and Integration of GIS Studies using Q-GIS Software & R Programming Language

Date and Duration: 7-20th July, 2022

Objective of course: To cover different aspects of Geology including new research findings and impart knowledge of latest tools to be able to enhance understanding of the Himalayas and remote sensing tools

No. of students enrolled: 59

Outcome of the course: The students learned about geology of different aspects of the Himalayas, like subdivisions of the Himalayas, Structure and Tectonics, Petrological studies, Paleontology, Geo hazards like landslide, earthquake, Hydrogeology, Field studies, Climatic changes, Development of Geo excursion sites,

Student comments with photograph of student (what student have learnt from it in 2-3 lines)

The course helped me immensely in gaining knowledge on himalayan geology and r programming. It has also given me a boost in my cv for giving me industry



grade skills and ready to work field work knowledge with computing skills of r programing.

I gained experience in using the QGIS software and Integration of R programming languageThere were also application oriented lectures from eminent professors of geology during the course



which increased my interest and made me curious and pushed me to explore more. Overall I was able to learn and develop new skills that proved very useful while preparing reports for field trips in geology.

Attended a skill enhancement course organized by the institution on 'Evolution of the Himalayas and Integration of GIS Studies Using QGIS Software & R Programming Language' led by expert geology professors Dr.



Bhargava, Prof. TK Biswal, and Dr. Manika Gupta. The lectures centered around the tectonic and geological aspects of the mountain ranges, featuring GIS and Remote sensing tools. The skills imparted in the program helped me stay up-to-date in an everchanging world.

Learned about Geology of the Himalaya. Pro. T.K Biswal he told us about the geological structure of the Himalayas and we also learned some basic concepts related to remote sensing.



Fully enjoyed the lectures, explained everything in detail and it made it easier for me to understand Himalayan Geology.



The skill enhancement course on Himalayan Evolution helped me get a clearer understanding of the Himalayan orogeny. A look at the museum Arya sir established in the region



piqued my interest...I would like to visit it someday. The classes on R programming in QGIS helped me enhance my skills in QGIS. It was explained in the simplest way possible and being from a non programming background it was made really easy to understand.

"The skill enhancement course titled 'Evolution of the Himalayas and Integration of GIS studies using QGIS software and R-programming language' provided to us by the college not only made me aware about the intricacies



involved in the evolution of the Himalayas, delivered to us by various eminent personalities, but also opened my eyes to the world of QGIS and R programming. These skills have greatly benefitted me and proved to be a great building block for further studies.

6. Name of the certificate course: History of English Literature

Date and Duration: 9th of January, 2022 - 27th March, 2022

Objective of course: To provide essential perspectives on the history of English Literature. The coursework stretched from the Medieval Age Drama and the beginning of English Literature to Post-Modernist works of the 21st Century.

No. of students enrolled: 170

Outcome of the course: The course was successfully able to fulfill its objective. The participants were assessed by project work in

the form of a research paper, video presentation etc. for course completion and certification. 56 participants submitted project work with above 80 percent attendance. Students who were unable to attend classes submitted two extra assignments for course completion.

Student comments with photograph of student (what student have learnt from it in 2-3 lines)

"Hopefully we would have a more interactive off-line session in future" (Abhishek Kashyap)

"it was extremely productive, formerly I possessed the knowledge of the concerned subject but in fragments.. The aforementioned course has glued them together.. now I can fathom the references of literature, besides it helped me specify my field/age for expertise, a thorough way it has paved for me!...(no suggestions!)" (Jagdeep Singh)

7. CERTIFICATE COURSE (15th Oct to 18th Dec 2022)

The Statecraft Society organized a certificate course jointly for the students of BA Political Science (H) and BA Programme. The course

was held in online mode with two hours session on each day of the weekends from 15th October 2022 to 18th December, 2022 spanning a total duration of 40 hours. Academicians Dr. Sanjeev Kumar and Dr. Nishant Kumar mentored the students on the subject by delivering in-depth lectures with help of many PPT presentations.

The objective of the course was to educate students about normative political values, and concepts and debates centred on these along with emphasis on aligned political processes and theories. As part of the course, students were also provided by the speakers with the best resources to read in order to enhance their knowledge further on the subject.

The course was coordinated by Dr. Nidhi Yaday, followed by the members of the organizing committee Utkarsh Amrit, Diksha Singh and Aditya Yadav. And, the report writing team comprised of Yashwini Chandra, Harsh Tanwar, Ishita Sharma, Veerbhadra and Ayush Ranjan Kanth.

Overall, the certificate course was a huge success with an average participation of 70+ students during each session.

Webinar/Seminar

1. Name of the Webinar: Cryptography: A recent trend in Mathematics

Speaker: Prof. R.K Sharma

The Department of Mathematics had organized a National Level workshop on Cryptography: A recent trend in Mathematics on 9th November, 2022 in hybrid mode (offline as well as Online) to connect with maximum number of Participants. For the first time we conducted the event live (live-streaming) on you-tube channel. We received 347 registrations (students, research scholar and faculties) from premier institutes of India that includes IIT Delhi, Kharagpur, Roorkee, MNIT Allahabad, NIT Trichirapalli, Warangal, Raipur, BHU, DU, Jamia milia Islamia University. Professor (Dr.) R. K. Sharma from IIT Delhi was the resource person.

The event was started with an inaugural speech by Mr. Basant Kumar Mishra, Assistant Professor,

Department of Mathematics, who emphasized on the importance of cryptography in Mathematics and its application in the real world. He also welcomed the gathering and eminent personalities attended the event. Professor (Dr.) Rakesh Kumar was the guest of honor for the event. His speech really motivates the audience. After that Dr. R. K. Sharma took over the stage. He delivered and conquered the hearts of participants with brilliant presentations. Dr. Sandeep Bhatt took the queries at the end.

We give special thanks to the office bearers of Infinity society (Mathematical Society of RLA) Mr. Priyanshu, President), Ms.Kashish (V. President) Mr.Sachin Kataria (Secretary) and and the Anchors Ms. Kanika & Ms. Bhavika for organizing such a big event as live streaming was really challenging.

We received 215 feedback for the participants and were given the certificates of participation.

In the end we are thankful to our Principal Prof (Dr.) R. K. Gupta for his support and guidance without which this was not possible.

खामोशी

बाग में उड़ते भंवरे, तितलियां खामोश ना कोई तरन्नुम, न मुस्कुराहट हैं फूलों के चेहरे खामोश।

निरुद्देश्य घूमती काली घटाएं, आकाश में कौंधती बिजलियां तेज चलती आंधियां और है वर्षा की रिमझिम भी खामोश।

कतारों में उड़ते, घोंसलों में छुपते पेड़ों पर फुदकते पंछी भी खामोश, पक्के घरों में खामोश रहते कच्चे लोग चिमनियों से निकलता धुआं हैं दीवार—ओ—दर भी खामोश।

खामोश जमीं, खामोश मंज़र भय से संत्रास आसमां खामोश। अजनबी शहर में डरा सहमा घबराया मैं सोचता हूं खामोश शहर उदास है कोई वजह तो होगी।

> ध्रुव तांगड़ी बीएससी (आनर्स) माइक्रोबायोलॉजी

BLANK VERSE

Hollow eyes staring into oblivion,

He's lost in a world of his own,

Rests on a faded velvet chair with hands dangling by the side, His life running to the finish line like red tail lights in the pouring rain,

Mechanically following what the orderlies think is best for him,

He does it all in the hope that his family will embrace him someday.

He walks up and down the corridors like a lost soul in damnation,

He rushes up to see the daily visit chart,

No sign of his family there.

He hears his mother calling out to him,

He sees his father through the barred window pane,

He helplessly calls for them just to be sedated and put to sleep,

On an oaken bed with a coarse jute mattress.

He's 56 and a known schizophrenic in the hospital records,

Trapped within the four walls and the narrow lanes of his mind,

He holds on to hope,

Hope as bleak as severed rose buds blooming in a plastic bouquet.

Dhruv Tangri Bsc (Hons), Microbiology

Competitions

The Website Committee of RLAC organized a 'Web & Apti Quest Event' on the theme of Web Development and Web Awareness. The coordinators briefed about the event theme and rules to the students along with the benefits of technologies emerging in today's world at such a rapid speed and their importance in order to prevent the misuse of the same. The event was conducted in two rounds. In the first round, a set of 10 questions related to web development and web awareness was provided to each team and they had to solve those questions manually in the time frame of 20 minutes. The teams obtaining the maximum marks were sent further in the second round. 10 teams out of 16 qualified for the second round. The second round was the buzzer round where questions were dictated to the participants and if they knew the correct answer, they were supposed to press the buzzer. The ones who pressed the buzzer first among all the teams was asked to answer the question. The judges marked the participants on correct answers given by them. The winners were rewarded with a cash prize of Rs.1000 for the first position and Rs. 500 for the second position.



International fossil Week Celebrated through Online Quiz Competition

The International Fossil Week was celebrated through an online quiz competition on fossils on 22nd October, 2023. 30 students participated in the presence of all the 5 teachers.

Sanskar Prasad and Priyanshu Gupta revealed the questions given by Dr. Prabhas Pande, one by one and the participants had to write the correct answer within 30 seconds in respective google forms for each question. The challenging yet interesting questions contributed in increasing the quest of students for some of the buried treasures of fossil world. The winners of the event were

rewarded with exciting prizes in the form of a pen each on 10th November, 2022 in a prize distribution ceremony conducted by Dr. Sarbari Nag in the Department. It was attended by I, II and III Yr students of the department.

AJAY KUMAR SATPATHY MEMORIAL LECTURE was organized online by the department on April 22, 2022, from 1:30 PM to 3:00 PM. The subject for the special lecture was Russia, Ukraine, and India. Renowned academician Prof. Harsh V. Pant was the distinguished speaker for the session. Through an elaborate lecture the students & participants learnt the evolution of world politics especially in the contemporary times. Prof. Pant deliberated as to how a multipolar world order has replaced the unipolar one that had come up in the 1990s, when America was the sole global force.

AUDIO BOOK (NOVEMBER 2022)

Students took part in the creation of an audio book for the BA (H) Political Science course, comprising of papers like Classical Political Philosophy, Indian Political Thought-I, Public Policy in India, and Foreign Policy in the Globalizing World, for a student with Multi Disability Retinitis Pigmentation and Cerebellar Ataxia, for the fifth semester of the 2022–23 academic year.



A certificate of recognition for excellent contribution to the preparation of the audio books was also given to the students involved in that process. The students who prepared audio book were Veerbhadra, Aryan Singh, Utkarsh Amrit, Aditya Yadav, Ishita Sharma, Deepali Sharma, Diksha Singh, Ravi Kashyap, Aditya Gautam, Rishabh Patidar, Vaishal, Harsh Tanwar, Kingsukh Roy, Tanisha, Yashwini Chandra and Pooja Kumari.

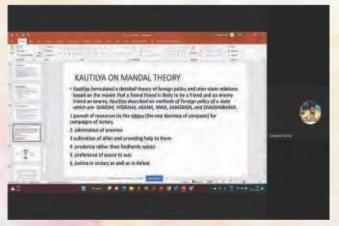
QUESTION HOUR - THE POLITICAL QUIZ (10TH NOV 2022)

A political science quiz called "Question Hour" was successfully held by the Statecraft Society in

the Seminar Room of the college. A unique interdepartmental quiz it was bifurcated into two rounds; preliminary and a final round. The top performing six teams of the preliminary round made to the final round. Each of the 6 teams had two participants. The students thoroughly enjoyed and gained from the thematic quiz.

The quiz concluded with the top 3 winning teams receiving cash awards of Rs. 1500, 1000, and 700, respectively, as well as certificates of appreciation.

All faculty members from the department along



with students from the department were present for the quiz. Members of the organising committee included Dibya Prakash Hota, Dhritiraj, Utkarsh Amrit, Diksha Singh, Richa and Tanisha.

GROUP DISCUSSION - POLITICAL ECOLOGY OF CONTEMPORARY INDIA

The department organised a group discussion and deliberation under Statecraft Society, centered on the theme of Political Ecology. The event was organized in collaboration with the Clean Energy and Conservation Committee as well as Samdrishti' the college magazine. The event was attended by students from the first and second years of the Political Science department. The event was convened and moderated by Dr. Alankar. The aim of the event was to engage the students to delve into the complexities of Political Ecology as well as its issues pertaining to contemporary India. It emphasized the increasing importance of Political Ecology in light of the rampant environmental degradation, how the issues of political ecology are multi-faceted, encompassing social, economic, political, and environmental dimensions. Discussion covered various case studies of the theme in relation to contemporary India; Joshimath Landslides, Aarey tree-felling, Yamuna pollution, illegal mining, protests against Buxwaha diamond mining, Kudankulam Nuclear plant, Silverline fast rail project, groundwater depletion in Punjab, Uttar Pradesh, sea level rise in Sundarbans, dam building in eco fragile zones of North East India and Himachal, tree cutting in Great Nicobar Islands, coral reef depletion in Lakshadweep etc. The discussion proved to be a resounding success and the students left the classroom with a high appreciation not just for the academic discipline but also for the 'Environment' around us.

DEBATE - Is United Nations Relevant in Changing World Order

On 27th September 2022, the department under Statecraft Society organized a debate among students on the continuing relevance of United Nations in the 21st century. The debate was moderated by faculty members Dr. Vijay Kumar Bhatia & Dr. Triranjan Raj. HOD Dr. Kshama Sharma chaired the session. The students enthusiastically participated and debated thoroughly on the theme.

CAREER COUNSELING SESSION -

OPPORTUNITIES FOR POLITICAL SCIENCE UNDERGRADUATES

On 10th February 2023, the department will hold a Career Counseling Session for final students of Political Science as they are about to step out of the college on completion of their graduate degree course. The session intends to guide and motivate students towards various career opportunities available to students upon graduating in Political Science. Apart from presenting the macro details of different avenues, the session also will help students



how to design their career in various vocations like civil services, bureaucracy, research, law, social work, journalism, teaching, civil society networks, content writing, etc.

YOUTH PARLIAMENT SESSION '22

Awaaz, the Debating Society (English) of Ram Lal Anand College, University of Delhi, organized a one-day Youth Parliament on 12th September 2022 in accordance with the National Youth Parliament Scheme by Ministry of Youth Parliamentary Affairs. This bilingual debate, and a simulation of the Parliament, began at 11:00 AM in the college seminar room.

This event was organised to enable the student community to know about practices and procedures of the Parliament, under the mentorship of our honourable Principal Prof. Rakesh Kumar Gupta, Society Convenor Dr. Urvashi Kuhad, Co-Convenor Ms. Seema Meena, and teacher members Dr. Prem Kumar, Dr. Ritu Vats, and Ms. Srijana Singh. Particularly, the event was aimed to strengthen the roots of democracy and inculcate healthy habits of discipline and tolerance of others' views among the students.



Over the months leading up to the event, two workshops and training sessions were conducted for the participants on 23rd June 2022 and 20th July 2022 by faculty member Dr. Nidhi Yadav and retired director of the Lok Sabha Secretariat Mr. K. Srinivasan respectively. The workshops aimed at helping the students understand the finer workings of the Parliament, clearing any doubts, and establishing the importance of such a discourse. The response to both workshops was very enthusiastic, with 50+ students in attendance in each.

The event was graced by esteemed Chief Guest Mr. Anil Kumar Sharma, a former Member of Legislative Assembly of the fifth Delhi Assembly from R. K. Puram Constituency and an alumnus of Ram Lal Anand College. Our wonderful orators smoothly progressed through each section of the event, from the arrival of the Speaker, obituary reference, Question Hour, Calling Attention Motion, and to the introduction and voting on the Bill. The Youth Parliament was a reflection of refined debating, and bore witness to the inquisitive caliber of Ram Lal Anand College's diverse group of students belonging to different courses, who had burning questions and equally witty responses.

The satisfaction level of students with the overall event, including the workshops, was reflected in their responses to the online feedback forms, which displayed an overwhelming positive response from the interested students and an excitement for more such upcoming events. The event formally concluded with the proposed 'Personal Data Protection Bill, 2022' being referred to a Joint Parliamentary Committee upon voting.

The event came to a successful end with Mr. Anil Kumar Sharma addressing the students. He expressed his delight with the avid debating and critical thinking of the participants, and applauded the quality and depth of the arguments presented. He also shared his own experiences and his reverence of the Parliament to be able to promote such discourse on a national level.

By Adya Venkateswara Minaxi Vice-President & Head of Content Writing Awaaz – The Debating Society

CENTRE FOR ENTREPRENEURSHIP AND TECHNOLOGY DEVELOPMENT (E-CELL)

With a brand-new logo and redefined vision & mission, Centre for Entrepreneurship and Technology Development or the E-Cell RLAC was back on track during the session with a zest. The Entrepreneurship Cell undertook the organization of numerous events centered around entrepreneurship & skill development, with an amazing team individuals lead by Shubhnath Sharma & Ujjwal Dingliwal.

Events ranged from not only hands-on workshops and webinars for skill development but even gave wings of opportunity to budding student entrepreneurs of the college through seed-funding programs.

ENTE-ARISE - Start-Up Incubation Program

The Cell organized ENTE-ARISE, the firstever Start-Up Incubation Program, which aimed to provide a chance for budding student entrepreneurs to secure funding for their innovative business ventures from the college. The multi round event was started between September and October 2022, where students were expected to submit videos, supporting financial documents and presentations for their innovative business



ideas. Select ideas held the opportunity to present their pitch in front of a panel of esteemed judges and get a chance to win not only cash prizes, but the title of "Best Start-Up Idea" and seed funding to kick start their venture.





ROADMAP TO START A SUCCESSFUL ENTREPRENEURIAL VENTURE - Workshop on Startup Incubation

On September 30th, 2022, the E-Cell organized a workshop with guest speaker Mr. Vikas Phogat, the Vice President of Campus India & Asia SET R&D, who has over 22 years of experience in various roles including start-ups, incubation centers, campus management, and technical & product management. The workshop event provided students with the opportunity to learn about start-up incubation from a renowned professional in the field who has extensive experience working with young entrepreneurs and has reviewed over 250 start-ups.

Upon the conclusion of the seminar, the students attained a comprehensive comprehension of the entire spectrum of entrepreneurship, ranging from the progression of an idea to procuring financial support. The workshop proved to be a valuable learning experience for the students and helped them gain a deeper understanding of the intricacies of entrepreneurship.



INVESTVERSE - Introduction to the World of Investing

On the 5th of November 2022, the E-Cell organized a webinar which was a holistic course on investing with NSE Academy and was sponsored by HDFC Mutual Fund. The webinar acted as a platform for students to learn about different classes of assets, fundamentals to investing and how to manage one's finances. The course also focused on how to use HDFC MFBytes, an app that covers the A-Z of mutual fund investing. At the end of the course, there was a quiz which helped assess what the students had gained from the session.

On completion of the session and assessment, students were a given a certificate from the NSE academy. The course received positive feedback from the participants, and it was a valuable learning experience overall.

HIDE'N SCREEN - Entrepreneurial Movie Screening & Treasure Hunt

On November 25th, 2022, the Cell organized this event, designed to introduce first-year students to the principles of entrepreneurship and familiarize them with the objectives and activities of the Entrepreneurship Cell. The event consisted of three primary activities, which included the screening of a motion picture related to entrepreneurship, a discussion and analysis session, and an entrepreneurial scavenger hunt. The scavenger hunt component of the event was particularly well-received by the



participants. The teams, comprising of students, were tasked with locating and solving various clues to answer a series of questions related to entrepreneurship. More than 150 students signed up for the hunt but only 36 students divided in teams of 3 could make it the final round after a preliminary quiz. Feedback received from the participants was overwhelmingly positive, with many commending the event for its challenging and engaging nature.

Towards Holistic Growth/beyond Academics

Department of Microbiology (Mikrobiologika Society)

On 9th June 2022, a visit to Bharat Biotech Start-up Expo 2022 organised by Department of Biotechnology India was arranged by the Department of Microbiology, Ram Lal Anand College, University of Delhi. The expo had on display a large no of start-ups that aimed to make the daily life of individuals easy among which some of the interest to students were; Serigen, an innovation driven tissue regeneration Product Company; Mediseva, a health care starter focusing on telemedicine; Catheters reprocessing system or CRS-an automatic computer aid angioplasty and angiography caterer cleaning machine with inbuilt self-testing. In addition to it, students were fascinated by Navam India- first variable fetal movement tracker and K-cat Enzymatic system which works towards reduction in carbon footprint for sustainability and a green and environment. More than 37 students of B.Sc (Hons) Microbiology, semester II attended the expoalong with 2 teachers.

COVID-19 pandemic has affected all levels of the education system particularly lab training of undergraduate students. Most of the practical courses were done in online mode through virtual labs, videos and assignments; therefore a one week Hands-on Summer Training workshop "Exploring and Identifying Microbial diversity" was conducted by the department from 13 July 2022-17 July 2022, 9:00 am to 5.00 pm under DBT Star College Scheme. The workshop was aimed to provide opportunities to undergraduate students to learn basic microbiology techniques such as microscopy, staining and 16S rRNA sequencing (bacterial and fungal diversity). 25 students of B.Sc. H Microbiology 4th semester got the completion certificate at the end of the workshop.

Then, at the beginning of academic session 2022-23 a demonstration of the digital microscope (CILIKA Health and Life Sciences) was held on 27th July in which 30 students and 6 teachers participated.

Online elections were held on 17th August 2022 for electing the office bearers for Mikrobiologika,

the Microbiology Society of RLA college. 84 students of the Department of Microbiology cast their votes in these online elections. Sandeep Patra and Dhanajay Singh were elected to the posts of President and Secretary, respectively, while Nandini Tomar and Deepansha Raina were elected unopposed as Vice-President and Treasurer, Mikrobiologika.

On 22nd August 2022, THSTI (Translational Health Science and Technology Institute) organised a workshop on IPR. The aim of the workshop was to create awareness in



college students and faculty about the importance of IPY, its types and Protection of idea in the current research scenario. The participants were introduced about IP clinic and the section 3 of Indian constitution and gave a very brief and yet the most detailed information about IPR and patenting. This was followed by a visit to the BIONEST incubator at RCB. Students were welcomed warmly at RCB and were given the opportunity to explore the labs. Facilities like AKTA protein purification system, HPLC, ultracentrifuges, animal cell culturing, ELISA reader and many more were observed and explained to the participants. Pilot scale fermenter was also shown. The coordinator also gave a brief introduction about incubation programs being supported at the centre. No of Participants: 4 faculty and 35 students

MICRO MARATHON, the first interactive offline event was held on 16th September 2022 from

10:00 am to 2:00 pm on the occasion of World Microorganism Day. It comprised various fun events and competitions related to the microbiology theme-like treasure hunt, puzzle-it, droplet on slide and way8. We saw an enthusiastic participation from the students of various departments of the college with unique team names like Team ASK, Team Epsilon and so on. There were in total 8 teams with 4 members each. The 1st prize winners were from BSc Hons. Microbiology 5th Semester (Depanjan Sarkar, Pratham Bhat, Shagun Siwach, Ananya Singh) and the 2nd prize winning team was from B.Sc.(H) Microbiology 3rd Sem (Devansh, Dhruv



Tangri, Azra Fayaz, Rakhi Kumari). No of participants: 56 students and 6 teachers.

An industrial visit was organised for the students of B.Sc. (H) Microbiology 4th Semester for 2 days from 6-7th September 2022. On the first day, students and faculty visited the BIONEST at Punjab University where they were welcomed warmly and were given the introduction about the labs and projects at the centre. Facilities like HPLC, animal cell culturing, preservation of animal cells in liquid nitrogen, fermenters and many more were shown and explained to the participants. The most interesting facility included 5-6 fermenters with a single controlling unit. The day ended with a visit to Sukhna Lake, in Chandigarh. On the next day, a visit to Verka Milk Plant, Chandigarh was planned followed by the Verka Milk Plant Mohali. The dairy plants gave a practical viewpoint of various processes to the students like homogenization, pasteurization, processing of milk before ice cream and lassi preparation. The instruments used for storage and packaging of milk, ice creams and lassi, and cold storage facilities for ice cream were also shown. The purpose of imparting practical knowledge in students and making them more interested in the subject was fulfilled. No of participants: 42 students and 6 teachers

Mikrobiologika hosted an alumni interaction session on 22nd September 2022 with Varsha Dwivedi (Batch of 2015), an early -stage researcher, Vienna, Austria (Pediatric Allergo - Immunology) in which she guided students about career options in India and abroad. No of participants: 32 students and 6 teachers

Another alumni interaction and career counselling session was organised on 9th November 2022 with our departmental alumni Gagandeep Singh who is now working as Assistant Research Officer (Biotechnology) at Central Ayurveda Research Institute, Jhansi, CCRAS, Under Ministry of Ayush, Govt. of India. He patiently answered to all the queries about the scholarships for research careers. Students from all three semesters (I, III and V) participated in the session.

An outreach workshop titled "Journey to the Microbial Realm" was conducted for class 8th students of Apeejay school students on 9 September, 2022 by Department of Microbiology, Ram Lal Anand College, University of Delhi under DBT Star scheme. The school students were introduced to the microbial word and the various methods to grow them. They were shown several temporary as well as permanent mounts of bacteria, fungi, algae and protozoa. There were total of 5 teachers and 4 students who had



participated in the workshop as mentors and volunteers respectively who guided more than 120 students were part of this workshop.

Another outreach workshop titled "How Microorganism Look, Grow and Replicate" was conducted for class 11th students of Ramjas International School on 11th October, 2022 by our department under DBT Star scheme. It included 20 students and one biology teacher Mrs. Sonia Varghese. The major microbiological techniques covered in the whole workshop included different types of bacterial and fungal staining, measurement of microbial growth using spectrophotometer, visualization of DNA on agarose gel electrophoresis and functioning of gel doc. There were total of 5 teachers and 4 students who had participated in the workshop as mentor and volunteers respectively.





On similar lines an outreach workshop titled "How Microorganism Look, Grow and Replicate" was conducted for class 12th students of Darbari Lal DAV School on 02 November, 2022 by our department under DBT Star College Scheme in which 33 students and one teacher participated. The major microbiological techniques covered in the whole workshop included different types of bacterial and fungal staining, difference between inoculated and un-inoculated nutrient broth,

disk diffusion method for antibiotic sensitivity, visualization of DNA using agarose gel electrophoresis and functioning of gel doc. There were total of 5 teachers and 4 students who had participated in the workshop as mentor and volunteers respectively.

On 2nd November 2022, a departmental orientation program was organized for the newly admitted first year students in order to convey necessary information to them and



acquaint them with the functioning of our department. Participants: 25 students, 7 teachers, 5 lab staff

A one week Hands-on workshop in association with Centre for Innovation in Infectious Disease Research, Education and Training (CIIDRET) and Delhi School for Skill Enhancement and Entrepreneurship Development (DSSEED) under the theme of 100 days training and skill enhancement festival was organized on "Basic Techniques in Microbiology" from 17th December 2022 – 23rd December 2022. We had 27 registered participants including B.Sc, M.Sc, B.tech and research scholars from JMU, NTU, JNVU, DTU and several colleges affiliated to University of Delhi. There were total of 7 teachers and 9 students who had participated in the workshop as mentor and volunteers respectively.

On 17th January, 2023 a group of 19 students visited our department from St. Edmund College, Shillong, Meghalaya accompanied by two teachers of the department of Biochemistry. They were shown small scale fermenter, streak plate technique, colony counter and anaerobic gas Pak System at microbiology lab. Then they visited geology lab and fascinated with the crystal structures seen under microscope and rock specimens in geology lab. Also, they were given a whole tour of the college campus wherein they interacted with students as well as college faculty. They were shown the recently built community radio facility in the media lab at the department of Hindi Journalism. We also arranged their interaction as well as lab visit to CIIDRET and BIONEST incubator at South Campus University of Delhi where they were really excited to visit to sequencing facility, real Time PCR and large scale fermenters etc.





In the month of January, we conducted an exploration session for the students of B.Sc (Hons) Microbiology II year and III year to IIT Delhi's Research Park with an aim to help students explore the area of innovation and experiment on 30th January 2023. The representative of the Organization began by giving the students a basic idea about the working and history of FIIT, ATAL INCUBATION CENTER in Sonipat, start-ups incubated at FIIT. Information was also provided on the various programs run by FIIT Delhi like the Meity Samridhi, NIDHI, Startup Residency programs. Students were made aware of the levels at which FIIT Delhi facility cater to a particular idea and the ways in which these benefit an individual. Students visited the mechanical lab of the Incubation center. Students and faculty also interacted with the CEO of DRONE ADDA which basically is a drone parts manufacturing company. No of participants: 47 students and 3 teachers

It was a moment of pride for the department when Abhilash Jeas George was ranked no 1 in the merit list of B.Sc. (Honors) Microbiology and he will be awarded Gold medal in convocation to be held on 25th February 2023.

Another feather in the cap was the "Best Teacher Award" bestowed on Prof. Prerna Diwan, a state level award conferred by Microbiologists Society, India, for the academic session 2021-22.





Visit to Bharat Biotech Start-up Expo on 9st June 2022











Students enjoying ice-cream at Verka Milk Plant, Chandigarh



Outreach workshop Apeejay school, New Delhi on 9 September, 2022



Dr. Salome John showing bacterial culture to students at the Outreach workshop Apeejay school, New Delhi on 9 September, 2022



Students of St. Edmund College, Shillong, Meghalaya visiting our department on 17.1.2023



Students of St. Edmund College, Shillong, Meghalaya at CIIDRET, DU



Visit to Research Park, IIT Delhi on 31st January 2023

Dr. Sunila Hooda, Convener Mikrobiologika

Prof. Prerna Diwan Teacher-In-Charge

National Education Policy

Students' Speak-



Punyavee Mohan BSc Hons Microbiology Semester-1

In my opinion, the NEP is a commendable initiative by the Ministry of Education...

When talking about a research oriented career, I personally know it is a great decision as due to NEP, we can now pursue a 4 year degree and if we perform well, we are directly eligible for a PhD, instead of going for a MSc. This not just saves 1 year but many years as entrance exams do exist for both Masters and PhD. Also, the final year involving research is of immense help and provides exposure.

As per the NEP, the students will now have multiple exits during their UG programme. This proposal allows students to have more control over their education, and removes the rigidity that currently prevails. It will most definitely allow the students to explore the world through the lens of multiple subjects.



Sanskriti Tamang BA Hons, Political science Semester-1



Priya B.Sc (H) Microbiology Semester-1

As a first year student, NEP has a huge impact on us. We have different types of additional courses in our curriculum like Ability Enhancement Course, Skill Enhancement Course and Value Addition courses that add additional burden on us. This compromises the quality of our courses by employing a one size fits all approach.

I believe that this new rule of NEP is a great move in revolutionizing the Indian education system. With opportunities to learn more skills this will help everyone to enhance and know their ability.



Shivansh Saxena, Bsc. Hons(Microbiology), 1st Semester



Devansh Gautam
BMS -1 sem

NEP, according to me is still not upto the mark but yes, apart from a few loopholes it's better than the previous one

Time demands changes. This revised education policy has brought some crucial changes which were much needed. It's quite appreciable!



Anand BMS- 1 sem



Ayush Sharma BMS -1st sem

From my point of view I believe that it is a very good initiative taken by the government of media. It more focus on the practical learning rather than rote learning which enhance the personality of a student to a great extent.



Vaibhav Arora BMS -1st sem

A great initiative by University of Delhi for students & their future career. But still there are a few loopholes to be recognised & fulfilled. Although, many students are still not satisfied due to the unexpected experiments going on with them.

Yes, definitely the new National Education Policy looks great on paper, as it will be putting more emphasis on skill development other than your preferred field of study which will therefore brush up your knowledge. But, while taking on the practical terms it feels like a much more of burden for the students as now we have to now study 4 additional subjects other than our main subjects and even then, the implementation of NEP has not been up to the mark as no one is aware (including students as well as professors) about what's going to happen in this year's examination and on what basis it will be conducted.



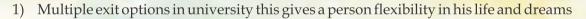
Kanishk BMS -1 sem

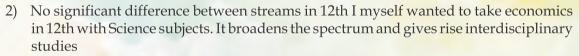


Rounak Mangtani BMS -1 sem

Just like coin has two sides, this New educational policy also has two sides. Looking at the pros it is good for personality development but this comes with a burden on students which is not the right thing. I Hope it will get better in the near future.

It has nearly everything that is needed to push Indian education to the next frontier I myself liked 3 points:







Rishu Raj BMS -1st sem NEP is wonderful policy

3) Coding from 6th I don't know the feasibility of this but on paper it looks a wonderful initiative as I feel coding to certain extent has entered every field I know it's a very ambitious goal and I doubt it's execution but if you aim for the stars might land on the tree top.



This has so much advantages to grow but there AEC (ability enhancement course)

This is not any ability enhancement in our even it is not use in our future life

Chirag BMS - 1 St sem

It replaces the National Education Policy of 1986. The New Educational Policy 2022 focuses on 5 pillars: Access, Equity, Quality, Affordability and Accountability. The New Education Policy aims to make education more inclusive, equitable, and accessible to all, with a special emphasis on marginalized communities.



Sumit Sinha BMS - 1st sem



Vivek Hotkar BMS - 1st sem

In my point of view it is better because they are providing visualization classes and encouraging holistic development. And students have a lot of options to choose there own subject to score better in exams.

In my opinion National Education policy has given us a glimpse of what all can be done by transforming the world of education. It's a very good initiative taken by the Government of India. Students can enhance their own personalities and develop speaking skills. Some students are against this NEP because the duration of courses is hiked one year more.

Overall NEP 2020 is to make India a global knowledge Superpower.



Tarun Kumar B.A. (H) Hindi. Semester - First Year.

Students' Reflections

Awaaz: The Debating Society (English)

Nimisha Kashyap

Head of Cinematography, Awaaz B. A. (Hons) Political Science, Second Year

"Awaaz, as the name suggests, has given me a voice and so much exposure this year. Joining this society was the best thing I did in my college life. I got to participate in Verbum Bellum 2.0 organized by Amity Law School, Noida, experience the Lincoln-Douglas debate competition, and reached the semi-finals – it is an achievement that I will always be proud of. I also had the wonderful opportunity to go to Vidhan Sabha and take part in the Second Delhi Youth Parliament. It was a spotlight moment of my life that I will forever



cherish. Awaaz is solely responsible for my personal growth in this year itself. I can't wait to explore more in this journey with Awaaz!"

Adya Venkateswara Minaxi

Vice President, Head of Content Writing & Head of Graphic Designing, Awaaz B. A. (Hons) Political Science, Second Year

"For me, Awaaz is a society I will never regret joining. In the time I've been at Awaaz – over a year, now, I've made more than just fun memories with the team. I've got exposure in ways I couldn't have fathomed when I decided to join this society.



I have had the fortune of experiencing the art of debating in so many shapes, forms, and formats, right from Conventional to Group Discussions, Turncoat, Extempore, and grand events such as MUNs, and Youth Parliament. More than just debating, I've had growth in terms of enhancing my skill sets such as public speaking, oration, articulation, effective writing and communication, designing, and being able to pitch myself to someone. My worldview today is a reflection of the kind of growth that happens in this electrifying society. Awaaz has given me the most well-rounded and holistic exposure I could imagine, and I look forward to being a part of its journey this year as well".

Abhivyakti (English)

PRATHAM BHATT B.Sc. (Hons) Microbiology Third Year

"Serving as the President of ABHIVYAKTI - THE ENGLISH CREATIVE WRITING SOCIETY for two straight terms has helped me grow both as a leader and, as a writer. Being a part of this fantastic writing culture somehow allowed me to finally find the route to reaching my best extent as a versatile writer. I'd like to highlight the Slum Event, where we got to interact with young creative individuals, which helped me develop my own creativity and way of thinking.



SHREYA NAYAK B.Sc.(Hons) Microbiology Third Year

"You cannot write your own stars, but can write your own story! ABHIVYAKTI has provided me with precious lessons throughout my college years, be it evorving as a writer, a leader or as a team. I joined as a poet hoping to find a community that would understand my love for writing and today, I hold the position of Vice President who not only learnt how to work in unity but also experienced the valuable life lesson of believing in ourselves. The recent talk session with Ms Indu Punj left a deep impact on my thinking and helped me change my point of view towards life."



Let the standard of everybody's mind be raised to the heights of his own inner glory and then man will feel for himself the greatness of the higher values of life and would be tempted to bring them down into practical life and live them.

Maharishi Mahesh Yogi

ABHIVYAKTI

The English Creative Writing Society

Words are windows to the soul. With this spirit & motto, the soulful beginning of the new session of Abhivyakti: The English Creative Writing Society happened with appointment of the new soul, the torch bearers of the society for the session 2022-23. Under the able guidance of Dr. Salome John, the co-convenor of the society, Abhivyakti English excelled wonderfully. Pratham Bhatt was appointed President, Shreya Nayak & Jaya Pandey Vice President, Vasudha Barthwal Secretary, Menal Jain Editor, Hardik Singh Rathore Joint Secretary, Aardra Surendran & Akiksha Content Head & Shelja Agarwal Social Media Head. In session 2023, the society with greater manpower & double zeal managed to fulfill its true purpose that it couldn't in the previous one. The members got ample opportunities to learn as well as showcase their talents. The society also organized various competitions throughout the year not only for the society members but also at Intra College level.

The 1st event for the session, conducted by society on Friday 3rd February, 2023, was a talk session on 'How to be the author of your story' by Ms Indu Punj. The event saw an overall participation of more than 50 people. To make the session engaging, the speaker posed a few questions for the audience to answer & we saw overwhelming participation.

On the same day, the society organized the second edition of 'ESPRIMAS', an open-mic, Abhivyakti's flagship event that had a total participation of ~20 including society members. With its aim of providing a stage to budding writers to present their work, the event touched unique themes & important issues. In the end, Ms Pallavi Dutta, the committee member, presented a beautiful piece of her own.

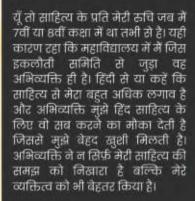
Both the events were enthusiastically compered by Manasvi Bangar & Vasudha Barthwal respectively. They started off by addressing the participants & tied up the event with great zeal. Mansvi first introduced the speaker & handed over the stage to her who later captured everyone's attention with her intriguing words. In the end the President presented his vote of thanks.

'ESPRIMAS 2.0' began with Vasudha Barthwal presenting and reciting her piece to give the event a good head start and motivate the participants. This was followed by the participants presenting their beautiful pieces. Pratham Bhatt also narrated his piece. Each and every performer articulated their writings in such a way that it kept the audience enraptured and spellbound. All the budding writers were lauded by the audience in the comments section. The event broke off on a positive





Abhivyakti (Hindi)





रवि सिंह गणित विशेष, तृतीय वर्ष



आरोह, मेरे लिए एक समिति से बढ़कर परिवार है। इस परिवार के सभी सदस्य मेरे लिए उतने ही अनमोल हैं जितने इस अंबर में सितारे हैं। वाद विवाद की कला के साध-साध पह हमें उन वैधारिक क्षमताओं को समझने का एक मार्ग भी विखाती है जो एक मनुष्य को एक वैधारिक प्राणी के रूप में स्थापित करती है। आरोह ने बीते समय में बहुत से मुकाम और सफलताएं हासिल की हैं और मेरा विश्वास है कि यह समिति इसी प्रकार निरंतर रूप से चलती रहेगी। मेरा यह अनुभव इतना सुखद रहा कि मैं सदैव इससे जुड़ा रहना चाहूंगा।

> मनस्वी बांगड़(अध्यक्ष) वजनीतिक विज्ञान विभाग, द्वितीय वर्ष



हम हमेशा ही खुद को बेहतर बनाने की कोशिश में लगे रहते हैं, और याब बात आपके व्यक्तित्व की आती है तो मुझे लगता है कि आपका व्यवहार और बातचीत करने का तरीका सामने वाले पर बहुत प्रभाव डालता है | मुझे अपने व्यक्तित्व को और बेहतर बनाने का अवसर दिया आरोह ने | ये न केवल एक बाद विवाद समिति है बल्कि एक परिवार की तरह है, जिसमें आप वेझिझक कुछ भी कह सकते हैं और किसी भी विषय पर सलाह पा सकते हैं | आरोह का हर सदस्य हमेशा मदद करने के लिए तैयार रहता है | इस न केवल जरूरी विषयों पर बातचीत करते हैं बल्कि व्यक्तिगत मसलों को सुलझाने में भी एक दूसरे की सहायता करते हैं | आरोह के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष में हतने अच्छे निराज के हैं कि इनसे बात करने में या कुछ कहने में मुझे कभी दो बार नहीं सांधना पड़ता | आरोह एक ऐसी समिति है जिसकी सदस्य बनकर मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है | मैं स्वयं को आरोह के प्रति समर्पित करती हैं |

खुशी(सदस्य)

अपने घर, अपने शहर दूर आने पर उमंग तो थी, पर एक अधूरापन भी था जिसे अभिव्यक्ति परिवार ने अपने प्यार से पूरा किया। हिंदी लेखन के प्रति मेरे प्रेम को और प्रगाढ़ किया। अच्छे रिश्ते और नए अवसर तो दिए ही, साथ ही अभिव्यक्ति ने मेरी लेखन क्षमता को भी संवारा, तथा



अविशी खुराना गणित विशेष, द्वितीय वर्ष

हिंदी पर मेरी पकड़ को और मज़बूत किया। मेरी र<mark>चनाओं के</mark> साथ प्रबंधन क्षमता को भी नए आयाम मिले। संक्षिप्ततः अभिव्यक्ति मेरा परिवार भी बनी और प्रेरणा भी।

Sangosthi

"I joined this society in my first year. The first event that was conducted made me realise that this society will play an integral part in my life. This society not only gave me the confidence to make my own decisions but also gave me strength to handle unwanted and last moment situations. When sangoshthi organised the first ever international E-Conference, I gained insights which only this society could ever provide me. Through this society I not only have learnt how to be a team player but also how to handle a team as well as a society. Further, I also learnt how to tackle social situations. Thus, I can surely say that Sangoshthi is the society that will always stay an integral part of my life.



Sucheta

Bsc. (Hons.) Statistics
Third year

"My experiences at Sangoshthi have enriched my college life multidimensionally. It has widened my worldview and presented me with significant learning opportunities. As a leader having held momentous positions like Joint Secretary, Vice President and eventually President at Sangoshthi, I was able to develop critical thinking, management skills, effective communication, compassion, emotional intelligence, problem solving temperament, decisiveness and other leadership traits that will benefit me for the rest of my life. We were able to host international conferences and seminars, with intellectuals from across the globe that has inspired me, among many others, to develop a passion for scholarship, resulting in me getting several awards in debates and research paper



presentations. Looking back, joining Sangoshthi was one of the most rewarding decisions that I made in college."

Utkarsh Amrit President, Sangoshthi B.A. (Hons.), Political Science, 3rd year

Remedial Classes

"A few years back remedial classes were conceived by the staff council of the college to help students bridge scholastic/linguistic deficits. A number of teachers took the initiative and did the hand-holding to enable their students to overcome the baggage of their social antecedents/socialisation. But more efforts are called for and that too in a systematic manner. Few teachers have also employed the idea of a buddy system and study groups to supplement the instrument of remedial classes. Apart from the above two, project work, assigned to a group of students not only leveraged new imaginations but also helped many others to rediscover their innate talents. There is a growing realisation that we need to employ a number of other potent instruments to help students negotiate skill deficits."



Prof. N. K. Pandey
Department of History
Convenor, Remedial Classes

"Remedial classes were very useful to me. They helped in getting more clarity on the topics and the extra preparation and numerical helped in easy solving of questions which further helped me in my exam."

Ragini Arora B.Com Hons

Remedial classes helped me a lot in for preparing my exams. Through these classes, my doubts got cleared and I gained more clarity in my concepts. Even in these classes, our faculty gave extra practice questions which helped me to solve these questions confidently.

a a m

Priyanka B.Com prog Vth sem

Students' Workshop: Virtual Labs

The Department of Computer Science organized a one day workshop on "Virtual Labs" on 02-02-2023, Thursday. The event was organized with an objective to introduce and acquaint students with virtual Labs and its usage. Mr. Prateek Sharma and Mr. Chandan were the two resource persons from VLabs IIT Delhi. They introduced the Virtual Labs to the students and explained its working. They also performed the 7 experiments keeping in mind different disciplines of the participants and explained how these are developed and how students can use VLabs to perform their experiments and utilize their resources. 127 students of different disciplines participated in the event.





SUGAM

Differently Abled Students Welfare

SUGAM (Differently Abled Students Welfare) of RLAC Committee of Ram Lal Anand College has organized a Sensitization Drive for Differently Abled Students on September 2022 in college. A Total of 5 students and 3 faculty members joins the programme. Students participating sensitized fellow students in a way that allows others to be more sensitive towards them and not be just sympathetic.

These changes can only be incorporated in society when we have an inclusive approach i.e by not excluding the differently-abled students from whatever group projects we have. By not making them feel like they are not a part of our society.

With this aim, SUGAM Society organized this drive where 5 students from the society and 4 students volunteer covered the students and teachers from History Department, Geology Department, Hindi Department, English Department, Microbiology Department, Mathematics Department, Computer Science Department, Political Science Department, Commerce Department, Economics Department, Statistics Department and Physical Education Department.

To conduct the event was extremely successful.





Quru- Quiz Society

The Quiz Society of Ram Lal Anand College under the convenorship of Dr. Seema Joshi, Associate Professor, Dept. of Statistics organized quiz on the topic - India Quiz on 23rd January 2023.

The members conducted a preliminary round with 20 questions for the students including current affairs and miscellaneous questions related to Indian heritage which the participants answered. The existing member students explained the rules to the participants. One mark was awarded for each correct answer and there was no negative marking. Out of 48 students, 6 teams were shortlisted for the final round consisting of 11 members. The final round consisted of 30 questions divided into 5 rounds consisting of 6 questions each. The three teams with the highest scores were declared the winners. The first position went to Mr. Suraj Kumar and Mr. Keshav Bhatt; 2nd Position went to Mr. Aditya Verma and the third position went to Mr. Sagar Chaudhary. Finally, the attendance was circulated with the students and their responses were recorded.





National Seminar on Artificial Intelligence, Automation & Future of Work

The Department of Computer Science organized a National Seminar in collaboration with ICT Academy on AI, Automation, and Future of Work on 16th September 2022 in the seminar room Ms. Tanvi Mittal, HR Head India, VLink Inc. delivered a lecture discussing the principles of AI at its core, first Supercomputers, types of AI. She also discussed the power of automation in processes like office design, customer support, etc. She also talked about the future of work, which included three main features - Work, Workforce, and Workplace - and the effect of the current pandemic in shaping the current work setting. Mr. Sagar Radhi, L&D, and CSR Lead, Bristlecone led an interactive session with students using case studies to talk about how AI has reduced the costs of the company. He also talked about the future projections of the top soft skills required in the industry, and how in today's time it is always necessary to upskill and cross-skill yourself. The speakers were presented with a memento. All the faculty members, members of ICT academy, and students from different disciplines found this to be a fruitful experience.





Sangoshthi

Sangoshthi the seminar society of Ram Lal Anand College, University of Delhi organized a seminar on topic Research to innovation: Designing the future of India on 27th January 2023 in the seminar room. Anchor for the seminar Diksha Singh and Chirag Manchandra invited Dr. Deepti Bhardwaj convenor of the society for a formal welcome of the speaker for the seminar Professor Zahid Ashraf (Director of Academics and HOD of Biotechnology in Jamia Milia Islamia, New Delhi). A brief introduction of the seminar was given by the anchors and a token of appreciation was presented to the speaker by honorable Principal Professor Rakesh Kumar Gupta. The speaker began his lecture by explaining the concept of innovation, the mantra for being innovative and developing ideas. He discussed India's position on the world platform in the field of innovation and also highlighted the potential Indians have to dominate the world in the technological platforms. He discussed about the history of innovation in India and the role of higher education institutions in it. He also spoke



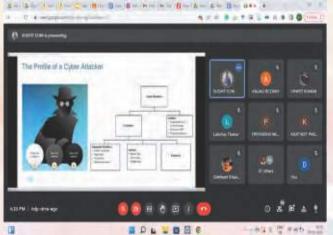


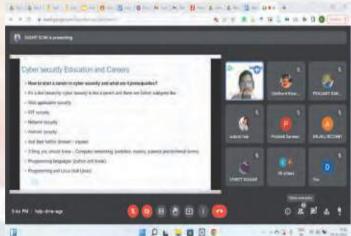
about the knowledge and creativity that Indians have and the achievement they made yet. He highlighted the achievements made by Indians in different fields.

The seminar was fruitful as more than 150 students joined the seminar and asked different queries in question and answer session from honorable speaker. At last the seminar was concluded with vote of thanks.

Students' Workshop: Introduction to Cyber Security

The Department of Computer Science organized a National Workshop on Introduction to Cyber security in association with NIIT Foundation from 03rd October 2022 to 04th October 2022 in online mode on Google meet platform Mr. Sushit Soni- Master Trainer (Cyber Security), NIIT foundation Delhi delivered a lecture discussing the information regarding Cyber Security, certifications that one can go through and career opportunities in industries. He explained how in today's interconnected world everyone is more susceptible to cyber-attacks. This workshop was fruitful to those who are attracted to the relatively new world of cyber security as a professional, or just interested in protecting oneself online and in social media platforms. The workshop explored cyber trends, threats—along with the broader topic of cybersecurity in a way that is now a matter of concern to everyone.





Students' Webinar on CAT

Management Avenues and Realistic Growth (MARG), the management society in collaboration with Pathways- the Placement Cell of Ram Lal Anand College organized a CAT prep webinar on 23rd July 2022. The webinar commenced with a welcome and introductory speech by Raunak Singh (Joint Secretary). Mr. Sahib Chawla, IIM Lucknow alumnus, and Mr. Shubham Dodeja, three times 99+ percentile in CAT, took an insightful session giving pragmatic strategies for the preparation of one of the toughest exams in India. The webinar received a great response with over 100 registrations. Both speakers shared their experiences and guided them according to their expertise.

To make the session more interactive, numerous polls and questions were put on the screen for the

Pothway, Carrier Countailling and Planament Call in association with MARG, the Management actions RAM LAL ANAND COLLEGE presents.:

WEBINAR

"Tips for scoring 99+ percentile in C.A.T." with Shubham Dodeja & Sahib Chawla (IIM Lucknow pass out)

Saturday, 23rd July 2022 at 4:30 P.M. On Google Meet

Dr. Rakesh K. Gupts (Convenor, Pathway) (Convenor, M.A.R.G.)

participants, which also had a great response. This made all the participants connect throughout the Webinar. The webinar was officially concluded after the vote of thanks delivered by Jai Sharma, the Secratory of MARG before which the participants were given the opportunity to interact and clear their queries. The webinar proved to be a great success for both MARG and Pathways.



WEBINAR ON INVESTING IN MUTUAL FUNDS (MARG)

The Management Society organized a webinar on All about investment in mutual funds: A growth opportunity, led by Leena Goel, **Chartered Financial Analyst currently working** as an Assistant Manager at Mercer, Gurgaon. She has also worked as a Senior Associate at Samsung Research & Development Institute, Bengaluru. This one-hour webinar started sharp at 1 pm on the 2nd of October via the online platform google meet attended by more than 70 Participants. The student feedback was highly overwhelming as well as encouraging for the members of the society is for future webinars and encouragement seminars.

"SATVA-The Sustainability Initiative

SATVA- The Sustainability Initiative of Ram Lal Anand College was initiated with an MOU (dated 2nd February 2022) with Sustainable India Trust (SIT) under IQAC.

On 26th September 2022 a program "PARYAV- YE PARV HAI DHARA KA" was organised with an aim to bring the awareness in the youth around the idea of sustainability. The events were open to all students of RLAC and were conducted inside the college premises. The event set off with a presentation in the Seminar Room deliberating all the works Satva as a society has done. This was followed by several competitions and fun-filled enticing games-



- Extempore Competition- The event was conducted in the seminar hall in which participants had to present an impromptu speech on a random topic for about 2 minutes. A total of 9 participants took part in the competition. The competition was judged by Dr. Salome John and Dr. Sunyena Sharma.
- Essay Writing Competition- A competition for the participants to write their heart out on the topic "CLIMATE CHANGE AND YOUTH" which was provided beforehand to the participants. Around 45 minutes were provided to each. A total of 17 participants participated in this competition.
- Editorial Cartoon Competition- A competition meant to unleash the inner artists in participants with the topic being "Role of people from different walks of life to protect environment" which was provided to the participants beforehand. Around 45 minutes were provided to each. A total of 9 students participated in the competition.

1st and 2nd place holders of all the 3 competitions were awarded with Rs. 1200 and Rs. 800 respectively.

These competitions were followed by two funfilled and enthralling games in the lawn in the front of the canteen-

 Sort the garbage- In this game the participants had to sort the garbage items corresponding to the colour of garbage bin.



 Goal for the Goal- In this game, the participants had to choose chits containing SDG clues had to guess correct SDG number and then throw the dart on the goal.

The games were intended to impart knowledge and awareness about sustainability and environment while having fun. Both the games attracted a large number of participants and the winners of the games were rewarded with Canteen Coupons. And finally, a board was installed on the front stage of the college for the youth to voice their opinions on sustainability which was met with a huge response from students.

Hunar Utsav

SUGAM (Differently Abled Students Welfare) of RLAC Committee of Ram Lal Anand College in association with Art and Culture Society organized Hunar Utsav for Differently Abled Students.

The event was started and hosted by the students of Andaaz Society. In total, 3 activities were organized for the Differently Abled Students. To begin with, students painted a Diya with the help of student coordinators. They painted beautiful diyas with alluring colors so as to signify an amazing life given to them and being thankful for things. Secondly, the Dastoor Society played some songs and organized a Song Quiz for the participating students. They participated in this quiz with utmost zest and enthusiasm. The ending event was called "Game of Chits", where they picked chits and performed the task given to these students.

To make this happen, SUGAM Society organized this event where 26 students from the societies like - Dastoor and Inaara Societies and 5 students volunteer from the Sugam Society covered the event. Students from the History Department, Hindi Department, English Department, Microbiology Department, Mathematics Department, Computer Science Department, Political Science Department, Commerce Department, and Statistics Department participated in this event.

To sum up at the end, it was a successful event. It was fruitful and a drive to spread the awareness among the students of all departments in our college.





हिंदी वाद-विवाद समिति

तुलसी का कवित्त विवेक राम लाल आनंद महाविद्यालय की 'आरोह हिंदी वाद विवाद समिति' के द्वारा दिनांक 18 अप्रैल 2022 को 'तुलसी का कवित विवेक' विषय पर आयोजन हुआ। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. मलखान सिंह की उपस्थिति रही।

अस्मिता 1.0

वाद—विवाद समिति आरोह ने 20 सितंबर 2022 को अंतःमहाविद्यालय पारंपरिक वाद—विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्राचार्य प्रो. राकेश कुमार गुप्ता ने सभी को बधाई देते हुए आगे भी इस तरह के आयोजन करने को प्रोत्साहित किया। संयोजक डॉ. अरविंद पटेल ने वाद विवाद को नए आयामों पर ले जाने का संदेश दिया। प्रतियोगिता के विषय थे—'वर्तमान समय में क्या जातिगत आरक्षण की आवश्यकता है?' 'क्या अभिव्यक्ति की आजादी पर भी सीमा होनी चाहिए?' इसमें 30 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में प्रथम विजेता राजनीति विज्ञान विशेष से तरुण रहे, द्वितीय पुरस्कार गणित विशेष की अविशी खुराना ने अपने नाम किया। तृतीय पुरस्कार हिन्दी पत्रकारिता और जनसंचार की गुंजन गोस्वामी ने जीता।

अस्मिता 2.0

आरोह ने 19 अक्टूबर 2022 को अंतरमहाविद्यालयी वाद विवाद प्रतियोगिता आयोजित की। दो चरण में हुई प्रतियोगिता में 39 टीमें शामिल हुईं। विषय था द्वारा यह सदन मानता है कि छद्म नारीवाद समानता के विरुद्ध है। दूसरा—'इस सदन का मत है कि अनभिज्ञता में ही परमानंद है'।

सर्वश्रेष्ठ कमेंट प्रतियोगिता

आरोह समिति ने गांधी और शास्त्री जयंती के उपलक्ष्य में अंतर महाविद्यालय सर्वश्रेष्ठ कमेंट प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता में दो विषय रखे गए, जिसमें प्रथम विषय गांधी के जीवन मूल्यों और जय जवान जय किसान नारे पर रखा गया।

अस्मिता 3.0

आयोजनों की कड़ी में आरोह ने 29 नवंबर 2022 को संविधान दिवस के उपलक्ष्य में द्विभाषी समूह चर्चा का आयोजन किया। इसमें राम लाल आनंद महाविद्यालय के प्रथम वर्ष के विद्यार्थी भी भाग ले सकते थे। प्रतियोगिता पांच चरणों में संपन्न हुई। 35 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान





माइक्रोबायोलॉजी के अंकुश कुमार को मिला। द्वितीय स्थान हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार से खुशी ने जीता। तृतीय स्थान पर शिवांश सक्सेना रहे।

अस्मिता 4.0

आरोह ने मानवाधिकार दिवस के उपलक्ष्य में ऑनलाइन अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिता आयोजित की। इसका विषय था कि 'क्या मानव अधिकार, मानव कर्तव्यों से ज़्यादा ज़रूरी है?' दूसरा विषय था कि 'आज के समय की मांग, समलैंगिक के अधिकार'। इस ऑनलाइन स्पर्धा में कई कॉलेज के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया और पुरस्कार जीता। इसे सफल बनाने में समिति के पदाधिकारियों ने बढ़ —चढ़ कर हिस्सा लिया।

अस्मिता 5.0

10 जनवरी 2023 को विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर आरोह ने नवरत्नों की सभा राष्ट्रीय समूह चर्चा प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता में कई महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। आरोह के संयोजक डॉ अरविंद, सह—संयोजक डॉ सुरेंद्र और डॉ. प्रदीप कुमार ने प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया।

ऑनलाइन स्पीच प्रतियोगिता

आरोह समिति ने 31 दिसंबर 2022 को किसान दिवस के अवसर पर ऑनलाइन स्पीच का आयोजन कराया गया। इसमें अनेक महाविद्यालयों के छात्र—छात्राओं ने भाग लिया। इस आयोजन में प्रथम स्थान अनुभव, रामजस कॉलेज को मिला। द्वितीय स्थान अभिनव, दयाल सिंह कॉलेज को मिला तो तृतीय स्थान आशी दुबे, मैत्री कॉलेज को मिला।



Ubiquitous: The English Literary Society

The English Literary Society of Ram Lal Anand College, Ubiquitous organized a talk and interactive session on 6th February, 2023 in the seminar hall. The title of the session was The Process and Structure of Academic Writing, delivered by the invited speaker Anunaya Rajhans. The invited speaker is a PhD candidate at the Media Studies department, University of Amsterdam and was a lecturer in the University of Amsterdam & Vedica Scholars Programme.

The event coordinator, Ms Pallavi Dutta started the session by introducing the speaker. The speaker then took over and spoke effectively on the process of Academic Writing. It was an interactive session where students shared their observations, reflection and questions. The speaker highlighted the critical aspects of writing in higher studies and emphasized on the importance of writing drafts as a crucial part of creating knowledge through writing rather than reproducing factual knowledge. He also highlighted the structure and format of academic writing by introducing the concept of thesis statement, argument, synthesis and conclusion. Then, questions and queries from the students were quickly addressed by the speaker at the end.

The event concluded with a formal vote of thanks by the society convener, Ms Pragya Deshmukh who also summarized the main points of the speaker and appreciated his effort of delivering a fruitful talk and engaging the students of the institution.

The society held several screenings of the film adaptations of authors from the course curriculum for better understanding of the students. Some of the film adaptations screened include William Shakespeare's *Macbeth*, Jonathan Swift's *Gulliver's Travels*









SERENITY

B.A PROGRAM

An open mic competition was organised for first year student of B.A. Program on 21st November, 2022 where an opportunity was provided to the students to bring out their emotions in front of everyone. To show their fellow students what they have experienced during these past days in college and how their journey has been. The event witnessed the participation of large number of students. Students were also provide with refreshments and overall it was a successful event.



The B.A. Proggrame society organised an event "SAARANG" on 19th January, Thursday. Three events were conducted.

These were:

QUIZ COMPETITION RANGOLI MAKING COMPETITION OPEN MIC

A large number of participants took part in various competitions and won prizes.

QUIZ COMPETION

The quiz competition was on the topic "75 years of India's Independence" was organized. In total there were 16 teams with 2 members in each team. The quiz was held in 3 rounds. The judges for the same were- Dr. Sandeep Bhatt (Dept. of Maths) and Dr. Vikas (Dept. of

History).

In ROUND-1 each team was asked to answer 20 questions.

Out of these 16 teams only 8 teams were selected for ROUND-2 (also there was a tie breaker round conducted between 3 teams before starting with the 2nd round)

And finally, in ROUND-3 there were only 5 teams (again, there was a tie breaker round)

RANGOLI COMPETITION

The rangoli competition was conducted on two topics "Environment" and "Women Empowerment". Out of each topic a winner was chosen along with an overall 2nd position to a team. It was held in on the stage from 1:30p.m to 3:30p.m.

The theme "women empowerment" was judged by: Dr. Manisha Wadhwa(Dept. of Computer Science) and Dr. Shalini Swami (Dept. of Microbiology).

The theme "Environment" was judged by: Dr. Sunila Hooda (Dept. of Microbiology) and Dr. Manvesh Nath Das (Dept. of Hindi)

At the end, it was very difficult for the judges to come to a conclusion in declaring the results of the competition. Yashasvi Yadav

OPEN MIC

The open mic competition was held in the front lawn from 1:30p.m. to 4:00p.m. In this , students participated in singing, instrumental, poetry, life stories etc. It was judges by Dr. Manish Wadhwa (Dept. of Computer Science), Dr. Laxmi Devi(Dept. of Hindi) and Dr. Vijay Kumar Bhatia (Dept. of Political Science).

PANACEA - The Statistics Society

This year after a long gap of online sessions due to pandemic, the session 2022-23 is marked with a lot of activities in the Department of Statistics in mixture of online/offline mode. We are glad to share the success of all the events which was possible only due to sheer hard work and dedication of both students and faculty of the department.

In the beginning we proudly share that Vandita Changrani of the batch of 2022 of the Statistics Department received the best student award in the sciences.

Our Achievers

A generous number of students of our department secured positions in their course in the academic year 2020-21 with GPA as high as 10/10. Here are our achievers with their titles. An excellent team of students with bubbling energy and enthusiasm were elected as office bearers of the Panacea through elections held on 9th Sep 2022. The office bearers elected are Khushi Gelera (3rd year) as President, Tanishq (2nd year) as Vice-President, Muskan Mohindroo (2nd year) as Secretary, Ruchika (3rd year) as Treasurer. Further, with the arrival of the first year students Lakshay Ratti was elected as the Joint Secretary on 11th Jan 2023.

This competent core team along with the CRs, Social Media team and content writer makes the society a successfully functioning entity.

National Statistics Day Celebration

On the occasion of National Statistics Day on June 29th, 2022, Panacea celebrated the auspicious day marked by the birth anniversary of Late Prof. Prasanta Chandra Mahalanobis, also known as 'Father of Indian Statistics'. The event highlighted the



significance of the day and restated the importance of Statistics, how useful it is and why it attracted them and so many other students from diverse backgrounds. We had invited talk sessions by

- 1. Prof. Pankaj Sinha Professor, Faculty of Management Studies DU on "Career in Finance" He shed light upon new career paths for students with his immense knowledge and experience in the field.
- 2. Mr. Varun Agarwal CFA Alumni(2006)
 Director Equinox Global Services on
 "Roadmap to making a Career in
 Investment Management" He
 elaborated a roadmap for students if
 they wish to make a career in
 Investment Management.

Students and teachers from the entire statistics department and many more showed

enthusiasm and participated in the events.

We also had a creative event AD- MAD: Advertisement making Competition. The event focused on the participants designing creative ads using statistics and analysis for the product assigned to them. The students participated in this online event with registrations from various colleges of Delhi University including Daulat Ram College, Indraprastha College for Women and many more.

First prize was won by Rinki, 2nd year Mathematics student of Daulat Ram College. The second prize was shared by Guatam, 1st year Computer Science Student at RLA College and Vidhi Sharma, 1st year BA (Prog) student from Indraprastha College for Women.

Some Glimpses of the day





Teacher's Day Celebration

On 5th September 2022, the students hosted an event to celebrate teacher's day to honor the teachers in the statistics lab of the college. We were welcomed with a rose and a customized card. We loved the cultural show and cake

cutting. Teachers enthusiastically played games like crossword puzzles and other fun games.

Project Finance - Workshop

The Department of Statistics in collaboration with Pathway - The Career Counseling and Placement Cell of the college organized a workshop on project finance on 26th September, 2022 from 4:30pm-6:30pm in online mode. The workshop was enthusiastically attended by students across domains who followed along with the live demonstrations held by Mr.Suresh Verma of IMS Pro School. It focused on building a basic franchise model in excel, profit forecasting and investment appraisal.

The workshop was well received by students which in turn have helped the department understand the needs and demands of its students which they can continue to cater.

Stat it up - Quiz Competition

Panacea organized the event "Stat it Up" for curious minds across the university to test themselves on a mixture of concepts of Business, Finance, Statistics and Economy on 20th October 2022 from 10:00 AM onwards in Seminar



Room of the College. The quiz consisted of two rounds namely the Chain and Buzzer round. Dare2Compete platform was used for registrations to the event and we witnessed a huge response with over 90+ submissions. With rigorous efforts competing for the grand prize, Kanishk Bansal, a Statistics student of Sri Venkateswara College was the winner and won the Cash Prize of 2000 rupees.

RANDOM WALK'23

Panacea - the Statistics Society of Ram Lal Anand College celebrated its Annual intercollege festival - Random Walk'23 on the 5th and 6th April, 2023. The fest included a series of events that aimed to promote statistics among the students.

The festival began with a traditional lamp lighting ceremony followed by series of events.

These events allowed students to showcase their skills and knowledge in the field of statistics while providing a platform for healthy competition and fun. Winners were awarded with cash prizes and certificates. Exciting stall games were also arranged for the students of the College which was a great success. It concluded successfully with various exciting events that drew participation from students from all over Delhi University.

- 1. GUEST SPEAKER SESSION: Talk on Statistics in Medicine Importance, Scope, and Challenges' by Dr. Vidhal Deo, Scientist at the ICMR NIMS. He talked about the significance of statistics in medical science, the scope of various roles in this field, and the challenges ahead. He made the session interactive by answering queries of the students patiently and shared anecdotes from his experience in academia.
- 2. WORD WAR: An offline turncoat debate competition The topics for the debate were This house believes that Data Science is just a rebranding of Statistics.
- Encrypted user data: Privacy vs. National Security?





The event had 21 registrations and winners were 1st - Himanshu Sharma of IGNOU and 2nd - Simran Arora of RLAC.

- 3. STATCHAT: Statchat was a paper presentation competition. Theme-Application of statistical inference, sampling techniques, biostatistics, stochastic processing using empirical or real-life data. The participants submitted an extract while registration. Total of 5 participants. Naman Manchanda from RLAC won the first position with his work on "Simple stochastic model for Covid 19." Ishaan, also from RLAC, secured the second position with his paper on "Prediction of election polls: Indian state election."
- 4. STATDICT: Statdict was an offline event aimed to test the statistical knowledge of the participants through a series of rounds. Total of 13 participants registered, 9 were selected for the final event after the preliminary rounds. Team Kurtosis emerged as the winner, with Mohd. Saqib Khursheed, and Aditya Verma from RLAC. The runner-up team was Team Jim, with Krishan Kant and Aryan Sharma from RLAC
- 5. BETBALL: An offline bidding event based on cricket prediction and auction. The event was conducted in 3 rounds. Total of 31 registrations were made and top 8 teams were selected for the final and mega auction round with a budget of ¹ 50 crore. Finally the teams with highly rated players and best budget optimization were selected as winners. 1st position was held by Vivek Kumar, Rohan Aswal and Satvik Dhaundiyal of RLAC and 2nd position was held by Ayush Singh and Baburaj Soren of Maharaja Agrasen College.

Escapade: A treasure hunt event in which the players were supposed to find a hidden prize by following special clues based on statistics spread across different places in the campus . 45 registrations were made for round 1 out of which top 16 teams were chosen for the final round. Tamjeed and Rounak of the BMS department were the winners.

Recorded Audio Books / Lectures

The Department of Political Science has achieved another milestone as the students of BA Honours Political Science VI th semester is not only practicing equality in life but is also sensitive in their behaviour for the PWD candidates They have recorded and created audio books/lectures of all the papers of Vth and VI th semester for the students who are suffering from Multi-disability Retinitis Pigmentosa and Cerebellar Ataxia. This step was taken by Dr. Kshama Sharma, Teacher in Charge, Dr. Triranjan Raj, Associate Professor and Dr.Nidhi Yadav, Assistant Professor, in collaboration with the Sugam Society of the College.

Foreign Student Experience

"I came to study in India in April 2021 and it was going to be my first time living far from my parents and studying abroad and leaving home is never easy because I have my family and friends there. India is a very nice place to study, if you are an Indian or if you speak the same language as them, because their base is well constructed, what I mean is they learn many things in a very easy way and when they are only in school. In my case, it was a culture shock initially, but let me admit, I am beginning the enjoy the entire process as it has introduced me to newer ways of being and understanding my environment.



Now talking about my experience, attending classes and making friends was not difficult, I have made many friends and I am able to understand the classes better now. The language, the environment, the culture, the mindset of the people made me feel an "alien" earlier, since I come from a humble city where people are more friendly in comparison.

Finally, to sum up, I can call my experience uptill know one that is unique and is shaping me into a better individual.

Americo Mango Muturi Chimina B.Com (Prog.) Third Year

The Cold Fire

A day of winter To play with snow The darkening nights The lights would glow. Everyone united In their best attire While the bird stood alone In the warmth of cold fire. No one to seek for No one to help All it could do was Live by it self. Apart from the family Trembling in cold Had no choice But stay bold.

It was but midnight Every man in his cloak While here stood the fellow Until his strength broke. Laid its wing Up in the sky Fell on the snow In the breathe of cry. The people rejoiced Ended their years While it lost its life With no one to hear. How does the life goes? All they end with a lover Yet this little bird Was left with snow to cover.

The sun came up People out of their house While the lovely bird Was now a treat to a mouse. One has to be born One has to die We smile once And then we sigh. Life is a music With tune low and high It makes you laugh It makes you cry. Live like a guitar Let the happiness play the cords You only live once Bless us, Oh dear Lord!

अभिव्यक्ति

अभिव्यक्ति, महाविद्यालय की हिंदी रचनात्मक लेखन समिति है। समिति का उद्देश्य छात्रों की लेखन रचनात्मकता का विकास करना है जिससे वे और भी बेहतर ढंग से साहित्य की रचना कर सकें। केवल समिति के सदस्य ही नहीं, समिति पूरे महाविद्यालय के छात्रों को हिंदी साहित्य की तरफ आकर्षित और प्रेरित करना चाहती है। अपने इसी उद्देश्य को पूरा करने के लिए समिति समय—समय पर विभिन्न कार्यक्रम करवाती रहती है।

ऑडिशन एवं पदाधिकारियों का चुनावः

22 जुलाई —2022 को समिति के पदाधिकारियों का चुनाव ऑडिशन के माध्यम से डॉ. लक्ष्मी देवी के संयोजन में हुआ। ऑडिशन की निर्णायक सदस्यों में समिति के सह—संयोजक डॉ. राम बागड़ी एवं समन्वयक डॉ.सुनैना शर्मा की उपस्थिति रही। ऑडिशन में द्वितीय और तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

समिति द्वारा आयोजित प्रतियोगिताएं एवं कार्यक्रम

1. निबंध लेखन प्रतियोगिताः समिति ने पहली प्रतियोगिता दिनांक 27 सितंबर 2022 को सुबह 11 बजे सेमिनार कक्ष में आयोजित की। यह एक 'निबंध लेखन प्रतियोगिता' थी, जिसका विषय 'सुभाष—स्वराज दृ सरकार' रखा गया था। प्रतियोगिता में 70 छात्रों ने पंजीकरण किया एवं 45 छात्रों ने भाग लिया। यह एक अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिता थी

प्रतियोगिता के विजेता इस प्रकार रहे:-

प्रथमः आँचल श्री वेंकटेश्वर कॉलेज

द्वितीयः दिपांशी सिंह- राम लाल आनंद कॉलेज

'तृतीयः नवीन वर्मा — आत्मा राम सनातन धर्म कॉलेज

सांत्वना पुरस्कार : चंदन मिश्रा एवं अंजलि पुनिया (श्री वेंकटेश्वर कालेज)

2. प्रश्नोत्तरीः समिति का दूसरा कार्यक्रम 'हिन्दी भाषा एवं साहित्यिक प्रश्नोत्तरी' के रूप में करवाया गया। यह कार्यक्रम दिनांक 3 नवंबर 2022 को सेमिनार कक्षा में सुबह 11 बजे से आयोजित किया गया। कार्यक्रम के लिए लगभग 35 प्रतियोगियों ने पंजीकरण किया एवं 22 प्रतियोगियों ने भाग लिया। छात्र दो सदस्यों के समूह में प्रश्नोत्तरी में भाग ले सकते थे।

'प्रश्नोत्तरी के परिणामः'

प्रथमः आँचल और वर्षा (श्री वेकटेश्वर महाविद्यालय) द्वितीयः कन्हैया और आँचल (मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय)

तृतीयः नवीन और साहिल (आत्माराम सनातन धर्म महाविद्यालय)

3. त्रि—दिवसीय हिन्दी महोत्सवः विश्व हिन्दी दिवस के मौके पर समिति के सदस्यों ने "मेरे लिए हिन्दी" विषय पर लेख लिखे, जिसे समिति के आधिकारिक इंस्टाग्राम पेज पर पोस्ट किया गया समिति का हैंडल @abhivyakti-hindi-rla है । यह महोत्सव 8—10 जनवरी 2023 के बीच आयोजित किया गया।

4. हिन्दी साहित्य गोष्ठी एवं अभिविन्यास कार्यक्रमः दिनांक 11 जनवरी 2023 को यह कार्यक्रम महाविद्यालय के लॉन में आयोजित हुआ जिसमें महाविद्यालय के छात्रों एवं समिति के सदस्यों ने अपनी रचनाओं को प्रस्तुत किया। यह कार्यक्रम

विश्व हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। जिसका उद्देश्य छात्रों में हिन्दी साहित्य के प्रति रुचि एवं जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम में महाविद्यालय के अनेक छात्रों ने कविताओं एवं संगीत की बेहद सुंदर प्रस्तुतियाँ दीं।

JAMBUDVIPA BHARATA : MIRRORING THE HERITAGE

Jambūdvipa Bhārata, is known to value and preserve the rich "heritage". The term heritage signifies all that encompasses the ancient antiquities which also includes buildings and monuments. But not all buildings and monuments come under heritage. This further implies, the buildings that have stood since ancient times express the story of the rich heritage with the architectural marvels, the shapes, patterns and inscriptions and requires preservation. These buildings are being referred to as "Heritage". Today, people visit these heritage sites but ignore the historical past that it speaks about. Only the vigilant ones are able to notice its significance. However, broadly, heritage can be distinguished into - Tangible and Intangible Heritage. Tangible Heritage is the physical artifacts with cultural importance such as buildings, monuments and Intangible Heritage is the knowledge or representations that are abstract in nature combined with skills such as oral traditions, performing arts, traditional cultural skills.

Society in humans is shaped by culture and inheritance. We all grew up with myths that help us form our identities, including mythologies, fables, and historical incidents that glorified our ancestors. The human race has always used its past to create the present

and the future. Our current environment is the result of generations that came before us. It is crucial to preserve our heritage because it gives a place, area, or community character and distinction, which contributes to a sense of identity.

A state's heritage defines its identity. It includes aspects of a society's culture, such as customs, languages, or old buildings that still hold historical significance. For these things, numerous acts and preservation obligations, like the Article 51A of the Indian Constitution's Basic Responsibilities section mandates that the obligation of protecting national heritage be carried out, that is the responsibility of every citizen. Several organizations, like INTACH, ICOMOS, and UNESCO, work towards preserving and conserving the Heritage. Moreover, there's a huge role of the Archaeological Survey of India (ASI) and State Museums in the preservation process.

Thus, for the benefit of everyone, the cultural heritage that our parents passed down to us must be preserved for more generations to come. In an era of globalization, cultural heritage assists us in remembering our cultural diversity, and its appreciation fosters increased respect and discussion between various cultural groups

Hansini Punj BA. Hons. History

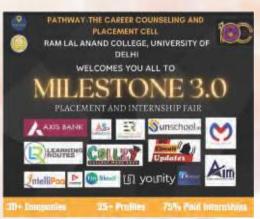
MILESTONE

PATHWAY: Career Counselling and Placement Cell, Ram Lal Anand College, University of Delhi, organized a two-day 'MILESTONE- PLACEMENT AND INTERNSHIP FAIR' on 27th and 28th March 2023, which took place in a hybrid mode. The event aimed to allow students to explore potential job opportunities and internships. It was a significant event for students seeking career guidance and employment opportunities as they interacted with industry experts and gained insights about the job market.



Pathway students' team, faculty and HR's with Principal during Milestone 3.0

Milestone, witnessed an impressive turnout with over 400 registrations, and more than 140 students belonging to different colleges of Delhi



University gave interviews. The event proved to be fruitful for the students as they were offered placements and internships from over 20 companies like NIIT Axis Bank, Stubborn Factory, Learning Routes, Leading Solution, Data Vinci, and more. This was a significant opportunity for the students to showcase their skills and interact with potential employers.







Students facing online/offline interview

The event proved to be a great platform for candidates to showcase their skills and connect with potential employers. The pool of new ideas that were presented at MILESTONE 3.0 was remarkable, and it provided a stimulating environment for attendees to learn, innovate and grow.

The Placement cell believes in creating the best opportunities for its students. For that, we invite dozens of companies every year that offer various internship profiles ranging across Marketing, Content writing, Sales, Human resources, Research and development to Data Analytics. This year too has been particularly fruitful for placements and internships, with a significant number of companies participating and offering promising opportunities to the attendees. With the positive response received this year, the team is optimistic about inviting even more companies to participate in the next edition of MILESTONE.



COMMERCE SOCIETY

The Commerce society 'KA-CHING' started its academic year 2022-23 with an educational visit to central offices of 'National Cooperative Union of India'(NCUI), which is the apex organisation of The Indian Cooperative Movement. The visit was held on 31s August, 2022. In total, 50 students and three teachers participated in the visit. In addition to the visit to campus of the esteemed institution, the students attended a one day awareness programme on 'Cooperation' which included lectures by top officials of NCUI about Cooperative movement, success stories of various cooperatives and the various promotional policies adopted for progress of cooperative sector by the government. The visit also included a tour of the training areas of artisans, workshops of the institution; as well as a detailed tour of the 'shopping haat' of NCUI. It was truly an enriching experience for the students.

The commerce department also organised an orientation program to welcome and guide the first year students of 2022-23 batch on 2ndNovember, 2022. The orientation was held in two sessions, one for B.Com (Hons) and one for B.Com students. The students were educated about the NEP, college and other important aspects like time table, internal assessment system and infrastructure. All the faculty members introduced themselves and answered the queries of first year students. In total 90 students and seven teachers attended the program.

The Commerce society also held a round of interview cum interaction session for selection of its office bearers on 18th January, 2023. Out of the nominations received, faculty members after due deliberation selected office bearers for five core positions and other team members

to ensure effective functioning of society.

The Commerce department organised a cleanliness drive in the college on 25th January,2023. In total 50 students and 6 faculty members participated in the drive which covered lawns, canteen area and various rooms of college.









कार्यशालाओं का आयोजन

20 दिसम्बर 2022 : हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार पाठ्यक्रम की ओर से फेक न्यूज पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह ऑनलाइन और ऑफ़लाइन दोनों माध्यम में रखी गई, जिससे बड़े पैमाने पर लोग जुड़ सके। इसमें विशेषज्ञ निमिष कपूर ने फेक न्यूज क्या होती है, उसे कैसे पहचाना जाए, उसके लिए कौन से टूल्स इस्तेमाल किए जाएं, इस पर विस्तार से बताया। इस कार्यशाला का संयोजन शिक्षिका सृशी श्वेता आर्या ने किया।



02 से 04 नवम्बर 2022: हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार ने भारतीय जनसंचार संस्थान (आईआईएमसी) के संयुक्त तत्वावधान में सामुदायिक रेडियो कार्यक्रम निर्माण पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। आईआईएमसी में आयोजित कार्यशाला के पहले दिन संस्थान के महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी ने प्रतिभागियों और शिक्षकों का स्वागत करते हुए ऐसे आयोजनों की महत्ता पर प्रकाश डाला। रजिस्ट्रार रितेश पाठक ने कानूनी पक्ष के बारे में विस्तार से बताया। रेडियो कार्यक्रम प्रस्तोता कविता शर्मा और शशांक शेखर ने वायस माड्यूलेशन सहित कार्यक्रम से जुड़ी अनेक जानकारियां विद्यार्थियों से साझा की। दूसरे दिन प्रो. गोविन्द सिंह और पूजा मुरादा ने अलग—अलग सत्रों में बात रखी। इसमें कार्यक्रम की पटकथा लेखन और उसमें किन बातों का ध्यान रखना चाहिए, इस पर बात की गई। तीसरे दिन कार्यक्रम के संपादन का जिम्मा संभालने वाली फरज़ीन सुल्तान ने कार्यक्रमों की रिकार्डिंग और संपादन की बारीकियां सिखाई। रामलाल आनंद महाविद्यालय के हिंदी पत्रकारिता की ओर से कार्यशाला का निर्देशन संयोजक प्रो. राकेश कुमार ने किया। साथ ही डॉ. अटल तिवारी, डॉ. निशा सिंह और सुश्री श्वेता आर्या की मौजूदगी रही।



20 जनवरी 2023 : हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार की ओर से संचार मीडिया फेस्ट 2023 का आयोजन किया गया। फेस्ट का शुभारंभ करते हुए मुख्य अतिथि और टीवी पत्रकार राणा यशवंत ने टीवी पत्रकारिता, आवाज का महत्व और पठन—पाठन के बारे में विस्तार से बताया। प्राचार्य प्रो. राकेश कुमार गुप्ता ने कई राज्यों से आए प्रतिभागियों, निर्णायक मंडल के सदस्यों और मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए ऐसे आयोजन का महत्व रेखांकित किया। फेस्ट में 10 प्रतियोगिताएं रखी गई थीं। इसमें सबसे अधिक प्रतियोगिताओं में बाजी मारते हुए चंडीगढ़ विवि ने विजेता ट्राफी पर कब्जा जमाया। वहीं उपविजेता ट्राफी दिल्ली विवि के कालिन्दी महाविद्यालय की छात्राओं के नाम रही। संयोजक प्रो. राकेश कुमार ने विभाग के कामकाज के बारे में बताया। फेस्ट में 55 शैक्षिक संस्थाओं की सहभागिता रही। फेस्ट के संयोजन की जिम्मेदारी शिक्षक डॉ. प्रदीप कुमार ने निभाई।



हिन्दी साहित्य परिषद हिन्दी विभाग द्वारा हिन्दी दिवस पर हिन्दी सप्ताह का आयोजन

हिन्दी दिवस 14 सितंबर पर हिन्दी साहित्य परिषद के पदाधिकारियों द्वारा एवं संयोजिका प्रो. अर्चना गौड़ के मार्गदर्शन में हिंदी सप्ताह का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत विद्यार्थी — स्तर पर 7 सितंबर 2022 को निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका विषय : 'हिन्दी है हम वतन है हिंदोस्ता हमारा' रखा गया। इस प्रतियोगिता में 50 से अधिक विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया और प्रतियोगिता में भाग लिया। सभी प्रतिभागियों को निबंध लिखने के 1 घंटे का समय दिया गया। विजेता प्रतिभागियों को



पुरुस्कार व प्रमाण पत्र और अन्य सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। प्रो. श्रुति आनंद और डॉ. दिनकर सिंह ने इस प्रतियोगिता के संयोजक और निर्णायक की भूमिका का निर्वाह किया।

टकण प्रतियोगिताः

हिन्दी सप्ताह के आयोजन के अंतर्गत प्रशासनिक अधिकारी / कर्मचारी—स्तर पर हिन्दी टंकण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें 13 प्रतिभागियों ने भाग लिया प्रतिभागियों की हिन्दी टंकण की गति एवं शुद्धियों के आधार पर विजेताओं का चयन किया गया। विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र और पुरुस्कार प्रदान किया गया तथा अन्य सभी को सहभागिता प्रमाण—पत्र प्रदान किया गया। संयोजक प्रो. नीलम ऋषिकल्प और डॉ. मानवेश नाथ ने इस प्रतियोगिता के संयोजक और निर्णायक की भूमिका निभाई।



पत्र लेखन / कार्यालयी हिन्दी दक्षता:

हिन्दी सप्ताह के आयोजन के अंतर्गत प्रशासनिक अधिकारी / कर्मचारी — स्तर पर कार्यालयी हिन्दी दक्षता अथवा पत्र लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें 13 प्रतिभागियों ने भाग लिया। एक कार्यालयी पत्र व 5 प्रशासनिक शब्द के हिन्दी अनुवाद के आधार पर विजेताओं का चयन किया गया। विजेता प्रतिभागियों को पुरुस्कार व अन्य सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। प्रो. सुभाष चंद्र डबास और डॉ. अशोक मीना ने इस प्रतियोगिता के संयोजक व निर्णायक की भूमिका का निर्वाह किया।



रचनात्मक लेखन प्रतियोगिता:

हिन्दी सप्ताह के आयोजन के अंतर्गत प्रवक्ता—स्तर पर रचनात्मक लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका विषय: 'हिन्दी — अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम' रखा गया। इस प्रतियोगिता में 13 विभिन्न विभागों के प्रवक्ता — प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने कविता एवं लेख के माध्यम से विषय की भावपूर्ण एवं तर्कपूर्ण सशक्त अभिव्यक्ति अपनी लेखनी के माध्यम से दर्शायी जिसके आधार पर विजेता का चयन किया गया। इस प्रतियोगिता में हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के



प्रवक्ता डॉ. अटल तिवारी ने सर्वोत्तम लेखक का 2100 रु. का पुरुस्कार प्राप्त किया। प्रो. राकेश कुमार और डॉ.

राजेश गौतम ने इस प्रतियोगिता के संयोजक व निर्णायक की भूमिका का निर्वाह किया।

स्वरचित काव्यपाठ प्रतियोगिता रिपोर्ट :--

हिन्दी सप्ताह के आयोजन के अंतर्गत विद्यार्थी — स्तर पर स्वरचित काव्यपाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें 35 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। 70 से अधिक विद्यार्थी सेमीनार कक्ष में श्रोता के रूप में मौजूद रहे। विद्यार्थियों के काव्य विषय, काव्यपाठ और उनके आत्मविश्वास के आधार पर विजेताओं का चयन किया गया। विजेता प्रतिभागियों को पुरुस्कार व अन्य सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। प्रो. संजय कुमार और डॉ. सुरेन्द्र कुमार ने इस प्रतियोगिता के संयोजक व निर्णायक की भूमिका का



विशेष व्याख्यान : प्रो. पूरन चंद टंडन

14 सितंबर 'हिन्दी दिवस' के अवसर पर हिन्दी साहित्य परिषद द्वारा आयोजित हिन्दी सप्ताह के अंतर्गत विषय : नई शिक्षा नीति और हिन्दी पर विषय विशेषज्ञ प्रो. पूरन चंद टंडन द्वारा विशेष व्याख्यान प्राचार्य प्रो. राकेश कुमार गुप्ता, विभागाध्यक्ष प्रो. संजय कुमार शर्मा, हिन्दी साहित्य परिषद की संयोजिका प्रो. अर्चना गौड़ की उपस्थिति में दिया गया।

विशेष व्याख्यान के बाद विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के संबंध में प्रोफेसर पूरन चंद टंडन जी से सीधे सवाल किए तत्पश्चात विगत दिनों में हिन्दी सप्ताह के अंतर्गत आयोजित कराई गई सभी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मुख्य अतिथि के कर कमलों से प्रमाण पत्र एवं पुरस्कृत धनराशि प्रथम — 1000/— द्वितीय — 700/— और तृतीय — 500/— प्रदान की गई। इस कार्यक्रम के दौरान के 100 से अधिक विद्यार्थियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।





ओपन माइक रिपोर्ट :

हिन्दी सप्ताह के आयोजन के अंतर्गत ओपन माइक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें 35 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया व अपने मन के विचार खुले मंच के माध्यम से अभिव्यक्त किए। प्रतियोगिता के दौरान 70 से अधिक श्रोता सेमीनार कक्ष में मौजूद रहे। विद्यार्थियों के काव्य विषय, काव्यपाठ और उनके आत्मविश्वास के आधार पर विजेताओं का चयन किया गये। विजेता प्रतिभागियों को पुरुस्कार व अन्य

सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। हिन्दी साहित्य परिषद् की संयोजिका प्रो. अर्चना गौड़ ने इस प्रतियोगिता के संयोजक व निर्णायक की भूमिका निभाई।

इन सभी प्रतियोगिताओं को सम्पन्न कराने में हिन्दी साहित्य परिषद के पदाधिकारियों का विशेष सहयोग रहा। अध्यक्ष — विद्यासागर सिंह, उपाध्यक्ष — काजल मौर्य, सचिव—राम कुमार पाण्डेय, उपसचिव — ऋषभ राय और कोषाध्यक्ष — निशा सिंह, प्रतियोगिता स्थल पर उपस्थित रहे और अपनी जिम्मेदारियों का कुशलता से निर्वाह किया।





हिन्दी साहित्य परिषद्, हिन्दी विभाग द्वारा विश्व हिन्दी दिवस का आयोजन

विश्व हिन्दी दिवस के अवसर पर हिन्दी साहित्य परिषद हिन्दी विभाग द्वारा विद्यार्थियों के लिए क्रमशः 3 प्रतियोगिताओं स्लोगन लेखन प्रतियोगिता, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता, हिन्दी भाषा व साहित्यिक प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता का नाम-

- 1. स्लोगन लेखन प्रतियोगिता
- 2. पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता
- 3. प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

प्रतियोगिता का विषय

हिन्दी का बढ़ता वर्चस्व हिन्दी का बढ़ता वर्चस्व

हिन्दी भाषा व साहित्य से जुड़े प्रश्न

स्लोगन लेखन व पोस्टर मेिकंग प्रतियोगिताओं का विषय हिन्दी का बढ़ता वर्चस्व रखा गया तथा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में हिन्दी भाषा और साहित्य से संबंधित प्रश्न पूछे गए। इन प्रतियोगिताओं में लगभग 100 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। विजेताओं को पुरुस्कार और प्रमाण पत्र तथा प्रतिभागियों को भी सहभागिता प्रमाण पत्र वितरित किए गए। निर्णायक मण्डल द्वारा सभी प्रतियोगिताओं का समुचित निर्णय किया गया। प्रतियोगिताओं के दौरान हिन्दी साहित्य परिषद की संयोजिका — प्रो. अर्चना गौड़ के मार्गदर्शन में सम्पूर्ण प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया गया जिसमें हिन्दी विभाग के सभी प्राध्यापकों ने अपना महत्वपूर्ण समर्थन एवं सहयोग दिया।

पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता के विजेता

निकिता पटानिया कंप्यूटर विज्ञान, द्वितीय वर्ष 1. राजनैतिक विज्ञान, प्रथम वर्ष 2. आकाश हिन्दी विशेष द्वितीय वर्ष राजन 3.



प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजेता

हिन्दी विशेष, द्वितीय वर्ष राजन और अक्षत मेहता 1. किरन और आकांक्षा हिन्दी विशेष, तृतीय वर्ष 2. संतोष और कुशाग हिन्दी विशेष, द्वितीय वर्ष 3.



स्लोगन लेखन प्रतियोगिता

निकिता पठानिया कंप्यूटर विज्ञान, द्वितीय वर्ष 1. निशा मिश्रा पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, द्वितीय वर्ष 2. मीनाक्षी पंत पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, द्वितीय वर्ष 3.



विश्व कविता दिवस का आयोजन

विश्व कविता दिवस के अवसर पर 21 मार्च 2023 को हिन्दी विभाग, हिन्दी साहित्य परिषद के पदाधिकारियों के द्वारा संयोजिका – प्रो. अर्चना गौड के मार्गदर्शन में काव्यपाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें

अनेक प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के दौरान हिन्दी साहित्य परिषद की संयोजिका व डॉ. राजेश गौतम निर्णायक मण्डल के रूप में रहे। प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरुस्कार व सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।



विश्व कविता दिवस के विजेता

विजेता के नाम राम कुमार पाण्डेय हिन्दी विशेष, द्वितीय वर्ष 1. हिन्दी विशेष, तृतीय वर्ष चाँदनी बानो 2 रोहित हिन्दी विशेष, तृतीय वर्ष 3.

कोर्स



हिंदी और मैं

हम भारतीय जिसे भी अगाध, असीम प्रेम करते हैं और उसे व्यक्त नहीं कर पाते तो उसे माँ के समकक्ष रख देते हैं। जैसे हम अपने देश को माँ कहते हैं, अपनी धरती को माँ कहते हैं, प्रकृति को माँ कहते हैं और निदयों को माँ कहते हैं, वैसे ही हम उस भाषा को भी माँ मानते हैं जिसने हमें हमारे जीवन के आरंभिक शब्द दिए। मेरे लिए और मुझ जैसे करोड़ों भारतियों की वह भाषा हिन्दी है। मैं सोचता हूँ तो हिन्दी में सोचता हूँ, मैं खुद से बातें हिन्दी में करता हूँ, मैं जिन लोगों से प्रेम करता हूँ और जितना प्रेम करता हूँ, उसे उतनी ही गहराई से जताना चाहूँ तो हिन्दी के अलावा किसी भी भाषा में नहीं जता सकता। कोई भी व्यक्ति अपने जीवन में सबसे पहली बार अपनी माँ से प्रेम करता है और भाषाओं में मेरी माँ, हिन्दी है।

जहाँ लोगों को लगता है कि अंग्रेज़ी ही व्यक्तित्व को आकर्षक बना सकती है वहीं मैं जितना हिन्दी के समीप जाता रहा मेरा आत्मविश्वास उतना ही मज़बूत होता गया। मुझे मेरे आत्मविश्वास को बढ़ाने के लिए अंग्रेज़ी की ज़रूरत कभी महसूस नहीं हुई। हिन्दी ने मुझे बहुत समृद्ध किया। हिन्दी साहित्य के अथाह सागर में से यदि अंजुरी भर भी मैंने ग्रहण किया तो उसने मुझे संवेदना दी, करुणा दी, प्रेम दिया, उदारता दी और उन सारी भावनाओं के प्रति मुझे संवेदनशील बनाया जो मानवीय सभ्यताओं का के अस्तित्व का कारण हैं। मैं जितना बेहतर हुआ, हिन्दी पढ़कर हुआ।

एक समय था कि जिन लोगों ने अपनी रचनाओं से हिन्दी को भाषा के तौर पर समृद्ध किया उन लोगों ने जीवन इतने अभावों में जिया कि जिस दिन पेट भर रोटी मिल गयी वही विलासिता हो गयी। चाहे प्रेमचंद हों या निराला से लेकर बाबा नागार्जुन वे सब जीवन भर बुनियादी ज़रूरतों के मोहताज रहे पर फिर भी समाज की पीड़ा लिखते रहे। हरिशंकर परसाई का 'प्रेमचंद के फटे जूते' पाठ याद आ रहा है। हिन्दी भाषा के सबसे महान उपन्यासकार कथा सम्राट प्रेमचंद जिसने सारे समाज के दुखों के लिए अपनी कलम घिसी वह अपने ही फटे हुए जूतों में मुस्कुराते हुए तस्वीर खिंचवता है। हिन्दी का इससे बड़ा दुर्भाग्य क्या होगा कि वह अपने सबसे प्यारे बेटे को भी जरूरत के सुख नहीं दे पायी? लेकिन वे तपस्याएँ व्यर्थ नहीं हुई, उनकी परंपराओं को आगे बढ़ाते हुए आज हिन्दी के अनेक बेटे बेटियाँ हैं जिन्होंने हिन्दी को वैश्विक बना दिया है और मन चाही कीमत पर काम करते हैं। यही कारण है कि हम आज विश्व हिन्दी दिवस मना रहे हैं। ये सब हिन्दी के बुजुर्गों की निस्वार्थ तपस्याओं का फल है जिसे हम बेटे—बेटियाँ भोग रहे हैं। हिन्दी मेरी आस्था है, मेरी आत्मा में बसती है। हिन्दी इस देश की आत्मा में बसती है, उसका स्थान कोई और भाषा कभी ले ही नहीं सकती

रवि सिंह तृतीय वर्ष गणित विभाग

टैगोर की कहानियों में एक युग आगे की स्त्रियाँ

रबिन्द्रनाथ टैगोर हिंदी साहित्य का वो अविरमरनीय नाम है जिनके बिना हिंदी साहित्य अधूरा है. एक लेखक होने के साथ ही वे एक नाटककार, चित्रकार और संगीतकार भी थे। उनकी रचनाएँ मानव की संवेदनाओं व भावनाओं को सदा केंद्र में लेकर चलती थीं जिसके लिए उन्हें इंसानियत का कवि भी कहा जाता है। उस वक्त की तात्कालिक स्थिति व इंसानी संवेदनाओं के अलावा गुरुदेव ने अपनी रचनाओं में स्त्रियों को एक बहुत ऊँचा स्थान दिया अपनी कहानियों की स्त्री पात्रों को उन्होनें रुढिवादी तरह से अलग आधुनिक व स्वच्छंद तरीके से गढा। उनके कहानियों की स्त्रियों माँ, बहन, पत्नियाँ, प्रेमिकाएं होने के साथ औरतें भी थीं। उनकी कहानियां आज पढ़ते हुए हमें साधारण लग सकती हैं मगर 1880–1900 के समय में औरतों के उत्थान व उनकी आज़ादी की ऐसी कल्पना बिल्कुल साधारण नहीं थी। ऐसे समय में जब पितृसत्तात्मक समाज स्त्रियों को अपनी चेरी बनाकर कर रखने का आदि हो ऐसे में उनकी पहचान, अपने तरह से जीवन जीने का अधिकार की बात करना भी क्रांति थी उनकी कहानियों में औरतें किस तरह स्वाभिमानी थी इसका अंदाजा 'चोखेरबाली (आँखों की किरकिरी) कहानी की नायिका बिनोदिनी के पात्र से ही लगाया जा सकता है। कम उम्र में विधवा हो जाने के बाद भी वह किसी तरह के हीन भावना का समावेश अपने भीतर नहीं होने देती। उसे अपने रूप गुण व कार्य कुशलता को लेकर तब भी उतना ही आत्मविश्वास होता है जितना की पहले था। इसके अलावा वह अपने शारीरिक जरूरतों को भी दरिकनार न करके उसे समझती है वहीं दूसरी ओर 'मानभंजन' कहानी की नायिका गिरिबाला अपने पति द्वारा दिए गए यातनायों को अपनी नियति न समझकर अपने लिए अपने पसंद का जीवन चूनने का साहस करती है। वह अपने पति की बेवफाई और अपने आत्मसमान पर चोट बर्दाश्त ना करके गृह त्याग कर अदाकारा बनती है. इसके अलावा सम्पति' कहानी की नायिका चिड़ियों सी स्वछंद होती है. उसके मर्जी के खिलाफ़ हुई शादी पर वह सवाल उठाती हैं साथ ही लड़कियों के घर छोड़ने की प्रथा पर भी वो सवाल उठाती है। उनकी कहानी 'पत्नी का पत्र' में जो चिट्ठी लिखी गयी है वो आज भी महिलाओं के लिए प्रासंगिक है। वो कहानी जिस तरह औरतों के <mark>मन</mark> की बात कहती है उस तरह खुल कर अपने मन की बात कई औरतें आज भी नहीं कह पायीं. उस कहानी के माध्यम से गुरुदेव ने लड़कियों के मन—मस्तिष्क में बचपन से भरी गयी तमाम बातों पर चोट की है। कैसे औरतें रूप के आगे नहीं देखी जाती ये बात उनकी इस एक वाक्य से ही स्पष्ट रूप से दिखती है। "तुम लोगों के घर की बहु को जितनी बुद्धि की जरुरत थी विधाता ने लापरवाही में मुझे उस से ज्यादा दे दी थी। "अपने मैं के तलाश में सुख-सुविधाओं से लैस ससुराल छोड़ने वाली नायिका असल में एक क्रन्तिकारी स्त्री पात्र थी इसी तरह उनकी अन्य कहानियाँ जैसे एक मुसलमान लड़की की कहानी, अपरिचिता, त्याग, टूटा <mark>घोसला आदि बहुत ही</mark> अलग–अलग रूपों में औरतों के लिए बनी रुढिवादी परम्पराओं को तोड़ती है। उन्होनें अपनी कहानियों के माध्यम से न केवल औरतों के मनोभावों को व्यक्त किया साथ ही साथ उन्हें अपने स्त्रीत्व के बारे में सोचने की भी दिशा प्रदान की उनकी कहानियों के सन्दर्भ में यह कहना अतिश्योक्ति बिल्कूल नहीं होगा की उनकी स्त्री पात्र अपने समय से एक यूग आगे की समझ रखती थीं।

दीपशिखा

भाषाओं में मेरी माँ हिंदी है

मेरे लिए हिंदी प्यार, व्यापार और व्यवहार तीनों की भाषा है। इसी भाषा से मेरी जड़ें हैं। कोई भाषा अगर मां होती है तो मैं हिंदी की बेटी हूँ। जब से भाषा की समझ हुई सबसे पहला परिचय इसी से हुआ। अंग्रेजी में बात की मगर हिंदी को महसूस किया। इसके बारे में कुछ बोलना या लिखना बहुत नाटकीय सा महसूस होता है क्योंकि इस भाषा को हमने साँस लेने की तरह अपनाया है। और शायद से ही कभी हम सांस लेने के बारे में बात करते या लिखते हैं। हिंदी हमारे अंदर ठीक सांसों सी ही चलती है। इसी भाषा में प्यार किया, इसी भाषा में रिश्ते बनाए, दिल से लिखी गई चिट्ठियां इसी भाषा में थीं और तोऔर सबसे खतरनाक लड़ाइयाँ भी इसी भाषा में ही लड़ीं। अपने भावों की अभिव्यक्ति हमेशा इसी भाषा मैं की है।

शुरुआत के कुछ साल जब हिंदी माध्यम से पढ़ाई हुई, तब अंग्रेजी सीखने की बहुत इच्छा होती थी क्योंकि ऐसा महसूस कराया जाता था की जिन्हें अंग्रेजी आती है वो बेहतर हैं। मगर जैसे जैसे बड़ी हुई ये भ्रम भी जाता रहा।

वर्तमान में मैं हिंदी पत्रकारिता की विद्यार्थी हूं और पत्रकारिता के आगे अंग्रेजी न रख कर हिन्दी रखने का चुनाव मेरा अपना था। पत्रकारिता की विद्यार्थी होने के नाते सबसे ज्यादा लोगों के साथ खुलकर इसी भाषा में बात कर सकी। सबसे ज्यादा लोगों ने इसी भाषा में अपनी बात रखी उस वक्त ये जाना की जो भाषा अपनों से जोड़ती हो उससे ज्यादा अपनी और खूबसूरत भाषा और कोई हो ही नहीं सकती।

दीपशिखा <mark>तृतीय</mark> वर्ष मीडि<mark>या एवं ज</mark>नसंचार विभाग

हिंदी एक जीवंत भाषा

यह अवशयक है की हम यह जाने की हिंदी एक भाषा से बढ़कर किस प्रकार मनुष्य के स्वभाव और उसके व्यवहार को प्रभावित करती है। यदि मैं अपने परिपेक्ष में बात करूं तो मैं देखता हूं कि हिंदी एक ऐसी भाषा है जो व्यक्ति को व्यक्ति से जोड़ती है हिंदी ना केवल शब्दों का एक मेल है अपितु उस से बढ़कर किस प्रकार दो प्राणी अपने विचारों को एक दूसरे के साथ साझा करते हैं। यदि पढ़ने, समझने, लिखने और जानने का प्रयास करें तो इसकी गाथा काफी लंबी हो सकती है परंतु में सोचता हूँ कि हिंदी कुछ अपनी सी लगती है, इसमें अपने विचारों को प्रस्तुत करने की सीमाएं या बंधन नहीं होते हैं। अपने हृदय को स्पष्ट रूप से प्रकट करने का सबसे उत्तम माध्यम मुझे हिंदी दिखाई देता है।

एक जीवंत भाषा है अपितु एक ऐसी भाषा है जो भावों को स्पष्ट करने मैं 'समृद्ध होने के साथ—साथ भावविभोर भी करती है। किसी भी कालखंड में यदि हिंदी को देखा जाए तो कई ऐसे उतार—चढ़ाव रहे हैं परंतु उसके पश्चात भी भाषा टिकी हुई है और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वह किस प्रकार आज भी एक संबंध स्थापित करने का कार्य करती है। यदि स्वाधीनता संग्राम में देखें तो हिंदी भाषा में कहीं न कहीं अपना योगदान निभाने के साथ—साथ बहुत सी भाषाओं को समाहित करने का भी प्रयास किया है और इसी प्रकार जो इस की शुद्धता है वह कहीं ना कहीं शिथिल हो गई है धूमिल हो गई है।

अंततः यह आवश्यक हो जाता है कि किस प्रकार हिंदी भाषा को जन—जन की भाषा बनाया जाए यह जरूरी नहीं कि हिंदी को राष्ट्रभाषा घोषित किया जाए परंतु इसका प्रचार—प्रसार इस माध्यम से होना बेहद आवश्यक है कि यह अपनी सुंदरता अपनी प्रखरता और अपनी प्राथमिकता को कही खो ना दें क्योंकि यदि हम अपने आप को हिंदुस्तानी कहते हैं तो यह आवश्यक हो जाता है कि हम हिंदी का भी सम्मान करें। इसीलिए मेरा तो हृदय से नमन है इतनी सुंदर भाषा को और मैं गर्व से कह सकता हूं कि हिंदी को बनाए रखने में युवाओं का महत्वपूर्ण योगदान है और इसीलिए इस विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर हम सभी को यह प्रण लेना चाहिए कि हम इसकी प्रासंगिकता को कम ना होने दें और हिंदी हमेशा जीवित रहे।

मनस्वी <mark>बांग</mark>ड़ द्वितीय वर्ष राजनीति विभाग

फिल्म प्रदर्शन

हिन्दी साहित्य परिषद, हिन्दी विभाग द्वाराहिन्दी विशेष, द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम में संकलित फणीश्वरनाथरेणु कृत कहानी "तीसरी कसम" पर आधारित फिल्म का फिल्मांकन किया गया। इस फिल्म को सेमीनार कक्ष में अपराह 3 से 5 बजे तक दिखाया गया। फिल्म दिखने का मुख्य उद्देश्य साहित्य और फिल्म के अंतरसंबंध को समझना था। 40 से अधिक विद्यार्थियों ने दर्शक की भूमिका निभाई। तत्पश्चात कक्षा में इस कहानी और फिल्म पर प्रो. अर्चना गौड द्वारा चर्चा की गई।



मेरे लिए हिंदी क्या है ?

हिंदी जितना कम मात्राओं का शब्द है उतना विशाल इसका क्षेत्र। मैं मूलतः हमारे देश के बुंदेलखंड क्षेत्र से तालुक रखता हूँ अर्थात् एक ऐसा क्षेत्र जहाँ हिंदी की एक बोली बुंदेलखंडी बोली जाती है। बचपन से ही चीज़े सीखने को ललायित रहा जैसे कि होता है हम अपनी माँ अर्थात हमारी पहली गुरु से चीजें सीखते है वैसे ही, बुंदेलखंडी का मेरे जीवन में आगमन हुआ।

वक्त बीतता गया और समय की कसौटी की जो परिणिती होती है और हमें विद्यालय जाना होता है। क्योंकि हम जैसे मध्यमवर्गी परिवारों को अपनी आर्थिक स्थिती के अनुरूप निर्णय करना होता है, इसलिए सरकारी विद्यालय मेरे लिए उपयुक्त और मेरे परिवार की आर्थिक पृष्ठभूमि को देखते हुए सही था। मैं ग्रामीण परिवेश से था इसलिए अंग्रेजी को कभी अत्यधिक महत्व नहीं दिया गया। विद्यालय स्तर तक तो हमारा हिंदी के साथ चोली—दामन का रिश्ता हो गया था। परिवेश चाहे सामाजिक हो या परिवारिक हिंदी ही सर्वोच्च थी या यूँ कहूं कि हिंदी का ही बोलबाला था, इसलिए अंग्रेजी हिंदी की तुलना में कमतर रह गई।

जैसे—तैसे हिंदी के बल पर विद्यालय से पार पाई परंतु अब मैं दिल्ली विश्वविद्यालय जैसे बहुराष्ट्रीय स्तर के विश्वविद्यालय में प्रवेश कर चुका था। वास्तविक समस्या अब शुरू हुई थी। विद्यालय स्तर पर तो सारे शिक्षक आसानी से हिंदी में हर बात बताया करते परंतु महाविद्यालय (कॉलेज) में शिक्षक इक्का—दुक्का ही शब्द हिंदी के प्रयोग किया करते थे। लेकिन 'मनुष्य के सामने दो स्थितियाँ होती है पहली, वह परिस्थितियों को बदल दे या दूसरा की परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढाल ले। मैंने दोनो तरीके अपनाए। अपनी शर्म छोड़कर शिक्षक से बार—बार अनुरोध किया कि महोदय हिंदी में भी समझाए और भले ही शिक्षक कभी—कभी नाराज हो जाते थे परंतु मेरी बात का प्रभाव उन पर हुआ और इससे हिंदी माध्यम के छात्रों को बहुत लाभ हुआ। वहीं दूसरी ओर मैंने हिंदीबाज़' बनना छोड़ा और धीरे—धीरे अंग्रेजी पर भी अपनी पकड़ मजबूत की। मैंने महाविद्यालय में भी हिंदी माध्यम को ही चुना और खुद को स्थापित किया परंतु कही न कही मैंने अपने देश में हिंदी के प्रति हीन भावना को महसूस किया है पर मैं इसे नाराजगी के तौर पर नहीं चुनौती के तौर पर देखता हूं। और पुनः वो दौर लाना है जहां हिंदी का बोल बाला हो क्योंकि 'हिंदी हैं हम, हिंदोस्ता हमारा है'।

विदित मिमश्र विभाग बी.ए प्रोग्राम (द्वितीय वर्ष)

हिंदी मेरी रचनात्मकता की भाषा है

हिंदी शब्द नहीं एहसास हो तुम, एक शब्द में सम्पूर्ण संसार हो तुम, हर भारतीय की पहचान हो तुम, मेरे हृदय का सार हो तुम।

"हिंदी भाषा और मैं यह केवल एक पंक्ति नहीं एक भाव है मेरे लिए, जिसे शब्दों में उकेर पाना थोड़ा कठिन प्रतीत होता है। बचपन में जो पहला शब्द मैंने सीखा वह हिंदी में था। मुझे हमेशा से हिंदी ही पसंद है। मेरी पहचान, मेरी पसंद के रूप में हिंदी ने मेरे मन में जो जगह बनाई है वह शायद ही कोई अन्य भाषा बना पाए।

विद्यालय जाने पर पता चला की केवल मनुष्यों के बीच ही नहीं बल्कि भाषाओं के बीच भी एक खास प्रतिस्पर्धा चली आ रही है और इस श्रेणी में सबसे आगे खड़ी हैं हिंदी व अंग्रेजी दोनों ही भाषाएं स्वयं में खूबसूरत व प्रभावी हैं परन्तु प्राथमिकता कहीं न कहीं अंग्रेजी भाषा को ही दी जाती है। यह मैंने तब जाना जब मेरे माता—पिता ने भी मुझे अंग्रेजी सिखाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। मेरे मन मस्तिष्क में यह बात डाल दी गई की दुनिया का सामना करने के लिए अंग्रेजी अत्यंत जरूरी है। आखिरकार मैं अंग्रेजी लिखना, पढ़ना व बोलना सीख गई परंतु मेरे हृदय में अंग्रेजी वह जगह नहीं बना पाई जो हिंदी की है और कभी बना भी नहीं पाएगी क्योंकि शायद में खुद वह जगह किसी को नहीं देना चाहती।

इन सबसे परे अपने रचनात्मक जीवन में जब कभी मैं कोई कविता या कहानी लिखने का प्रयास करती हूँ तो हिंदी भाषा ही याद आती है। हिंदी का हर एक शब्द अपने साथ अनेकों भाव बटोरे हुए हैं। महाविद्यालयी जीवन में कदम रखने पर भी हिंदी ने ही मेरा साथ दिया। महाविद्यालय आने पर समितियों के बारे में जानकारी मिली और उस समय भी सबसे अधिक महाविद्यालय की हिंदी रचनात्मक लेखन समिति ने मेरा ध्यान अपनी ओर खींचा। यही कारण था की सभी चरणों को पार करने के बाद मैं सर्वप्रथम "अभिव्यक्ति" समिति का भाग बनी। हिंदी व मेरा जुड़ाव शायद ही कभी कोई समझ पाए। मेरी हर रचना का हिंदी से आरंभ व हिंदी को समर्पण है।

मेरे व्यक्तिगत विचारों के अनुसार आज हर देशवासी के मन में हिंदी को लेकर संवेदना व प्रेम तो है परन्तु हम सभी को यह समझने की जरूरत है कि हमें हिंदी को दोयम दर्जे पर नहीं लाना, हमें उसे केवल मातृभाषा कहना नहीं है बल्कि वास्तविकता में मानना भी है और यह तभी संभव है जब हर भारतीय हिंदी को अपने हृदय में स्थान व अपने जीवन में पहचान देगा। यह हिंदी की सच्चे अर्थों में जीत होगी।

> मी<mark>ना</mark>क्षी पंत द्वितीय वर्ष— मीडिया एवं जनसंचार विभाग

हिंदी अभिव्यक्ति का साधन ही नहीं, एक एहसास है

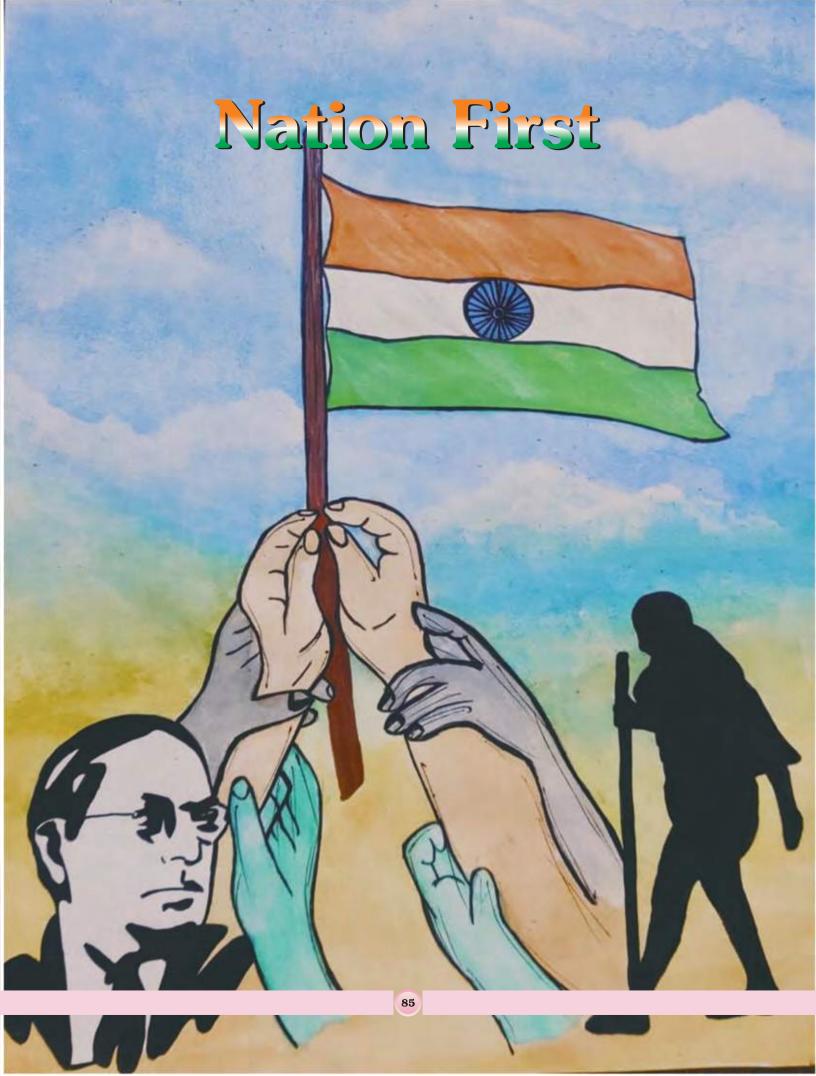
हमारा खुद से साक्षात्कार करवाती है, हिंदी ने हम भारतीयों को स्वर व संपर्क दिया है। <mark>यह हम</mark> भारतीयों के लिए हमारा वजूद, हमारी वास्तविकता है। हिंदी ने सिर्फ खुद की वर्णमाला के वर्णों को ही स्वर नहीं दिया, यह हमारे विचारों की भी आवाज़ बनी। हमारे जज्बात हिंदी ही है।

हिंदी हमारी भाषा है, और हम हिंद के वासी, हिंदुस्तान हो सबसे ऊपर, इस बात के हम अभिलाषी ।

भारत विविधता में एकता वाला देश है और हिंदी भारत को एकता के सूत्र में बांधे रखती है। विश्व हिंदी दिवस के रूप में 10 जनवरी को भारत के साथ साथ पूरा विश्व हिंदी के गौरव को नत मस्तक होता है। यह एक भावात्मक भाषा है, हमारे दिल के तार हिंदी के ज़रिए ही परस्पर जुड़े होते हैं। एक व्यक्ति स्वप्न भी हिंदी में ही देखता है, उसे साकार करने का खाका भी हिंदी में ही सोचता है और उस मार्ग पर अपना आकलन भी हिंदी में ही करता है। किंतु विडंबना यह है कि उसकी जीत के बाद दिये गए उसके उदबोधन के शब्द अंग्रेजी के होते हैं। यही कॉर्पोरेट जगत की सच्चाई है जो हमारे लिए बेहद शर्म का विषय है।

एक भारतीय के लिए हिंदी अभिव्यक्ति का साधन ही नहीं, एक अहसास है। उसकी विचारों की शैली है। हिंदी एक वृक्ष है जिसकी छांव तले हम भारतीयों का आश्रय है। हाँ, हमने अंग्रेजी का दामन अभी तक थामा हुआ है। अंग्रेजों की गुलामी ने भारत से काफ़ी कुछ छीना है। ये कहना तो गलत होगा कि हमारी संस्कृति और राष्ट्र की पहचान, हमारी "हिंदी" हमसे छिन गई है किंतु इसके लिए भरसक प्रयास किए गए और इस उद्देश्य पूर्ति में फिरंगी कुछ हद तक सफल भी हुए। आज भी हमारी मूल भाषा हिंदी होने के बावजूद आधिकारिक रूप से अंग्रेज़ी का आधिपत्य है। अंग्रेज़ी के बाज़ार में हिंदी पिछड़ रही है। मसला यह है कि आज के समय में अंग्रेज़ी का ज्ञान कम होना हमारा स्टेटस डाउन कर देता है वहीं हिंदी की एक स्तर से कम जानकारी सबके लिए साधारण सी बात हो गई है। हमारे लिए आज यह समझना ज़रूरी है कि सामाजिक सभा में अंग्रेज़ी के स्थान पर हिंदी का प्रयोग हीनता का नहीं हमारे गौरव का प्रतीक है।एक भारतीय होने के नाते हमारा कर्तव्य है कि हम हिंदी को उसके हिस्से का ओहदा और सम्मान दें और इसके विस्तार के लिए हर संभव प्रयास करें क्योंकि हिंदी हमारी विरासत है और इसका संरक्षण हमारा परम धर्म।

अविशी खु<mark>राना</mark> द्वितीय वर्ष–गणित विभाग



Nation first

"India is my country and all Indians are my brothers and sisters. I love my country and I am proud of its rich and varied heritage."

Back in our school, It's a pledge that we used to take everyday in the morning assembly. But do we actually know the meaning of it? When we say we love India, and someone asks us, "What exactly do you love?" What'll your answer be? Beyond the area marked on a map, what does India mean to you? It is quite possible that your answer is food. Maybe you have a few other things, like Bollywood, the bhangra, the cow—the cow sitting in the middle of the highway, that is—the monkey riding the elephant, peeing by the roadside, no? Or the people sitting on the roadside, begging, no? You'd say, "Mahatma Gandhi!" or you'd probably talk of the colours of Holi, or you'd probably talk of the Diwali lights. These are all good, nice, vibrant images of the Indian landscape. Can you fall in love with these? Yes we definitely can. In Fact we only love the good things.

Now let's turn the tables. Let's ask the same question to the boy sitting on the roadside carrying her little sister in his arms and asking you to offer some food. Let's ask him if Bhangra, garba excite him or not? Let's ask him what Mahatma Gandhi means to him? Probably his answer would be the person on the currency note. That's it! Why are the answers so different? Probably because the priorities are different.

A nation at its root represents a community of people united through certain values. For someone to really love our nation, it is important that we firstly know what those values are. Those values must be worth loving, and even more fundamentally, cannot be just theoretical ideas on paper. Everyone to love the nation at least their basic needs should be fulfilled because as Norman Borlaug said" you can't build a peaceful nation on empty stomach and human misery" A nation does not become admirable or respectable or lovable just by its geographical boundaries and political governance. It is not our Geographic boundary, the LOC, and the ruling parties that make India a nation, it is the people who live here and the beliefs that we all share. So it's equally important to acknowledge the problem of our country and to face it, to find the solution to it. Any attempt at defining our nationhood in terms of dogmas and identities of religion, region, hatred and intolerance will only lead to dilution of our national identity. Nation first doesn't only mean to have the feeling of belongingness towards the nation but at the same time to acknowledge the problems who are acting as a termite and making the country hollow from inside.

To provide employment to the unemployed, to take steps for the education of underprivileged children, to run fellowship programs for the marginalized sections of the society is also the love for the nation. The very day we start acknowledging the problems and start taking action towards them, the answer of a middle class person and that boy sitting on the roadside would be the same.

-Niharika, BJMC IInd Year

To the Unknown Soldier

I might not remember your name,
Nor the battle for which you sacrificed yourself.
I might not recall your town,
Or the promises you left unkept.
I do not know where you sleep,
Nor the tears of agony your kins weep.

But I do know the pride that thrills my heart.

I do know your dauntless spirit which is honored,
Your immortal soul which is revered.

Admired by millions, who are inspired.

Your medals and your citations sing the song of your valor,
The grit you displayed, enkindled in the youth:
a sense of devotion, a feeling of patriotism.

It is thus, I offer you from my heart, "Thank You!"

For offering yourself, so that I may breathe free.

You made the supreme sacrifice,

Defending what I hold dear.

And I pay tributes to the mother who gave away her gem,

Without any fear.

Of your brave-stories, the time will tell.

For they shall be remembered very well.

Yours gratefully,

An ordinary civilian.

Jaya PandeyBSc. (Hons.), Computer Science,
Second Year.

Bapu: The Beacon of Hope

Bapu- the saint of peace & non-violence
The preacher of 'Ahimsa',
The advocate of 'Satyagraha'.
Bapu-the enlightened soul
The savior of the destitute,
The vanguard of those in woe.

"Rise, Awake & Shake off the Slavery!"

He called out to his countrymen far and wide.

Bapu- A Soldier without a gun

A Warrior without a Sword, our nation's ultimate guide.

He, who did good to others
He, who knew the pain of others
Kept his promise, actions & thoughts pure
Our Beloved Bapu- who never let pride enter his mind,
Never allowed any vice to let him lure.

Some call him 'Mahatma' while some 'Gandhi'

He is the Beacon of Hope,

in this world so avaricious

Flogging with Strife.

The one, who Shook the Whites with his march to Dandi.

A gentle being with a rare philosophy,
He, The Father of our Nation
Left his immortal imprint in the annals of history.
The Champion of the 'Harijans',
The Defender of the wretched,
He is Our Beloved Bapu,
Who we pay obeisance to.

Jaya Pandey
BSc. (Hons.), Computer Science,
Second Year.

Ideology of Nation First in the Era of Multiculturalism

Nation First is a concept that embodies the idea of prioritizing the interests and well-being of one's country above everything else. It is a fundamental principle that has been adopted by many nations throughout history, and it continues to shape the course of international relations today.

The history of nations can be traced back to the earliest human civilizations, which were characterized by distinct cultures, languages, and territories. As human societies grew in size and complexity, these territorial entities became more organized and formalized, leading to the creation of distinct political units that we now recognize as nations.

The concept of nationhood has been shaped by a variety of historical, cultural, and political factors, including wars, revolutions, migrations, and economic developments. In many cases, nations have been created through a process of unification, where disparate groups of people with shared cultural, linguistic, or historical ties come together to form a single political entity.

The principles that underlie the concept of Nation First are rooted in the idea of sovereignty, which is the right of a nation to govern itself without interference from external forces. This principle has been enshrined in international law through the concept of state sovereignty, which holds that every nation has the right to determine its own political, economic, and social systems.

At the heart of Nation First is the idea of nationalism, which is a belief in the superiority and importance of one's own nation. Nationalism has been both a unifying force and a source of conflict throughout history, as it can inspire a sense of common purpose and identity among people, while also fueling xenophobia, intolerance, and aggression toward other nations.

Another key principle of Nation First is patriotism, which is a sense of pride and loyalty to one's country. Patriotism can be expressed in many ways, including serving in the military, participating in civic activities, and respecting national symbols and traditions.

In recent years, the concept of Nation First has become a contentious issue in many parts of the world, as globalization and multiculturalism have challenged traditional notions of national identity and sovereignty. Some critics argue that an excessive focus on national interests can lead to isolationism and a lack of cooperation among nations, while others argue that a strong sense of national identity is essential for maintaining social cohesion and stability.

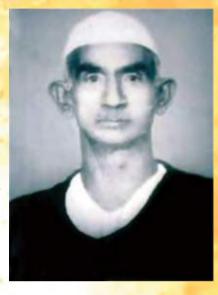
Challenging the ideology of Nation First the current generation has come up with the concepts of Global Citizens and calling the world a Global Village were we all are part of a single large family in this big blue marble which we all call home.

Ultimately, the concept of Nation First reflects a deep-seated human need for identity, security, and belonging. While it can be a powerful force for good, it must also be tempered by a commitment to human rights, democracy, and international cooperation, in order to ensure a peaceful and prosperous future for all nations and peoples.

Imran Khan, BJMC IIIrd Year

थप्पड़ से आंदोलन का आगाज

स्वाधीनता सेनानी भगवती प्रसाद त्रिपाठी 'घाघ' अंग्रेज अफसर को थप्पड़ मारकर जेल गए थे। देश प्रेम के कारण उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले का नाम देश और दुनिया में रोशन किया यह साल 1938 जंग—ए—आजादी का दौर था। समूचे देश में स्वतन्त्रता के लिए आंदोलन चरम पर था। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले में भी जगह जगह क्रांतिकारी आंदोलन की रणनीति बना रहे थे। विभिन्न तहसील और ब्लॉक क्षेत्र के युवा क्रांतिकारी भी आंदोलन में कूद पड़े थे। इसी बीच ईसानगर कस्बे में स्वाधीनता संग्राम सेनानी भगवती प्रसाद त्रिपाठी 'घाघ' रामलीला मैदान में तिरंगा फहराने पहुंचे। वहां एक अंग्रेज अफसर ने उन्हें अपशब्द कह दिए। भगवती प्रसाद त्रिपाठी 'घाघ' ने सैकड़ों लोगों की मौजूदगी में अंग्रेज अफसर के गाल पर थप्पड़ जड़ दिया। थप्पड़ की गूंज दिल्ली तक पहुंच गई। ऐसी घटना फिरंगियों की नजर में अक्षम्य अपराध थी। घाघजी



को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया गया, उनका घर ढहा दिया गया। उन्हें अनेक यातनाएं दी गईं। एक तरह से इस कृत्य के लिए भगवती प्रसाद त्रिपाठी 'घाघ' को बड़ी कीमत चुकानी पड़ी थी। मगर इस घटना के बाद क्षेत्र में स्वाधीनता आंदोलन को एक नई गति मिल गई।

संग्राम सेनानी भगवती प्रसाद त्रिपाठी 'घाघ' तीन वर्ष के कठोर कारावास के बाद जमानत पर रिहा हुए। इधर महात्मा गांधी के आह्वान पर 'अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन' चल पड़ा। पूरे देश के युवा क्रांतिकारी गांधीजी के सहयोग में आंदोलन कर रहे थे। इधर लखीमपुर खीरी के गांजर में भगवती प्रसाद त्रिपाठी 'घाघ' ने आंदोलन की बागडोर संभाल ली। अपने कुछ क्रांतिकारी साथियों के साथ इलाके में लगने वाली साप्ताहिक बाजारों में अंग्रेजों से छुपकर पहुंचते और ध्वजारोहण कर भारत माता के जयकारे लगाए। जब तक अंग्रेज अफसरों को इसकी भनक लगती और वह आनन—फानन में मौके पर पहुंचते उससे पहले ही सभी क्रांतिकारी वहां से भाग जाते। अंग्रेजों की नजर में यह सब आपराधिक कृत्य थे। इसके लिए घाघजी को फिर तीन बार जेल भेजा गया। वह हर बार जमानत पर बाहर आते और देश सेवा को ही सब कुछ मान अपने काम में लग जाते।

भगवती प्रसाद त्रिपाठी 'घाघ' पर जंग—ए आज़ादी का मानो जुनून सवार था। परतन्त्रता के दौरान वह क्रांतिकारी कविताएं रचते थे। कहा जाता है कि उनकी कविताएं जनजागरण का काम कर रही थीं। इसी बीच उन्हें सामयिक कविताओं की



रचना के लिए 'घाघ' की उपाधि मिली। बाद में यही उपाधि उनकी पहचान बन गई। आजादी से पहले 'घाघजी' की लिखी कविताओं के कारण क्षेत्र के तमाम लोग स्वतंत्रता संग्राम में कूद पड़े। सैकड़ों लोगों ने फिरंगी हुकूमत के खिलाफ स्वाधीनता संग्राम में सेनानियों की सहायता की थे। सन्देश पहुंचाना हो या सेनानियों को रसद, यह सभी काम घाघजी की कविताओं के जिरए होते थे। लोगों को स्वाधीनता संग्राम से जोड़ने के लिए घाघजी की कविताएं उस दौर में सबसे बड़ा हथियार थीं।

देश आज़ाद हुआ तो घाघजी की कविताओं का मर्म भी बदल गया। अब अंग्रेज अफसरों के बजाए क्षेत्रीय नेता उनके निशाने पर थे। जिस किसी नेता ने क्षेत्र के साथ सौतेला व्यवहार किया, वह घाघजी के निशाने पर आ गया। बात चाहे विधायक की हो या सांसद की, जो भी मुद्दों से भटका उसे घाघजी ने अपनी कविताओं से राह दिखाई। घाघजी की कविताओं का इतना बड़ा असर होता था कि उनकी कही बातें मुद्दा बन जाती थीं, लेकिन दुःखद यह है कि समाज और शासन—प्रशासन की ओर से उनकी कविताओं को संकलित करने का प्रयास ही नहीं किया गया। लिहाजा एक स्वाधीनता संग्राम सेनानी की अमूल्य धरोहर सहेजने से रह गई।

Role of Subhash Chandra Bose in the Freedom Struggle of India

The Department of BA Program held a workshop on January 23, 2023. The participants were from Second and Third year. The talk was conducted at 8 PM by Google Meet by in the presence of – Dr. Vijay Kumar Bhatia (Function Coordinator) and Prof S.C. Dabas (Convenor). The topic of the workshop was "TALK ON ROLE OF SUBHASH CHANDRA BOSE IN THE FREEDOM STRUGGLE OF INDIA". The speaker for the talk workshop was DR. Vijay Kr. Verma (Associate Professor, Department of Political Science, Dayal Singh College, University of Delhi). The talk was highly appreciated by the students. After the lecture of the speaker, there were a lot of questions asked by the students to the speaker with



huge enthusiasm. In the end, the vote of thanks was given by the Dr. Vijay Bhatia and Prof. S.C. Dabas. The session ended successfully with huge number of participants and overwhelming feedback from them.

NCC Report

RAM LAL ANAND COLLEGE NCC is Affiliated with 7DBN group of the Delhi NCC directorate. It aims to develop character, secular outlook, and the ideals of selfless service. Senior Under Officer (SUO) Gautam Chandra, Junior Under Officers (JUOs) Jatin Sheokhand, Sagar Kumar, and Shubhrat Juryalwere the office bearers for the academic session 2022-23. Following Activities took place in the session 2021-22: Independence Day 2022, All India Thal Sainik Camp, Ima Attachment Camp, Army Attachment Camp, Blood Donation Camps, Republic Day Camp 2023.

Har Ghar Tiranga:

Ram Lal Anand College organized the Triangle Yatra on 13th August as part of the Har Ghar Tiranga campaign launched by Honorary Prime Minister Sri Narendra Modi. At 6pm, a large crowd appeared with aflag in each participant's hand. NCC COY of Ram Lal Anand also attended the event along with NSS members and university fay. The Principal Prof. Rakesh Kumar Gupta and his ANO Maj. (Dr.) Sanjay Kumar Sharma led the entire crowd from the university gates to the entrance of the South Campus of the University of Delhi and back. The rally call was filled with 'Bharat mata ki jai' and 'Vande Matram'. At the end of the event, all participants proudly carried the flag to set up in their homes, encouraging others to do the same.





Republic Day 2022:

The event kicked off with the arrival of the main guest Professor SatishChandragarkoti accompanied by CDT Arin Badoni and CDT Anshul Sharma aspilots and the guard being commanded by CDT Chirag Shokeen. Around 2:00 pm, the celebration began with a program hosted by CDT. Saksham Chitransh. With the guest of honor's permission, the guards begansaluting, the National Flag was unfurled, and the national anthem was sung by allpresent. Once the respected dignitaries took the stage, the event began with the MCbriefly mentioning the day's history. Prof. Sanjay Kumar Sharma invited our mainguests and felicitated him with plant saplings. All teachers and students present there were then given Election Day approvalfollowed by a pledge of the preamble. The program ended with snacksdistributed to the students.





Blood Donation:

As a part of social service, the NCC throughout the year organizes blood donationcamps in which students participate and give their contributions. Cadets of Ram Lal Anand College participated in most of the blood donation camps held in Delhi. Total 10 cadets of RLA NCC COY participated in this camp and thus the event was a great success.





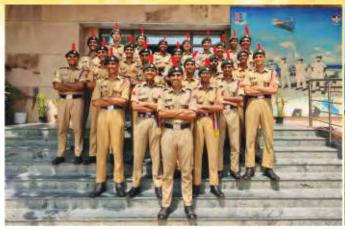
Gallery:



Rank Panel 2022-23



Army Attachment Camp 2022





CATC 2022

3rd Year Cadets





Physical Trials Enrolment 2022-23

Col. OP Rai, C.O. 7DBN Visit to RLA

Phule-Periyar-Ambedkar Study Circle

Phule- Periyar-Ambedkar Study Circle organized a seminar on 14th October By Prof. Vivek Kumar from School of Social Science of JNU on the topic "Contribution of Bahujan movement in nation Building". First of all we had done our inauguration by lamp lighting followed by Principal sir welcome speech for our guest. Our convenor Dr.





Rajiv Kumar inroduced our guest to the participants, after that our guest addressed us in which he enlighted us on various atrocities and untouchability cases in our society till now a days, in which he talks about Kerala, Maharashtra and Bihar region. He also emphasized on the contribution of Jyotiba Phule, E. Periyar and BR. Ambedkar. We also spoke about various movement led by them. After this the floor was opened for questions and answer.

Subsequently, we organised a logo making competition on 6th November in which more than 20 students participated. The top three participants selected are as fallows:-

- 1. Rishi Mahajan
- 2. Divayansh Gupta
- 3. Sashwat Yadav

Reservations and Affirmative Actions

Reservation in India is all about reserving access to seats in the government jobs, educational institutions and even legislatures to certain sections of the populations. Also known as affirmative actions, the reservations can also be seen as positive discrimination.

Prof. Narender Kumar, professor in School of Social Sciences, Jawaharlal Nehru University was invited to enlighten through his Views on "Reservations and Affirmative Actions".



He explained about the

most important dimension of "reservation policy and affirmative actions", where it is allowed, is it only for socially blackward groups, or it can be given to the economically weaker sections, should it also be implemented in private sector.

He expressed that reservation in the Indian Constitution was seen as a weapon to ensure social justice for the socially and educationally marginalized sections of Indian Society.

He also explained about how the reservation policy is formed and what are the issues like-

- Reservation for Transgender
- Issue of backwardness
- Issue of creamy layers
- Issue of quantifiable data
- Reservation in Private Sector.

The seminar concluded with a question answer session and a formal vote of thanks.

National Service Scheme

Cleanliness is the soul of the environment. A clean environment keeps us healthy and brings peace of mind. Emphasising the need for a clean environment, the National Service Scheme unit of Ram Lal Anand college organised a Swachhata Pakhwada from 11 September,2022 to 15 September,2022. Each day had a separate event as mentioned below

On 14th September, 2022 Post Making Competition Theme: "Tabacco-free country." 70 volunteers participated in the event. 70 The post were uploaded on different social media platforms to create awareness about the need for a tabacco free country

On 24th September 2022 the NSS unit of Ram Lal Anand College celebrated its 53rd NSS Day through hosting a webinar at Google meet on two major themes: 1. NSS Day 2. Thalassemia Our honorable principal of Ram Lal Anand college, Prof. Rakesh Kumar Gupta gave us an insight on the "Role of NSS in our society" and at the end he gave a message to the society to work with selflessness and kindness.

Dr. Pravas Mishra, Hemato Oncologist, gave an insightful information about the disease Thalassemia, it's cause and spread, early detection and prevention and it's cure. He also told us about the importance of blood donation and presence of iron in our blood. Along with this he pointed out our duties as a volunteer to receive proper vaccination and taking proper care of ourselves as well as the people around us. The session lasted for about two hours.

Education Camp 28th November, 2022 to 8th December, 2022 at JJ colony, Moti Bagh

The volunteers prepared different subjects and activities to educate children. They also gave general knowledge, awareness about hygiene, education, cleanliness and the importance of enrollment to an educational institutions is must. The volunteers tried their best to instil good qualities and knowledge in the children. They also had conversation with the guardians of the children telling them about their progress and abilities. This education Camp was carried out for 2-3 hours every day. 100 volunteers participated in this event.



Blood Donation Drive 9th January, 2023

The National Service Scheme of Ram Lal Anand college organised a blood donation drive to spread the importance of blood donation in collaboration with Indian Red Cross on 9th January 2023 from 10:00 am to 4:00 pm. 70 Volunteers donated blood in this campaign. 9th January, 2023

Sanitary Pads distribution drive: The volunteers donated sanitary napkins to contribute towards menstrual hygiene in JJ Colony in Moti Bagh. Theme: "Redoubling efforts to ensure all girls are healthy, educated and safe."

North-Zone- Pre-Republic Day Parade Camp 2022-23 Rudrakshi Jain, a second year student of B. A. (H) English, was the first female volunteer of NSS Ram Lal Anand College to be selected to represent the college at the state-level screening-



process of the North Zone Pre-Republic Day Parade Camp 2022-2023 held between 26th November to 5th December, 2022. The screening took place in Daulat Ram College, University of Delhi. Following this, she went on to represent the Delhi Directorate at the second round of the selection process in Punjab, where the Selection Committee was chaired by Smt. Harinder Kaur, Regional Director, Chandigarh Directorate, and Dr. Kamal Kumar Kar, Assistant Programme Advisor, NSS. Rudrakshi recalled her life at camp, saying it was one of "hard work, discipline and dedication along with some great moments of fun." Looking back at her learnings, and forward to an enlightened future, Jain commented, "Irrespective of whether or not I go forward, I consider this a win because of this wave of strength and empowerment which is already visible in the eyes of my fellow female volunteers; and the fact that I have played a part in bringing about this change, is all the appreciation and motivation I need to continue working with dedication and determination

National Youth Festival 2022-23



Udit Nandwana, a second year student of B. A. (H) History, is a volunteer who was selected to represent NSS, Ram Lal Anand College at the 26th National Youth Festival held between 12th January to 16th January,2023 in Hubli, Karnataka. He was one among over 7,500 youth delegates selected to represent the Indian states, UTs, the NYKS and NSS, and showcase their talents and exclusive culture. The volunteers reached Dharwad, the primary venue, early at 5AM on 12th January, where the Hon'ble Prime Minister, Mr. Narendra Modi inaugurated the festival at Railway Sports Ground. The day came to an end with a cultural evening. Recalling his vibrant

experience, Nandwana termed the journey 'unique', and shared how "dancing, singing, playing instruments took place in the coach itself, which was booked for only the NSS volunteers of Delhi." He said, "4,05,255 people, including me, simultaneously entered the Guinness Record in Yogathon. NYF 2023 provided me with a golden opportunity to interact with people from a diverse culture, to witness leaders like Narendra Modi, Anurag Thakur, Thawar Chand Gehlot, and more. The exposure and experience will definitely help me grow."

Gandhi Study Circle

Gandhi Study Circle of the college provides an active platform to the students to express diverse opinions on different topics going beyond mere promotion of Gandhian values. The main aim and objective of this circle is to promote Gandhian Values and Nation Building. The Circle has organized various competitions like essay writing, poster making, logo making, debate, and Gandhi vandan. Various campaigns like "Nasha Mukti Abhiyan", "Har Ghar Tiranga" and Seminars have been conducted nationally as well as International in past year.

The session began with the selection of the office bearers of the Circle. Ayushi Mishra of History(H) chosen for the President Post. Vice Precident Post was given to Aayush Kumar from BMS department and Mehul from BMS department was selected for the post of Secretary.

Details of Events organized in 2022-23

- 1. **Poster-making competition** The circle organized a poster making competition on the topic "Gandhi and Global Peace" on 25th July 2022. In which we have received more than 30 registrations and out of 30 entries only best three posters were selected and awarded.
- 2. **Logo-making competition** A logo-making competition was held on 16th August, 2022. In which we received more than 10 registrations and out of which we selected only the best one and awarded the student with cash prize. The logo of Gandhi study circle was launched on 2nd October 2022.
- 3. **Slogan Writing Competition** A slogan writing competition was held online on 11th September 2022, in which more than 35 students have registered and out of which 3 students were selected and awarded with cash prize.
- 4. **Har Ghar Tiranga Celebration-** Har Ghar Tiranga program under the aegis on *Azadi ka amrit mahotsav* was celebrated by Gandhi Study Circle. A dance activity was organised with collaboration with AIKYAM North East Society on 17th August 2022.
- 5. **Nasha Mukti Abhiyan-** To make the India Drug free Nasha Mukti Abhiyan was launched by the government. Under the aegis of this program following activities have been conducted by the Gandhi study circle. A short video film, awareness campaign, Signature campaign, slogan writing competition, Bhashan Pratiyogita.
 - On 20th September, 2022, All the participants were invited by the district magistrate of New Delhi for a programme on Nasha Mukt Bharat. Our 25 students with faculties visited the Convention centre of JNU for this programme.
- 6. Research Colloquium on Understanding Gandhi Through Multiple Perspectives- On 21st september, 2022, a research colloquium was organised by Gandhi smriti and Darshan Samiti. It was attended by Convener of Gandhi study circle prof. Subhash Chander Dabas and Mr. Rajender. A book "Self Reliant India" was gifted to Mr. Sushil Kuram Tripathi, the

director of Gandhi smriti and darshan samiti.

- 7. Sadhbhavana Diwas Sammelan Students along with faculties visited the Gandhi Ashram Kingsway Camp to attend the Sadbhavana Diwas Sammelan on 24th september 2022. On the occassion of the 90th Foundation Day of Harijan Sevak Sangh, founded by Mahatma Gandhi in 1932.
- 8. Gandhi Jayanti Celebration/
 International Non-Violence Day
 celebration- Gandhi Jayanti
 celebration was conducted by the
 Gandhi Study Circle on 30th
 September, 2022. Following events
 were conducted: Cleanliness drive,
 Open Mic competition, Monologue
 Competition. The program was





covered by sahitya tak and it was uploaded on the official YouTube Page of Sahitya Tak. On the same day the logo of Gandhi study circle was launched by our Principal Prof. Rakesh Kumar Gupta.

9. **Poster-making competition 2023** Gandhi study circle has organized poster making competition on 30th January 2023 on the occasion of Martyrs Day. The theme of the competition was Martyrs day and peace. 11 students have participated and 3 students were given prizes.

Online Quiz on Revolutions for Aazad Bharat

The Department of Computer Science of Ram Lal Anand College under the convenorship of Dr. Neeraj Kumar Sharma, Associate Professor, Dept. of CS, Convener, and Dr. Vandana Gandotra, Associate Professor, Dept. of CS, Convener organized a QUIZ on "Revolutions for Aazad Bharat" on 08th August in the essence of 75th Year of Independence - Aazadi Ka Amrit Mahotsav.

Event Coordinator Ms. Dikscha Sapra Inaugurated the Quiz, Dr. Neeraj enlightened the importance of the theme and expressed the deeds of great men and women who won us our freedom. Then, Ms. Deeksha Joshi explained all the rules for the quiz and clarified the instructions so that no student have to face any issues while giving the quiz. She also made the students aware of the platform used for taking quiz and shared the Quiz with students.

The students of Ram Lal Anand college as well as other colleges participated enthusiastically in the quiz and showed extraordinary skills while competing in the quiz.



The Quiz was found to be very interesting to the participants and kept the participants engaged. Students were judged on the following 20 questions asked. Scoring was based on speed with accuracy so deserving candidates were selected for prizes.

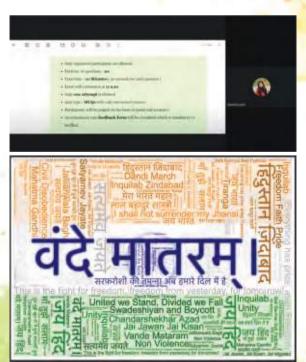
Graffiti Art Event

The Department of Computer Science organized a virtual 'Graffiti Art Event' on the theme of 'Har Ghar Tiranga' in essence of '75th Azadi ka Amrit Mahotsav'. 'Har Ghar Tiranga' is an initiative by the honorable Prime Minister – Mr. Narendra Modi. The coordinators briefed about the event theme and rules to the students along with the importance of nationalism and to respect the freedom that we have inherited by the consistent efforts of freedom fighters and revolutions led by them that shaped our country as we see it today. All the students and the faculty members provided words and phrases related to freedom moments and freedom fighters. The student coordinator -Mr. Kartik collected the words and phrases in real-time and converted them to a Word Cloud in the shape of 'Tiranga'. Everyone showcased Tiranga as a virtual background and some participants held the physical flag to reflect their enthusiasm.

Ambedkar's Vision of India and Marginalized Society

'Everyone is born equally capable but lacks equal opportunity', with this Equal opportunity cell organized an event with collaboration Department of Hindi Patrakarita Evam Jan Sanchar on 18 April 2022 an occasion of 131 birth anniversary of DR. B.R AMBEDKAR, with the theme of 'Ambedkar's vision of India and marginalized society.

The event started huge crowd, there were many students started who participated from different departments and societies. The venue was seminar room, at 12pm. The event began with warm opening speech of Principal Prof. Rakesh Kumar Gupta. The second speech was by the BJMC Convener Prof. Rakesh Kumar. Momento was given to Prof. D.K. Lobiyal at the start of the event.







After this event Purvi Bajaj (Vice President, EOC) and Sunny (Treasurer) took hold of the mic and introduced the event. With this our guest speaker Prof. D.K. Lobiyal's speech started. Prof. D.K. Lobiyal has won the hearts of the participants with his encouraging speech. The speech ended with token of thanks.

At the end participants feedback was taken and refreshments were given to the participants.

Vasudha

The Eco Club

An orientation program was organized on 17th January 2023 in the seminar room to recruit new members of the society from first year and briefing them about the various activities conducted by the society. A total number of 47 students participated in this event. After the briefing the office-



bearers and society's departmental heads introduced themselves in front of the freshers and gave details about the society and their respective departments. The aim was to mobilize students with problem solving skills to make the planet greener and cleaner. The society welcomed new hands to the nature's service because it mattered to bring about change.

As soon as the selection process ended, society praised the star members of the month Kashish (November), Aayush (December) and Chandra Gupta Roy (January).

Student Reflections

NCC

NCC is a great organization it gives us opportunity to learn about defense background. We experience new things in NCC camps and in these camps we meet with the cadets of different cultures of all over India so this thing depicts the unity in diversity.



Nilesh BMS 2nd year

NSS

Life is a big great canvas, throw all the paint on it you can. This very aphorism by Danny Kaye inspired me to commit my two years of College Life to Social Service & what better a platform could have I grabbed than the National Service Scheme.



Confidence, Dedication, Discipline, Efficiency are the skill-sets which I polished during my first year as an NSS Volunteer. This paved my way to the helm of leadership as the President, during my 2nd innings in NSS Unit of RLAC.

Once an NSS Volunteer forever an NSS Volunteer.

The spirit of Community-Upliftment & Social well-being that NSS has instilled into me shall always guide me towards building a better India.

Jaya Pandey (NSS Volunteer & President)

We make a living by what we get. We make a life by what we give."

My experience at National Service Scheme has been a remarkable one. NSS has given me the opportunity to explore the new areas of life.



This entire tenure has been a once in a lifetime opportunity that has helped me contribute towards the betterment of community and will definitely carry forward throughout my lifetime.

Being part of such amazing camps and drives organised such as Blood Donation Camp, Education Camp and many more awareness drives has instilled in me empathy and humanity which is very important.

Interacting and working with people helped me learn new skills, boost confidence, work management, build leadership quality and definitely finding some amazing people.

I would like to thank our Programme Officer, Dr. Rita Jain and other faculty members for believing in me, guiding me and instilling in me precious values of life.

Saksham Gupta (NSS Volunteer and Vice-President)

ANAND SAME



रामलाल आनंद महाविद्यालय में 'रेडियो तरंग' का शुभारंभ

दिल्ली विश्वविद्यालय के रामलाल आनंद महाविद्यालय में विश्व रेडियो दिवस पर 13 फरवरी 2023 को सामुदायिक रेडियो स्टेशन 'रेडियो तरंग 90.0 एफ.एम.' का उद्घाटन हुआ। विश्वविद्यालय के किसी महाविद्यालय में यह पहला सामुदायिक रेडियो स्टेशन है। मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रामलाल आनंद महाविद्यालय की गवर्निंग बॉडी के अध्यक्ष प्रो. एस.सी. गरकोटी ने स्टेशन का उद्घाटन करते हुए इसके सफल संचालन के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि रेडियो केंद्र शुरू होना अच्छी बात है, लेकिन इससे भी ज्यादा अच्छी बात होगी कि ज्यादा से ज्यादा विद्यार्थी इसका लाभ उठायें। वह नित नए कार्यक्रम बनायें।



इन कार्यक्रमों से खूब सीखें और पढाई पूरी कर रेडियो की दुनिया सहित पत्रकारिता के विभिन्न माध्यमों में रोजगार हासिल करें तभी इसका असली लाभ उन्हें मिलेगा।

रामलाल आनंद महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. राकेश कुमार गुप्ता ने सभी अतिथियों, अध्यापकों और विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए सामुदायिक रेडियो की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय की विकास यात्रा में रेडियो का खुलना एक अहम् पड़ाव है। इसका सफल संचालन ही इसे विकास के मार्ग पर बढ़ाएगा। उद्घाटन के बाद मुख्य अतिथि सहित सभी लोगों ने स्टूडियो में रिकॉर्डिंग और प्रसारण की प्रक्रिया देखी और कुछ देर उसका हिस्सा भी बने।

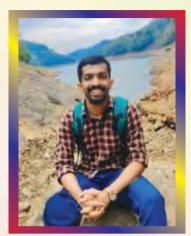


हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार पाठ्यक्रम के संयोजक प्रो. राकेश कुमार ने सामुदायिक रेडियो की पूरी यात्रा के बारे में बताया। साथ ही इस दौरान आने वाली चुनौतियों और उनके निदान के बारे में भी जानकारी दी। प्रो. राकेश कुमार ने सभी विभागों के विद्यार्थियों से कार्यक्रम बनाने में दिलचस्पी लेने और उसका लाभ उठाने का आग्रह किया। हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रो. संजय कुमार शर्मा ने अपने चिर परिचित अंदाज में धन्यवाद ज्ञापन करते हुए विद्यार्थियों और शिक्षकों से अधिक से अधिक सहभागिता करने की बात कही। इस मौके पर उप प्राचार्य प्रो. सुभाष चन्द्र डबास सहित बड़े पैमाने पर महाविद्यालय के शिक्षक और विद्यार्थी मौजूद थे। संचालन का निर्वाह शिक्षिका सुश्री श्वेता आर्या ने किया।

प्रो. राकेश कुमार संयोजक, हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार

Gold Medalist (Microbiology)

My experience with Ram Lal Anand College, University of Delhi, was "great," if I want to sum it up using one word. According to my experiences, the college is currently in its development stage, improving in different aspects day by day. After getting admitted to the college in the month of July of 2019, it never failed to make my days there joyful and smooth. The course, B.Sc. (Hons.) in Microbiology, which I pursued, was one of the best departments of the university. It had all the required facilities and well-experienced, supportive, and cooperative faculty, which all helped me create a strong base in the subject. The guidance and support provided to me by the department, especially by my dearest professors, helped me win a gold medal in the subject of microbiology. I would like to remember our dear Dr. Kusum Rani Gupta, one of the jewels of our department, who always



motivated us whenever she was there. Her invaluable support would never be forgotten, even if she is not with us today. Talking about the other aspects of the college, it would be worthwhile to mention here that the college campus was very well maintained and student friendly. The college campus helped create a conducive environment for the students to study as well as enjoy their leisure time. The well-maintained college lawn was one of the best spots to chill out after the classes, especially during the winter afternoons. The cultural events and the fests organised in the college, apart from giving us an adrenaline rush, helped us to remain attached to the college.

The college library was one of the greatest assets that we had there. The library provided us with all the required course books, which made our journey through these 3 years easier. We all know that COVID-19 hit everyone very hard, but even in those tough times, the college was regularly sending us all the important information, stress-relieving messages, and providing all the additional opportunities that we could explore while sitting at home. The best example to justify this was the free Coursera courses, which helped many of us boost our CVs and enhance our knowledge. Our principal sir, Dr. Rakesh Kumar Gupta, was always there for us in the best possible way, be it for the classes or the administrative works. The office staff was highly cooperative and always there, even after working hours, to help us with all our administrative needs. I would like to mention Mr. Sanjay Nagaliya at our office, whose assistance was always available whenever required. Last but not least, the college canteen, one of the best in the university, was our mini picnic spot. The tasty and safe food provided to us by the canteen, and that too at such cheap rates, was one of the reasons that made us stay longer in the college. I sincerely thank the college, especially my department, for providing me with a solid platform to start my academic journey.

Abhilash Jeas George

Best Teacher Award



Professor Prerna Diwaan have been selected for best teacher award in microbiology by Microbiology Society of India. The award ceremony was in Nagpur in January, 2023.



"महिला उत्थान एवं सशक्तिकरण "विषय पर 04 मार्च, 2023 "महिला दिवस "के अवसर पर यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, स्टाफ प्रशिक्षण केंद्र , गुरुग्राम में विशेषज्ञ अथिति के रूप में सम्बोधित करते हुए प्रोफ़ेसर अर्चना गौड़, हिंदी विभाग

Patents Granted

"Internet of Things Sensor Network Based Intelligent System for Monitoring & Securing Smart Environment From Unauthorised Objects"

in IP Australia

The objective of this invention is to solve the abnormalities presented in the prior art techniques related to environment security from the unauthorized objects. A transmission unit, used to communicate the processed signal and the storage to at least one smart phone based about the authorized and unauthorized moving object in front of the environment; and A center control processing module, is connected to the object recognition unit, the environment locking control unit, the internet of things sensor unit & the transmission unit, the center control processing module is used to process the signal received from the object recognition unit, and send the signal to the environment locking control unit based on the processed signal from the



object recognition unit, stores the information of the each and every moving object present in front from the storage and send the information to the smart phone, wherein the center control processing module is used to send an alert signal to an alarm system and to at least one smart phone base on an unauthorized moving object in front of the environment or an forceful activity to break the environment by the internet of things sensor unit, & send the live video of the authorized moving object to the smartphone.

Patentee: Mr. Arun Kumar Gautam

The Indian Patent applied by Prof. Vandana Gupta from the Department of Microbiology is granted in Jan 2023 with the Patent no. 418733. Patent entitled "Method of screening inhibitors against Hepatitis C virus" was applied in Mar 2017 (application no. 201711011516) and the complete specification filed in March 2018 (no. R20181009113). HCV is a virus of global concern and infects millions of people annually. The virus can cause acute as well as chronic infections including hepato-cellular carcinoma and live cirrhosis. The patent reveals a method of screening the inhibitors against the helicase enzyme of Hepatitis C virus which is crucial for the replication of this deadly virus inside the host cell. The discovery might help in finding novel and effective therapeutic interventions for HCV.

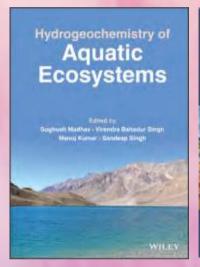


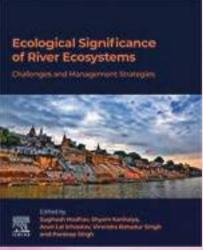
1. Patent Granted: No. 418733 "Method of screening inhibitors against Hepatitis C virus" on March 30, 2017 (application no. 201711011516) and complete specification filed in March 2018 (reference no. R20181009113) Date of Grant Jan 2023 (validity 20 yrs from 30 March 2017)

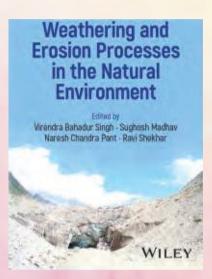
Faculty Publications



Dr. Virendra Bahadur Singh, Assistant Professor, Department of Environmental Studies, Ram Lal Anand College has edited 3 books, Weathering and Erosion Processes in the Natural Environment. Edited book, Wiley publication, ISBN: 978-1-394-15733-4, Hydrogeochemistry of Aquatic Ecosystems. Edited book, Wiley publication, p. 432, ISBN: 978-1-119-87053-1, Ecological Significance of River Ecosystems: Challenges and Management Strategies. Edited book, Elsevier publication, p. 507, ISBN: 978-0-323-85045-2.









Dr. Alankar, Department of Political Science, Ram Lal Anand College, published an article on the topic कोस्टल रोड परियोजना से जूझता कोली समुदाय;- The same can be read at https://www.downtoearth.org.in/hindistory/wildlife-biodiversity/tribals/koli-community-grappling-with-the-coastal-road-project-81772



Dr. Deepti Gupta from Department of BMS, Ram Lal Anand College has written the following book-Fight for Shelf Space: Manufacturer's Brands Vs Private Labels in 2022. ISBN: 9789391734497



हमारी अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम हिंदी

हिंदी की यात्रा अमीर खुसरो और विद्यापित के समय से मानी जाती है। यह उस समय की बात है जब हिंदी का मानकीकृत रूप नहीं था। लोग बोल—चाल और संवाद की भाषा के तौर पर हिंदी का इस्तेमाल कर रहे थे। चूंकि वह मानकीकृत रूप नहीं था; इसलिए उसमें स्थानीय भाषाओं और बोलियों का महत्व ज्यादा देखने को मिलता है। अगर अवध क्षेत्र में हैं तो उसमें अवधी की छोंक देखने को मिलती। ब्रज में हैं तो वहां की स्थानीय भाषा की बहुतायत होती। यह महज उदाहरण हैं, क्योंकि पूरे देश में जहां भी हिंदी बोली जाती थी उसमें वहां की लोक भाषा और बोली की अधिकता होती थी। इसे वहां के लोकगीतों से भी जाना और समझा जा सकता है। उस समय के लोकगीत पढ़ने से पता चलता है कि हिंदी के साथ किस तरह से स्थानीय भाषाओं और बोलियों का समावेश किया गया है।



समय के साथ हिंदी ने अपना विकास किया। उसने दूसरी भाषाओं को अपनी बहन की तरह स्वीकार किया। महात्मा गांधी जब दक्षिण अफ्रीका से भारत आए और उन्होंने देखा कि भाषा को लेकर देश में किस तरह से दूरियां बनी हुई हैं। ब्रिटिश सरकार किस तरह अंग्रेजी भाषा का विस्तार करने के लिए प्रयासरत है। स्कूलों—कॉलेजों में शिक्षा का मुख्य माध्यम अंग्रेजी बनी है। आगे उसी को अंग्रेज सरकार बढ़ावा देने का काम कर रही है।

अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा दी जा रही थी। साथ ही वह एक सीमित वर्ग तक सीमित थी। एक तरह से कह सकते हैं कि यह शिक्षा धनी वर्ग तक ही सीमित थी। जो इस शिक्षा पद्धित पर सवाल उठाता था उसे पिछड़ी सोच का माना जाता था। इन परिस्थितियों को देखते हुए महात्मा गांधी ने जोरदार तरीके से हिन्दुस्तानी भाषा की वकालत की। गांधी अपनी इस बात को दो तरह से देखते थे, पहली कि अगर हिन्दुस्तानी को बढ़ावा मिले तो अंग्रेज सरकार के मंसूबे भाषा के मामले में कमजोर होंगे और दूसरी यह कि भाषा को लेकर लोगों के मन में जो दूरिया हैं उसको कम किया जा सकेगा। इसीलिए गांधी ने कहा—''भाषा वही सच्ची होती जो जनता के करीब हो और जनता के करीब देहाती भाषा है।''

गांधीजी जिस देहाती भाषा की चर्चा कर रहे थे वह दरअसल हिन्दुस्तानी भाषा थी, जिसमें हिंदी के साथ उर्दू के शब्दों का भी समावेश होता था। आगे चलकर भाषा को लेकर अंग्रेज सरकार और देश के स्वतंत्रता सेनानियों के बीच तनाव की स्थिति बनती थी।

इसी बीच 1932 में पं. मदन मोहन मालवीय ने काशी हिंदू विश्वविद्यालय के उपाधि वितरण समारोह में ऐलान किया कि शिक्षा का माध्यम हिंदी होना चाहिए। इसी के साथ उन्होंने इण्टरमीडिएट तक की शिक्षा में हिंदी को अनिवार्य करने पर जोर दिया। मालवीयजी की इस बात का कथा सम्राट प्रेमचंदजी ने भरपूर समर्थन किया। यह समर्थन महज बातों का नहीं था। इसके पक्ष में उन्होंने बाकायदा अखबार में टिप्पणी भी लिखी। यही वह समय था कि जब गांधीजी द्रविड़ लोगों को हिंदी सीखने को प्रेरित कर रहे थे। उनका कहना था कि दक्षिण अफ्रीका में तेलगू, तमिल आदि भाषा भाषी लोगों ने बाकायदा हिंदी सीख ली थी। कुछ समय में ही वह इतनी

सीख लिए थे कि हिंदी बोल सकते थे और समझ सकते थे।

आजादी के बाद हिंदी भाषा के मानकीकरण का काम हुआ। इसी के साथ हिंदी का विस्तार होता गया। उसकी सर्व स्वीकार्यता बढ़ती गई। इसी बीच मोरारजी भाई देसाई के नेतृत्व में जनता पार्टी की सरकार बनी तो विदेश मंत्री की जिम्मेदारी अटल बिहारी बाजपेयी को मिली, जिन्होंने पहली बार संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिंदी में भाषण दिया। यह एक तरह से हिंदी की वैश्विक स्वीकार्यता पर मुहर थी।

इसी कड़ी में दूसरी घटना 2019 में देखने को मिली, जब फिलीपींस की राजधानी मनीला में रमन मैग्सेसे पुरस्कार ग्रहण करते हुए हिंदी के मशहूर टीवी पत्रकार रवीश कुमार ने अपना संबोधन हिंदी में दिया। इस घटना से पता चलता है कि हिंदी को वैश्विक स्वीकृति मिल चुकी है तभी रमन मैग्सेसे पुरस्कार कमेटी ने रवीश कुमार को हिंदी में बोलने की अनुमित दी। रवीश कुमार भारत के छह पत्रकारों में से पहले ऐसे पत्रकार हैं जिन्हें हिंदी में पत्रकारिता करने के लिए पुरस्कृत किया गया।

हिंदी की जब आज हम बात कर रहे हैं तब यह जान लें कि वह दुनिया में दूसरी ऐसी भाषा है जो बोलचाल और संवाद का जिरया बनी हुई है। इंटरनेट आने के बाद एक सवाल उठा था कि उसमें हिंदी कैसे आएगी, लेकिन हिंदी सेवियों ने काफी मेहनत करके इंटरनेट की दुनिया में हिंदी को स्थापित कराया। इसकी पहले—पहल शुरुआत वेब दुनिया नामक ऑनलाइन पत्रिका से होती है। इस माध्यम में हिंदी ने ऐसी तरक्षी की कि आज अखबार, पत्रिका, टीवी, रेडियो, सिनेमा सब कुछ इंटरनेट के पाठकों, दर्शकों और श्रोताओं तक पहुंच रहा है। आज शायद ही कोई ऐप हो, जिसमें हिंदी में काम न होता हो। फेसबुक, व्हाट्सअप, इंस्टाग्राम, लिंकडेन, ट्वीटर आदि अनेक ऐप के जिरए हिंदी अपने झंडे गाड़ रही है।

अटल तिवारी

हिंदी का प्रभाव

भारत देश भाषाओं का देश
जिसमें हिंदी का अपना समावेश
हर कोई भाषा का उपयोग है करता
अपने भावों को व्यक्त है करता
हिंदी का अपना है वर्चस्व
जिससे बढ़ता है देश का गौरव
हम भारतवासी करते हैं हिंदी का सम्मान
देश का जो बढ़ाएं मान।
राजिन्दर सिंह, वाणिज्य विभाग



प्रवक्ताओं की मातृभाषा में काव्यात्मक अभिव्यक्ति

रिश्ते-नाते



अब सब बड़े हो गए हैं

माता—पिता को अकेला छोड़कर

अपनों से मुंह मोड़ कर

रिश्ते नाते सब तोड़ कर

अब सब बड़े हो गए हैं

पैसा कमाने की चाह लेकर

भाई—भाई को दुःख देकर

जिस मां ने जन्म दिया

उस मां आंसू देकर

अब सब बड़े हो गए हैं

यादें देश की मिटाकर

अपनों से आंखें चुराकर
अब सब बड़े हो गए हैं।

अनुराग शर्मा, सांख्यिकी विभाग

मनोस्थित



कल थे हम शोकाकुल आज हैं प्रफुल्लित शायद कल होंगे रौद्र रूप में जरा रुकें और पूछें स्वयं से क्यों है हमारी मनोस्थित की यह दशा उत्तर है इसका भी हमारे पास परिस्थितियां ही ऐसी थीं लोग ही ऐसे मिले परिस्थिति रहेगी हमेशा ही प्रतिकृल वश नहीं हमारा इन पर क्यों हम जाते हैं यह भूल जो वश में है हमारे चलाएं हम उन पर अपना वश हमारा मस्तिष्क और मन क्यों न करें अपनी अन्तर्मुखी शक्ति एकत्रित और नकार दें परिस्थिति को और ध्यान दें अपनी मनोस्थिति पर। वंदना गुप्ता, सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग

हिंदी है हम सब की भाषा



हिंदी है हम सब की भाषा

बोल चाल में नहीं निराशा

हम हिंदी को जीते हैं

अपना दायरा बढ़ाते हैं

संयुक्त राष्ट्र पहुंचाते हैं

फिर मनीला लाते हैं

हिंदी है हम सब की भाषा

बोल चाल में नहीं निराशा

वैश्विक ध्यान खींचा है

नंबर दो पहुंचाया है

अभी सीढ़ियां चढ़ना है

नंबर एक बनाना है

हिंदी है हम सब की भाषा

बोल चाल में नहीं निराशा।

अटल तिवारी, हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार

प्रशासनिक शब्दावली

हिन्दी साहित्य परिषद, हिन्दी विभाग द्वारा हिन्दी सप्ताह के आयोजन के अंतर्गत केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय (राम कृष्ण पुरम , नई दिल्ली) के सहयोग से महाविद्यालय के सभी विभागों में कार्यालय के निजी प्रयोग हेतु तकनीकी हिन्दी पारिभाषिक शब्दावली का वितरण किया गया। जिसमे सभी विभागों को क्रमशः 1 शब्दावली अंग्रेजी से हिन्दी व 1 शब्दावली हिन्दी से अंग्रेजी प्रदान की गई।



प्रवक्ता एवं प्रशासनिक अधिकारी विजेता

हिंदी दिवस के अवसर पर हिंदी सप्ताह के आयोजन में आयोजित प्रतियोगिताओं के पुरस्कृत प्रवक्ता एवं प्रशासनिक अधिकारी विजेता। (7 मार्च से 14 मार्च 2023)



शिक्षकों की हिंदी रचनात्मक लेखन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार के डॉ. अटल तिवारी को मिला।



कर्मचारियों के लिए आयोजित कार्यालयी हिंदी दक्षता प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार लेखा विभाग के श्री सुमित लाकड़ा को मिला।



कर्मचारियों की हिंदी टंकण प्रतियोगिता में प्रशासनिक विभाग की सुश्री सुरभि भाटिया को तृतीय पुरस्कार मिला।



कर्मचारियों की हिंदी टंकण प्रतियोगिता में लेखा विभाग के श्री सुमित लाकड़ा को द्वितीय पुरस्कार मिला।



कर्मचारियों के लिए आयोजित कार्यालयी हिंदी दक्षता प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार प्रशासनिक विभाग के श्री नीरज करायला को मिला।



कर्मचारियों के लिए आयोजित कार्यालयी हिंदी दक्षता प्रतियोगिता में तृतीय पुरस्कार प्रशासनिक विभाग की श्रीमती चंचल बत्रा को मिला।

Research and Outreach Project (2021-22)

Project Title

Enhancement of Livelihood Opportunities through Sustainable Development using Multifaceted Support Plans for Village Cluster around Patiya in Takula Block, Almora District, Uttarakhand

Funding Organisation:

National Mission on Himalayan Studies (NMHS), under Ministry of Environment, Forest and Climate Change, GOI

Date of Award: 15/7/2019

Duration: 3 Years (Extended till March 2023)

Research Grant Amount: Rs 1.99 Crores

Project Members:

- 1. Prof. Seema Gupta (Department of Statistics) -PI
- 2. Prof. Rakesh Kumar (Department of History)-Co-PI
- 3. Prof. Mukta D. Mazumder (Department of Statistics)-Co-PI

Geo-tourists enjoying food at a homestay in Village Patiya

- 4. Dr. Prabhas Pande (Department of Geology)-Co-PI
- 5. Dr. Rajesh Sachdev (Department of Statistics)- Co-PI

Project Highlights

- · Generate Economic model on Government interventions.
- Augmentation in Agricultural productivity through mitigation of Human Wildlife Conflict (HWC).
- To create Geo-tourism model for conservation of geologically important sites to generate employment for the local population and improve tourism potential of this area.
- Increase in Green cover and Water Management
- To provide supplementary livelihood opportunities to rural people through cultivation and processing of indigenous cash crops.
- · International Conference on Geo-tourism



Field Trip at The Project Site at Village Kotyura.



Plantation of rice (Basmati) at Village Kasoon



Training for making pine-briquettes.



Home Stay at Village Patiya



Geo-tourism Awareness Campaign in a local school at Village Dinapani



International Conference on Geotourism at Almora, 2022.

Publication Details

- 1) ALANKAR (2023) Discerning Global and Local of Climate Change in Indian Context, Ecology, Economy & Society, Vol. 6, Issue: 1, 133-136pp

 (https://ecoinsee.org/journal/ojs/index.php/ees/article/view/890)
- 2) अलंकार (२०२२) कोस्टल परियोजना से जूझता कोली समुदाय, Down to Earth

(https://www.downtoearth.org.in/hindistory/wildlife-biodiversity/tribals/koli-community-grappling-with-the-coastal-road-project-81772)

Best Student Award (2019-22)

In the field of Humanities and Sciences: Dr D.K. Pabbi Award amounting to Rs. 20000/-is offered to the best student of the year

In the field of Commerce, Pandit Budh Ram Sharma Award amounting to Rs. 20000/- is offered to the best student of the year.

Best Volunteer Award amounting to Rs. 5000/-is offered to the student.

Amount of Rs. 5000/- is offered to the Gold Medalist.



Prerit kala
Best Student in Commerce (2019-2022)

The three years I spent at Ram Lal Anand College during my undergraduate studies hold a special place in my heart. Despite being a backbencher, I cherished every moment on campus and received unwavering support from my teachers, mentors, and friends in both academics and extracurricular activities. My personal thumb rule of learning, exploring, and enjoying life still resonates with me, and I believe that if one does not incorporate all three daily, they are not truly experiencing the full potential of college life.



Geetu KatyalBest Student Award in Humanities

As a Student of Ram Lal Anand College, I gained tremendous knowledge and experience. It is only because of Learning I gained from this college that I was able to win the Best Student Award. Whether I talk about studies or extracurricular activities, these 3 years spent in college have been really amazing and I will always carry them within my heart.



Vandita Changrani
Best Student in Science Stream

When I had first entered RLA in 2019 as a fresher I had only heard of Best student awards being given to best performers each academic year, but winning one myself seemed like a far-fetched vision back then.

Although I had always worked and aimed towards getting it one day, when the day finally arrived, it all felt unbelievably overwhelming.

I still feel emotional when I think about the vibe of positive energy and anticipation that the night of prize distributions carried within itself, and just to even exist there amongst that group of intellectuals felt like a huge achievement.

Undoubtedly, this award is one of the best things that has ever happened to me and I would remain eternally grateful to my teachers for considering me worthy of it and also moulding me into the person that I am today.

Best Volunteers 2019-2022



Shiva Sharma Best NCC Cadet

राष्ट्रीय कैडेट कोर जिसका लक्ष्य है—एकता और अनुशासन। देश के लिए अच्छे नागरिक पैदा करना और युवाओं को सेना में जाने के लिए प्रेरित करना मेरे जीवन पर भी ऐसा ही प्रभाव रहा है। इसका उद्देश्य एक अच्छे नागरिक होने के गुण तो यहां मुझे सीखने को मिले ही और सभी साथी कैडेट्स के साथ रह कर एकता और अनुशासन भी सीखा जो जीवन में आगे भी बहुत काम आएगा। एक सीनियर अंडर ऑफिसर होना

एक जिम्मेदारी का काम होता है। मेरा सौभाग्य था मुझे इस पद पर रहकर बहुत कुछ नया सीखने का अवसर मिला। एन सी सी कैंप और नेशनल कैंप में भी कैंप सीनियर रहने का मौका मिला। नेतृत्व करते समय ये ख्याल रखना होता है कि हम खुद सब कुछ न करके अपनी टीम को एक लक्ष्य की और अग्रसर होने के लिए प्रेरित करें। ये सब मुझे सीखने को मिला और कॉलेज में एन सी सी का वार्षिक उत्सव करवाया जिसमें डी यु के अलग-अलग कॉलेजों की एन सी सी युनिट ने भाग लिया ये एक अलग अनुभव था जिसमे मेरे साथी रैंक पैनल का बहुत योगदान था। नेतृत्वता के गुण जीवन में हर क्षेत्र में बहुत जरूरी होते है और एन सी सी ये बहुत अच्छे तरीके से सिखाती है। मैं अपने जीवन में इस संगठन को कभी भूल नहीं सकता में चाहूंगा कि आगे भी राम लाल आनंद महाविद्यालय की एन सी सी युनिट और नए शिखर छूए।



Kajal Best Sports Person

We are really very very thankful to Rakesh Kumar Gupta sir for every time you maintained so very discipline in the college and which further also made us so very disciplined and you motivated me a lot for my competition.



Diksha Singh Best NSS Volunteer

Well, to me, NSS is a family rather than just a typical campus organisation.

If I were to sum up NSS, or more specifically (NSS RLAC) in a few words, I'd say it's a place where you discover who you are, and how you can be productive to yourself and serve the community at the same time, what your strengths are, etc. But at the same time, one shouldn't worry if they don't have any skills for the time being (I didn't have any as such when I joined the NSS, but now the situation is quite different. I developed as a person, through time, learning to be more patient and composed.

Anyhow in my initial days I felt sure that the journey I had yet to start will be amazing. It ended up being my best experience and learning opportunity ever alongside providing me with priceless memories- In

addition to volunteering at various events, I also developed some precious bonds with our NSS Programme Officer, Dr- Rita Jain ma'am and from the team that will last a lifetime- I will always be grateful to PThe NSS RLACP for reasons more than one-



Swapnil Sengupta Best Student in ECA

The college experience I will be most thankful for is the opportunity to better myself not only through education but also an amazing atmosphere for the growth of extra curriculars.

Dastoor, The Indian Music Society of Ram Lal Anand College provided me an amazing opportunity to showcase my musicality and also helped me grow a lot in the field- It gave me an immense exposure in the DU circuit] which I'll be ever grateful to.

I couldn't have been happier in receiving the award for the best volunteer in ECA.

"The sword of revolution is sharpened on the whetting-stones of ideas."

Shaheed Bhagat Singh

Students Achievers





Ke" Inter College Solo Singing competition held at Vivekananda College University of Delhi

Rupesh (From Dastoor, RLAC) secured Rupesh secured 2nd position in "AZADI KA AMRIT 3rd position in "Aaya Sawan Jhoom MAHOTSAV" Inter College Patriotic Song Solo Singing Competition held at Gargi College





Deepotsav was a solo classical dance competition organized by Samvardhan Trust at CCRT Auditorium, Dwarka in which Sveta Raman {B.A(H) English 3rd year}the member of Annantadrishti Dance society of Ram Lal Anand College participated and bagged the second prize.

Nikita Pathania (B.Sc.(H) Computer Science, 2nd Year) solely participated in many painting, poster making, caricature making, etc. competitions this year and has secured positions in them.







Hasratein's Street play BANDISHEIN Cancel Culture in Indian Cinema won the best Theme Award at the street play competition BADLAV organised by Pratigya Dramatics society of Rukmini Devi Institute of Advance Studies (RDIAS).

Physical Education



Kho Kho (M) team of RLA secured 3rd Position in Inter College Competition held at Satyawati College (2022-23)



Ist Position Athellema 2023 (Football), Asian Education Group



Shravan, B.A. (Prog.), 2nd Year, 3rd place Inter-University, North Zone, Kho-Kho Tournament



Stuti Grover, B.A. (Pol. Sc.) secured 3rd position in Judo (F) in All India Inter University



Satish, B.A. (Pol. Sc.), 3rd Place, Inter-University North Zone, Kho-Kho Tournament

Faculty Development Programme

We too were there: Recapitulating the Role of Women in India's Freedom Struggle

The Inaugural session of FDP-85 started on 8th July 2022, on a digital platform. It started with Saraswati Vandana followed by opening remarks by Dr Prerna Malhotra, Convenor who introduced everyone to the theme. The Convenor welcomed Chief Guest, Professor Annapurna Nautiyal, Vice Chancellor, Hemwati Nandan Bahuguna University, Srinagar, Garhwal and Guest of Honour, Professor Kapil Kumar, Eminent Historian, in the inaugural programme. Professor Rakesh Kumar Gupta, Principal Ram Lal Anand College, joined the programme and thanked Professor Rama for cooperation and support in organizing this FDP. Professor Kapil Kumar discussed the role of Indian women and stressed that Britishers undermined their roles and destroyed the culture and society to gain supremacy. He narrated the contribution of women not only in Freedom struggle but also in the development of mankind on this globe. He told that how the contribution of these women is knowingly marginalized so that these names cannot be could not get apt place in our own mainstream history books. He termed this exclusion as a part of the "fashionable trend" started by colonial historians.

In session 1, Prof Kapil particularly focused on the Rani Jhansi Regiment: popularly known the army of women. He mentions the stories of several women who joined the Rani Jhansi Regiment and what challenges they had to endure in that process. He stressed on the need for a comprehensive and in-depth study of women soldiers, their emotions and experiences in RJR.Mr. Sitaram Bansal was the resource person for session 2 (9th July). Mr. Bansal unveiled so many hidden stories of women revolutionaries from Rajasthan, Punjab and Bihar and how they formed the Gadar party. During the session three videos were shown on women fighters Rampyari Gurjar from Saharanpur, Rani Durgavati, Jijabai, Rani Laxmibai, Avantibai, Sarojini Naidu, Durgabai Deshmukh, Jankidevi Bajaj and the biography of Gokul Singh Jat. The resource person for session 3 was Dr. Krishna Shukla. His session was on the conspicuous absence of the tales of bravery of women revolutionaries in the freedom struggle and nation-building in India's mainstream history. Special focus was made on the story of a revolutionary woman, named Durgawati Devi, popularly known as Durga Bhabhi.Prof. Kapil Kumar spoke in session 4, examined the experiences of women during partition and emphasized the importance of strengthening the nationalist narrative as an antidote to narratives of Ghazwa-e-Hind, terrorism, and a perverted psyche of dishonour. The speaker emphasized that while traumatic memories of partition are difficult to reminiscence, these narratives have to be taken into account so that this history will not be repeated in contemporary times. The talk concluded with an emphasis on the importance of nationalism, the role of teachers, school education, and the involvement of parents in a child's life to wipe away the barbaric mentality that has been sown due to a history of invasions; it was emphasized that the gentle, holistic approach of the Hindu worldview must preferably be inculcated in the child's psyche. In session 5, Adhya Saxena talked about the struggle of women for independence which is often neglected, independence for self and sometimes for their progeny or people nurtured by them. She talked about Yashoda and Devki, how they struggled for their own independence and independence for their children as well. Through their work they became source of motivation for others, however their contribution was often neglected by Historians. Historically women were marginalized in the annals of history for much of Ancient and Medieval History. However, things changed after 1857, when they began to assert their rights for equality or coding or decoding of the laws. She talked about Usha Mehta, a freedom fighter. She was a famous leader in the Gujarat region and became a source of inspiration for



many women like her. She emphasized the need to make our past known to current and future generation by using oral history technique. Prafulla Ketkar was the speaker for the session 6. Shri Ketkar started by stating that there is a huge debate about what constitutes the Indian freedom struggle. Freedom is not merely a political order (Swaraj) but rather its framework needs to be broadened to include its Religio-Cultural (Swadharm), Linguistic (Swabhasha), Educational (Swashiksha), and Swadeshi aspects. The distinguished speaker majorly illustrated on this framework that paves the way towards a better understanding of the Indian freedom struggle. He said that there is a misapprehension that the Indian freedom struggle started in 1857, rather it started in 1498, when Vasco da Gama arrived in India. Ketkar ji pointed out the difference between European identity which is based on a single language and religion and Indian identity which is multi-lingual and multi-religious. Indians never fought amongst themselves before independence on linguistic lines. Language conflicts are a result of seeds sown by the colonisers. Saquib Salim in session 7 highlighted the role of Muslim women in the freedom movement and spoke eloquently on women leaders like Begum Hazrat Mahal, Aaghari Begum, Jahanara Shahnawaz, Amjadi Begum and many more. Prof. Gaur highlighted the transformation in the status of women from the ancient period, through the medieval to the modern era and their contribution towards the society in session 8. He discussed the unsung heroines of Indian national movement, emphasising Rani Chennamma of Karnataka, Rani Velu Nachiyar, who motivated people and raised an army to



fight against the East India Company and Rani Abbakka Chowta who fought against the Portuguese. Durga Bhabi, Indian revolutionary and freedom fighter was also mentioned. In the next session 9, Sarajana Sharma discussed the contributions of women from the time of India's freedom struggle to present days. She also highlighted the role of reformers like Raja Ram Mohan Roy, Dayanand Saraswati, Ram Krishna Paramhansa, Vivekananda, Aurobindo Ghosh etc. in purging Indian history and culture and highlighted the role of Laxmi Kelkar who founded the 'Rashtra Sevika Samiti' in 1936. This organization is working indefatigably for the amelioration of the women. She also highlighted the welfare programs of present Indian government. In session 10, Sh. Arun Anand emphasised the need to analyse the position the women during partitions of India and their plight. He said that women, in particular, dealt with brutal violence during this phase.

The valedictory session of One-Week Online Faculty Development Programme on "WE TOO WERE THERE: Recapitulating the Role of Women in India's Freedom Struggle" was held on 14th July, 2022 and began with feedback shared by few of the participants from various colleges. The first speaker Prof. K. G. Suresh, Vice Chancellor, Makhanlal, Chaturvedi Rashriya Patrakarita Evam Sanchar Vishwavidhyalaya, Bhopal talked about the suppressed facts of history, especially women fighters who played a critical role in the freedom struggle. He mentioned the contribution of prominent luminous women like Bikaji Kama, Jijabai, Sister Nibedita, Annie Besant from the Theosophical Society, and Rani Kamlapati. Dr. Sanjay Dwivedi, Director General of Indian Institute of Mass Communication, New Delhi, appreciated Dr. Prerna Malhotra's attempt to organise such a landmark FDP on the saga of unnamed freedom struggle heroines who forgot all casts and colours and categories and played the role of an army. He suggested the academicians to research on these hidden women warriors. Finally, the convenor, Prof. Prerna Malhotra thanked all and said that in future, a separate platform should be made to discuss and work in detail on these unnamed freedom fighters.



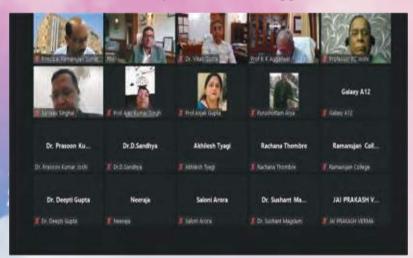
"WE TOO WERE THERE: Recapitulating the Role of Women in India's Freedom Struggle"

NEP 2020: New Trends in Higher Education

The inaugural session of FDP- 'NEP 2020: New Trends in Higher Education' was held on 29th August, 2022 at 10:30am with introduction to the programme by Dr. Deepti Gupta, Programme Co-ordinator. She introduced everyone to the thematics of the FDP on New Education Policy. The Coordinator welcomed the Chief Guest, Prof. C. B. Sharma, Director, School of Education, (IGNOU), Prof S.P. Aggarwal, Principal and Director, Teaching Learning Centre, Ramanujan College, Prof. Rakesh Kumar Gupta, Principal, Ram Lal Anand College. Prof S.P Aggarwal gave a brief introduction of Teaching Learning Centre of Ramanujan College which they are running under the scheme of Ministry of Education to organise



FDPs, Faculty orientation and Induction Programmes, discipline specific and interdisciplinary refresher courses, conferences and workshops through offline and online mode. Prof. Rakesh Kumar Gupta, Principal, Ram Lal Anand College, joined the programme and thanked Prof C. B. Sharma who kindly agreed to spare some time from his busy schedule to give an insight on the New Education Policy and Prof S.P Aggarwal for his cooperation and support in organising this



one week FDP from 29th August, 2022 to 4thSeptember, 2022. The Keynote address was given by Chief Guest, Prof. C. B. Sharma, Director, School of Education, (IGNOU). He told that the recently introduced National Education Policy (NEP) 2020 has come to the rescue to serve as a comprehensive foundation that aids the evolution of the Indian education. The amendments in NEP from the previous education policy strive for Research, Innovation, and Quality. NEP promotes moving away from the

conventional content-heavy and rote

learning practice towards holistic learning. It instills a creative and multidisciplinary curriculum that focuses equally on other subjects such as humanities, sports, fitness, languages, culture, arts, etc. apart from Science and Mathematics. The session was concluded with a vote of Thanks byDeputy Director, TLC, Ramanujan College. The FDP was a huge success with 255 registrations from faculty members from all over India and positive feedback from all the participants.

Soft Skill Cum Placement Drive

Pathway – The Career Counselling and Placement Cell of Ram Lal Anand College organized a 'Soft Skill Training Workshop cum Placement Drive' in college campus for 3 days i.e. 7th-9th September, 2022.

The event was announced by launching a poster containing all the details about the event.

The whole event was divided into two sections .

Section 1: This section comprised the first two days of the event i.e 7th and 8th September 2022, wherein students were offered Soft skill Training Workshop lectured by Vidhi Vats who is a profound soft skill trainer at British Council.

120+ students attended the session which not only helped them polish their soft skills but also aided them draft and present a better CV for their interviews.



Section 2: This section of the event took place on 9th September,2022. During this, screening of candidates for different companies like Paytm, Accenture, AXIS Bank etc took place.

A proper interview session of the candidates was conducted.

DAY1

The first day focused on developing and honing the emotional intelligence quotient of our students. The full-length session took place in the college seminar room. The session was administered by Miss Vidhi Vats, as mentioned above.

The agenda of the event was to ignite the professional minds of the students and not only inform them about the technicalities of the corporate world but also give them an understanding of the importance of understanding the professional structure as a whole.

Out of the total 120 plus registrations, which came from almost every course the college offers, the majority of participants were witnessed.

Some of the various key takeaways and significant notions include the comprehensive and all-inclusive explanation of the dressing sense of professionals working in the corporate world. Our respected guest also focused on the SWOT analysis motive, moreover, she extensively displayed intents of motivation which helped students to know themselves better and reflect upon themselves as a whole, in reference to that, another key takeaway from her presentation was the stupendous take on Confidence building among the students.

She used thorough and elaborate diagrammatic representations in her presentation to make the students understand the concepts in a superior way.

The event had not only in-between interactions with the students but, a separate

question-answer round wherein students cleared their doubts, was also held.

Hence, the participants gave a thumbs up to the event and found it to be insightful, informative and interesting as a whole.

DAY2

The second day focused on detailed and varied explanations of a range of corporate-related topics. These included various

domains which were made better understood as they were explained in brief layman terms.

Such as, a detailed analysis was done on the question 'How to choose a career for yourself based on your skills?'

Extensive information was reflected upon the process of Resume and CV building, and emphasis on the usage of optimised and perfectly suited words was made.

Furthermore, Miss Vats also guided students on the technicalities of a LinkedIn profile as it is a very vital part of today's world. She also offered guidance on how to search for the correct job profile.

Hence, the events of these two days, altogether, proved to be extremely fruitful, rewarding and advantageous for our students.

Overall, the event/ session was aimed to strengthen the roots of professionalism and incorporate healthy habits of discipline and



tolerance in regard to the corporate world.

DAY3

The final day (9th September) of the workshop comprised the principal and dominant domain of it all, i.e. the placement drive.

To be precise, In total 6 Banks and 3 companies made an appearance at the workshop to provide our students with job opportunities.

Interviews were conducted in a structuralized and catalogued manner, both offline and online.

The students were able to discharge adequately in the final round of interviews as thorough preparation was accustomed to them in the past two days of the workshop, which subsidized them to gain an edge over their peers.

Companies included Paytm, Accenture, AXIS Bank etc took place.

द्धि-दिवसीय प्रशासनिक हिंदी कार्यशाला

हिंदी विभाग, हिंदी साहित्य परिषद् व आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC) के सम्मिलित प्रयास से 23 व 24 जून 2022 को प्रशासनिक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न महाविद्यालयों के प्रशासनिक अधिकारी व कर्मचारियों ने भाग लिया। उद्घाटन समारोह में प्राचार्य प्रो. राकेश कुमार गुप्ता ने मुख्य अतिथि डॉ. विकास गुप्ता, कुलसचिव दिल्ली विश्वविद्यालय का स्वागत किया। विषय विशेषज्ञ के रूप में मौजूद केन्द्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान के पूर्व उपनिदेशक करण सिंह ने 'राजभाषा नीति, नियम, अधिनियम' पर व्याख्यान दिया। तत्पश्चात प्रश्नोत्तरी का सत्र रखा गया, अगला सत्र 'मानक देवनागरी लिपि एवं नियम, व्याकरणिक भूलों का निराकरण' विषय पर था, विषय विशेषज्ञ केन्द्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान की प्रवक्ता वीन् खन्ना ने विस्तार से बताकर कर्मचारियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। दूसरे दिन का पहला सत्र टिप्पणी लेखन और मसौदा लेखन का था, जिसमें केन्द्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान की पूर्व सहायक निदेशक समीर त्रिखा ने उनके लेखन की जानकारी दी। उस लेखन को कैसे बेहतर बनाया जा सकता है, यह तरीका भी उन्होंने बताया। कार्यशाला का चौथा और अंतिम सत्र सूचना प्रौद्दोगिकी एवं तकनीकी अभ्यास पर रखा गया था। सत्र के विशेषज्ञ केन्द्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान के प्रवक्ता विक्रम सिंह थे। उन्होंने तय विषय पर विस्तार से बात रखी। साथ ही उन्होंने बताया कि किस तरह हम अपने को इस विधा में पारंगत कर सकते हैं। कार्यशाला समन्वयक प्रो. अर्चना गौड़ ने अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन करते हुए सहभागिता करने वाले कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया। आयोजन में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की संयोजिका प्रो. प्रेरणा दीवान, हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. संजय कुमार शर्मा सहित परिषद के पदाधिकारियों की अहम भूमिका रही।





राष्ट्रीय व्यवहार में हिन्दी को काम में लाना देश की उन्नति के लिए आवश्यक है।

– महात्मा गांधी

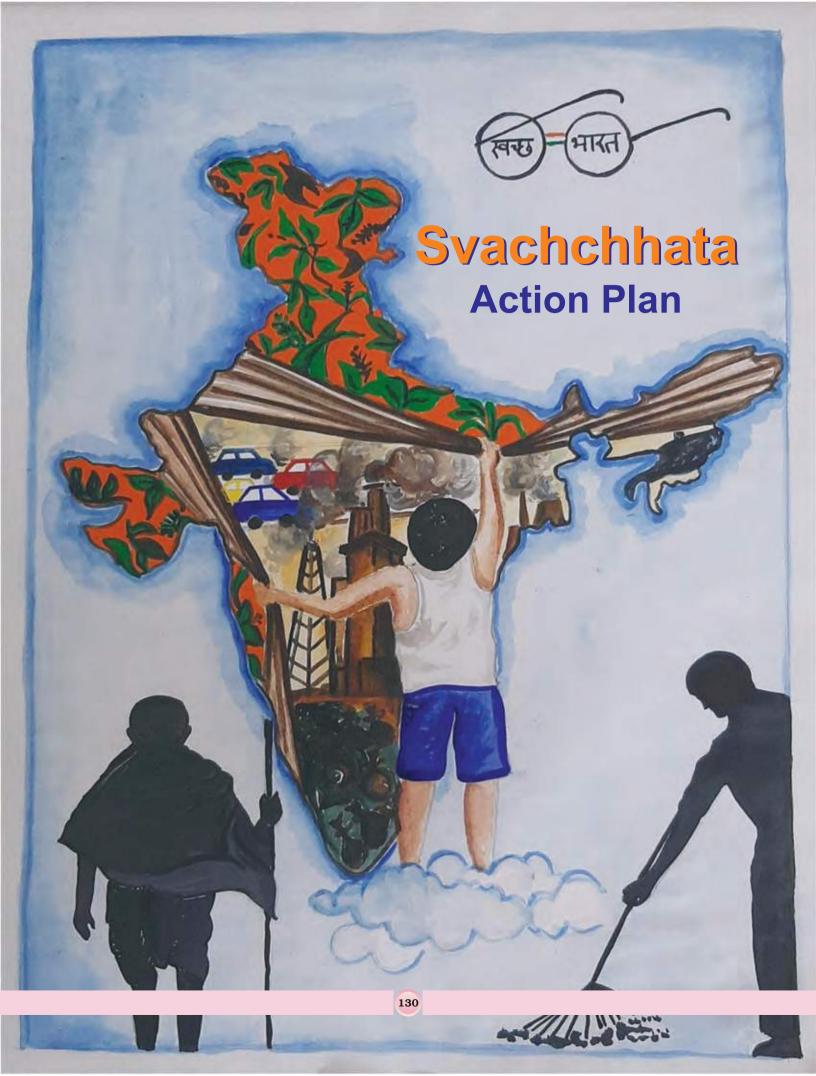












e-Waste Management

Today's most rapidly growing problem is managing electronic waste. The technology is growing faster and as increase in population increases their demand for new and best electronic product. The consumption of these electronic product brings problems to the environment. The electronic waste, called "e-waste" or "Waste of Electronic and Electrical Equipment (WEEE)", consists of various component. E-waste consists of hazardous and non-hazardous component such as palladium, gold, silver, platinum (non-hazardous) and lead, mercury, cadmium (hazardous). So, an effective waste management can decrease operation cost, need for transport and disposal, and contamination.

E-waste contains many hazardous metallic contaminants such as lead, cadmium, and beryllium and brominated flame-retardants. E-waste comprises 60% of metallic waste (iron, copper, aluminium, gold, and other metals), 30% plastics and 2.7% hazardous components. Lead is the most widely used metal in electronic devices. Lead enters in our digestive system through contaminated water and food, and causes food poisoning it also damages nervous system. Cadmium is irreversible toxic that accumulate in kidney and liver and causes neural damage. Nickel, which widely used in rechargeable batteries, causes asthma. The disposal of e-waste is mainly done by landfilling and incineration. Landfill leachate transport toxic compounds into ground water and incinerator release toxic gases into air and various diseases. The workers involve in dismantling of e-waste, expose themselves and risk lives.

Central Pollution Control Board (CPCB) finalised some set of rules and guidelines for careful handling and disposal of e-waste. The manufacturer of electronic equipment will be personally responsible for disposal of product when it become e-waste. There are several ways to minimise e-waste:

- Re-evaluate
- Extend the life of electronics
- Buy environmentally friendly electronics
- Donate used electronics to social programs
- Reuse large electronics
- Recycle electronics and batteries in e-waste recycling bins located around campus

Scientists have started to find out solution using microorganisms which are capable of degrading e-wastes. Microorganisms adapt themselves to degrade waste which are harmful for environment. Gluconic acid, produced by Aspergillus niger, is main chelating agent which dissolve 100% of Li, 94% of Cu, 72% of Mn, 62% of Al, 45% of Ni, and 38% of Co. The optimal condition for bioleaching of Cu, Mn and Zn from powdered spent batteries by using mixed culture (Acidithiobacillus thiooxidans and Leptospirillum ferriphilum) has been reported.

Ashutosh Singh 2nd year (3rd Sem) B.Sc. (H) Microbiology

The Voice of Campus

Daily enthusiast minds taking their aim to rise
Put their steps forward through the entrance
Beneath the maced ancient verse of wise
Towards the red premise

The environment where the ideas born
The frilling green belt and scenic front lawn
Dust free classrooms to shiny floors of corridors
Generating many careers behind the doors

Yes, during the fall leaves covers floor

During the rain water levels the floor

Wind sprinkles the dust

Summer with scorching heat and winter greets with film of mist

Thanks to hands of blue-collars
Hands with mop and broom
Gardener's shears to plumber's wrench
Dewy tip of leaves to anchored pillars

Tall shady tree of decades old
Providing lung relieving air
A mess free mess maintaining quality bold
So hygienic and so sort that impossible to culture mold

The more I write, the less it feels
How that healthy atmosphere heals
Green enough for natures therapy
Water cures like highland springs
Yet waiting for many to bloom,
under the campus angelic and jingling canopy.

-Devansh Kumar

Clean Energy and Conservation

Energy is the requirement of our daily lives hence its production and usage matters. Nowadays most energy is created through combustion of coal and fossil fuels which creates a lot of heat and causes pollution. Therefore we need a shift towards clean energy which constitutes negligible or no pollution such as solar,hydro, wind, geothermal, tidal etc energies. Their plant installation is expensive but that's only one time investment with higher long term returns and proves to be pocket friendly. Clean energy is not only economically efficient but also causes no health damage to residents nearby the site of production. Fossil fuels are limited but renewable resources are endless and still a lot of potential is left to acquire in the production of clean energy.

Do you know according to a study only one percent of sunlight that falls on earth gets utilized by plants only utilized by our solar panels is next to nothing. As you know more demand requires that much supply that's how the market works. This leads to more combustion of fossil fuels which directly hits nature and has consequences. Thus we need to conserve energy too by reducing the overuse of appliances, off the vehicle's engine during red light or in jam and many more ways you read during junior kindergarten. This not only refuses your bills but also makes a step towards environment protection.

By generating and consuming clean energy and energy conservation we can bless our future generations. It may not get mentioned in your will but believe me upcoming generations will be highly obliged to you.

Written by Devansh Kumar 2nd year, Microbiology (Honors) Roll number- 4553

Clean energy and Conservation of energy

Energy plays a significant role in our daily activities, so we must be aware of the impending energy crisis the world will face in the upcoming years if we do not adopt energy conservation measures. There will be few sources of energy left for our future generation, or there won't be any at all.

Therefore, "Energy Conservation" should be wisely practiced and should become a part of everyone's lives. The phrase itself is self-explanatory: we must conserve energy in order to survive on the planet, and we owe it to future generations to provide them with enough energy.

Everyone finds it difficult to conserve energy, but we must still develop the habit of doing so. Small steps toward energy conservation can add up to significant savings. For example, we frequently forget to turn off the fan when we leave the sitting area, which wastes a lot of electricity (another type of energy), or we leave the engine running while waiting at a stop sign, both of which waste energy and contribute to pollution. We are reducing pollution by using less energy.

And now is the time to be mindful of the energy-producing sources we are using, as we will soon run out of non-renewable energy sources like coal and oil refineries. Consequently, we are switching to renewable energy sources. Today, renewable energy sources are used to produce a large portion of the energy consumed. However, the majority of renewable energy sources pollute. Thus, "clean energy" sources are required because they produce energy without causing any kind of pollution. Hence, using clean energy sources like wind, hydroelectric, and geothermal energy has many benefits. They are safe to use, environmentally friendly, can be used indefinitely, encourage energy independence, and support local economies by creating jobs.

Swati mishra Bsc hons microbiology 2nd year

Shuchita

Shuchita, The Cleanliness, and Hygiene Society of Ram Lal Anand College, is a society that aims to maintain cleanliness and hygiene in the college premises and spread awareness about it. The society was formed on 6th September 2022. From the first meeting itself the society discussed the scope, nature and quality of work, expected by the principal.

The society has worked actively throughout the session to maintain cleanliness. They made sure there was no stagnant water in the campus, observed what was required to make washrooms more hygienic and made a WhatsApp group to coordinate with the college janitor staff.

Moreover, all the members of Shuchita have a badge, which gives them the authority to take necessary steps to maintain a clean campus. They visit canteen kitchen regularly to see if there is any violation of hygiene protocols there.

They have also put banners and posters all over the campus to spread awareness and show their presence.

Shuchita has conducted three events, which are:

1. Logo Making Competition:

The logo Making Competition was conducted online on 29th September 2022. The participants were asked to either submit the logo in digital form or handmade. The main aim of conducting this event was to spread awareness about the ways one can keep their surrounding neat and clean. The winner of the competition was awarded a cash prize worth Rupees 1000. The logo made by the winner was decided as the logo of the society.

2. Awareness Drill:

The Drill was conducted on 12th October 2022. The society members prepared slogans and recited them throughout the campus. They visited each classroom to spread awareness about cleanliness and hygiene. The society introduced a fine of 50 rupees for those who will



be caught littering the campus. 15 members joined the event adding to its success.

3. **Poster-Making Competition:**

The poster-making competition was held on 15th February 2023. The theme was "Clean India, Green India". The aim of the competition was to encourage participants to show what they perceive when they think about clean and green India. The participants were given two and a half hours to create their posters. The first prize was 1000 rupees cash and the second was 700 rupees cash. All the posters were very beautiful.

तकनीकी वृद्धि या भारत के लिए प्रदूषण की नई चुनौती?

डिजिटलाइजेशन के इस दौर में हम बहुत तेजी से आगे बढ़ रहे हैं, और जितनी तेजी से आगे बढ़ रहे हैं उतनी ही तेजी से व्यस्तता और तकनीकी वृद्धि बढ़ती जा रही है, जो कि रोजाना के कार्यों को आसान बनाने में बहुत बड़ा योगदान दे रही है, इसी तीव्र गित से ही तकनीकी प्रगति, नए इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के कारण इलेक्ट्रॉनिक उपकरण शीघ्रता से नए मॉडल के साथ प्रतिस्थापित होते जा रहे हैं जिसके कारण अपशिष्ट उत्पादनों में वृद्धि हुई है। 'ट्राई' की एक रिपोर्ट के अनुसार देश में लगभग 90 करोड़ लोग मोबाइल का इस्तेमाल करते हैं। चाहे बात हेडफोंस की हो, स्मार्ट वॉच की, या फिर इलेक्ट्रॉनिक चूल्हे की हर वर्ग का व्यक्ति अपनी सुविधा और जरूरतों के अनुसार इन उपकरणों का प्रयोग करता है। 2021 में किए गए अध्ययन के अनुसार भारत में कुल 71.17 बिलियन लोग इन उपकरणों का प्रयोग करते हैं और यह संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। कोरोना काल की बात करें तो लगभग पूरी दुनिया ही इन इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के भरोसे हो गई थी। जितना इन माध्यमों का चाव बढ़ता जा रहा है उतने ही यह गैजेट जहर बनकर हमारे वातावरण में वापस आ रहे हैं, जो केवल पर्यावरण के लिए नहीं बिल्क पशु— पक्षियों और हमारे स्वास्थ्य के लिए भी खतरा बनते जा रहे हैं।

ई — वेस्ट को तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है। पहला व्हाइट गुड्स, दूसरा ब्राउन गुड्स, और तीसरा ग्रे गुड्स हैं। वाइट गुड्स में घरेलू सामग्रियां शामिल होती है जैसे कि वॉशिंग मशीन एयर कंडीशनर आदि, ब्राउन गुड्स के अंतर्गत कैमरा, टीवी आदि शामिल है और ग्रे गुड्स में कंप्यूटर, प्रिंटर, मोबाइल फोन आते हैं। इनसे स्वास्थ्य और प्रदूषण संबंधित चुनौतियां तो जुड़ी ही है, लेकिन साथ ही चिंता का एक बड़ा कारण यह है कि अब इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों ने घरेलू उद्योग का स्वरूप ले लिया है और घरों में बड़े पैमाने पर उपयोग होने लगा है। घरेलू ई—कचरे जैसे अनुपयोगी टीवी और रेफ्रिजरेटर में लगभग 11000 विषैले पदार्थ होते हैं जो मिट्टी और पानी को प्रदूषित करते हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, नई दिल्ली द्वारा किये गये एक सर्वेक्षण के अनुसार वर्ष 2005 में भारत में जनित ई—वेस्ट की कुल मात्रा 1.47 लाख मी. टन थी, जो कि वर्ष 2012 में बढ़कर लगभग 8 लाख मी. टन हो गई है। जिससे विदित है कि भारत में जनित ई—वेस्ट की मात्रा विगत 6 वर्षों में लगभग 5 गुनी हो गई है तथा इसमें निरंतर वृद्धि हो रही है। ई—कचरा प्रबंधन पर ऐसोचैम — ईवाई की रिपोर्ट के अनुसार अनुमान है कि भारत ने वर्ष 2021 में 5 मिलियन टन का कचरा उत्पन्न करने वाला देश बन चुका है।

लगभग 70% ई—कचरा केवल कंप्यूटर उपकरणों से पैदा होता है, जबिक 12% दूरसंचार क्षेत्र से, 8% चिकित्सा उपकरणों से और 7% बिजली के उपकरणों से पैदा होता है। सरकार सार्वजिनक क्षेत्र की कंपिनयां, निजी क्षेत्र की कंपिनयां 75% इलेक्ट्रॉनिक कचरा उत्पन्न करती हैं। केवल 16% ई—कचरा व्यक्तिगत घरों से निकलता है। वहीं अगर बात शहर की करे तो मुंबई इस मामले में सबसे आगे है इसे ध्यान में रखते हुए क्लीन इंडिया ग्रीन इंडिया की सोच के साथ मुंबई बीएमसी ने रिसाइकल करने का खोजा है जिसके लिए पीपीपी यानि पिब्लिक प्राइवेट पार्टनरिशप की शुरुआत की गई है, उसके बाद दिल्ली और बेंगलुरु जो ई—कचरा उत्पन्न करते हैं। आज भारत में 100000 टन रेफ्रिजरेटर का कचरा, पौने तीन लाख टन टीवी का कचरा,

56000 टन से ज्यादा कंप्यूटरों का कचरा, 4700 टन प्रिंटर का कचरा और 1700 टन मोबाइल का कचरा उत्पन्न होता हैं। ई—कचरा में कई जहरीले और खतरनाक रसायन तथा अन्य पदार्थ जैसे शीशा, पारा, कैडिमियम आदि शामिल होते हैं, जो उचित शमन प्रणाली के अभाव में पर्यावरण के लिए काफी खतरा पैदा करते हैं।

एसोचेम की रिपोर्ट के अनुसार दुखद तो यह है कि भारत अपने ई—कचरे के केवल 5% का पुनर्चक्रण (रिसायकल) कर पाता है, जबिक कचरे का 95 फीसद हिस्सा असंगठित क्षेत्र और बाजार में कबाड़ियों के हाथ में चला जाता है जो इससे गलाने के बजाय तोड़ कर फेंक दिया जाता है। भारत में 95% ई—कचरे का गैर—औपचारिक क्षेत्र में पुनर्चक्रण किया जा रहा है और ई—कचरे की मात्रा का 5% औपचारिक इकाई में संभाला जाता है। गैर—औपचारिक इकाइयाँ आमतौर पर कूड़ा बीनने वालों से ई—कचरे का संग्रह, उनके उपयोग योग्य भागों, घटकों, मॉड्यूल के लिये उत्पादों को अलग करने जैसे चरणों का पालन करती हैं, जिनका पुनर्विक्रय मूल्य होता है। संयुक्त राष्ट्र विश्वविद्यालय की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2020 और वर्ष 2020 की अवधि में वैश्विक ई—कचरे में तकरीबन 38% की बढ़ोतरी होगी।

अब जरूरत है इस पर रोक लगाने की जिसके लिए भारत अब मोबाइल फोन ब्रांड और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में दो चार्जर्स में बदलाव की योजना बना रहा है जो बदले में ई—कचरे के मुद्दे से निपटने में मदद करेगा। इसके अलावा यूरोपीय कानून कथित तौर पर नए फोन और इसी तरह के उपकरणों के साथ चार्जर प्रदान करने की आवश्यकता को समाप्त कर देगा क्योंकि उपयोगकर्त्ताओं के पास पहले से ही आवश्यक सामान होगा। कचरे के प्रबंधन के लिए कानून 2011 से भारत में लागू है यह अनिवार्य करते हुए कि केवल अधिकृत विध्नकर्ता और पुनर्चक्रणकर्ता ही कचरा एकत्र कर सकते हैं। ई—कचरा प्रबंधन नियम 2016 एवं 2017 में अधिनियम किया गया जिसमें घरेलू और व्यावसायिक इकाइयों से कचरे को अलग करने, प्रसंस्करण और निपटाने के लिए भारत का पहला ई—कचरा क्लिनिक भोपाल मध्य प्रदेश में स्थापित किया गया।

e-parisara pvt. Ltd. भारत का पहला सरकारी अधिकृत ई—कचरा पुनर्चक्रणकर्ता है जिसने सितंबर 2005 में अपना संचालन शुरू किया था। जो इन ई—कचरो के प्रबंधन, पुनर्चक्रण ओर पुनः उपयोग का ध्यान पर्यावरण के अनुकूल तरीकों से रखता है। इसका सही उद्देश्य ई—कचरो का सही तरीके से निपटान और पुनर्चक्रण करना है। साथ ही साथ अब धीरे—धीरे शैक्षणिक संस्थाओं में भी ई—कचरे को लेकर अभियान चलाए जा रहे हैं जिसमें स्कूल व कॉलेज के विद्यार्थी बढ़—चढ़कर भाग ले रहे हैं और ई—वेस्ट को एकत्र करने में अपना योगदान दे रहे हैं इसके अलावा कई कंपनियां भी है जिन्होंने ई—कचरे को इकट्ठा करना शुरू कर दिया है। इसके अलावा कंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 के अधीन अपशिष्ट प्रबंधन को अनुसूचित किया है यह नए नियम 1 अप्रैल 2023 से लागू होंगे ई—अपशिष्ट प्रबंधन नियम के तहत केंद्र सरकार ने अपशिष्ट श्रीणयों में आने वाली वस्तु की संख्या 21 से बढ़ाकर 106 कर दी गई है। ई—कचरा प्रबंधन नियम 2022 को पर्यावरण वन और जलवायू परिवर्तन मंत्रालय द्वारा 2 नवंबर 2022 को प्रकाशित किया गया था।

2018 से हर साल 14 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय ई—कचरा दिवस मनाया जाता है | इसका उद्देश्य दुनिया भर के ई—कचरे के सही निपटान को बढ़ावा देना है |

श्रृंगारिका (बीजेएमसी द्वितीय वर्ष)

Green Campus, Clean Campus

We think that a clean, green, and pollutionfree atmosphere is the ideal setting for a successful educational experience. In response to this, our college has made every effort to create a green ecosystem that will improve the students' minds, hearts, and souls. By establishing sustainable solutions to the environmental, social, and economic requirements of humanity, the green campus concept gives an institution the chance to take the lead in reinventing its environmental culture and generating new paradigms.

To foster a sense of unity among everyone on campus, large trees with emerald green leaves and lovely blooms are placed along all of the avenues and routes in the college campus.



Also, we want to encourage the connect to nature, hence planting of saplings to add to the campus's natural beauty, gifting of planter to guest and competitions like pot decoration, nature inspired photography are conducted. For the complete development of the young minds, we have endeavoured to create oxygen stations on campus by working to grow trees that breathe out oxygen. One of the main causes of global warming and the depletion of non-renewable resources is the use of fossil fuels to produce power. There is widespread agreement that we should endeavour to develop green sources of electricity, one of which being solar energy. Our campus is fortunate to have sunshine for the most of the year because it is located in Delhi. In order to meet the campus's energy needs, we have constructed indoor solar power systems.

The campus structures have been made appropriate for rainwater collecting as a further step towards the preservation of the water table. We are confident that the rainwater gathering technique we used will serve as a model for the country's future universities. In addition, there are societies at our college like the CLEAN ENERGY AND CONSERVATION COMMITTEE, VASUDHA, HIRAV, SATVA, and NSS that engage in initiatives like cleanliness drives and awareness campaigns like nuked natak, poster-making contests, debates, and declamation competitions that educate students about the environment and encourage them to work towards a clean and green campus. To dispose of waste responsibly and maintain a green campus, we have distinct trash cans that clearly distinguish between biodegradable and non-biodegradable materials.

Deepansha Raina B.Sc (H) Microbiology 2nd Year

Covid-19 Aftermath

Solid waste management has become a pressing issue during the Covid- 19 pandemic. The amount of waste generated due to increased use of personal protective equipment (PPE), medical waste, and household waste has increased significantly. This issue needs to be addressed and government, scientists are finding various ways to deal with it.

Challenges of Solid Waste Management during Covid-19

- Increased Medical Waste: The generation of medical waste, including used PPE, contaminated gloves, and syringes, has increased drastically due to the pandemic. Medical waste requires specialized treatment (ie autoclaving) and disposal methods to prevent contamination and transmission of infectious diseases.
- Limited Access to Recycling Facilities: The closure of recycling facilities due to the pandemic has resulted in a limited option for waste disposal. This has led to an increase in the amount of waste being sent to landfills, resulting in a negative impact on the environment.
- Increased Household Waste: The lockdowns and restrictions on movement have led to an increase in household waste, including food waste, packaging, and non-recyclable waste. This has resulted in an increase in the amount of waste that needs to be collected and disposed of.

Solutions to Solid Waste Management during Covid-19

Efficient Collection and Disposal of Medical Waste is essential to ensure that medical waste is collected and disposed of correctly. The waste should be segregated and collected in separate bags to prevent contamination. The waste should then be treated and disposed of according to the guidelines provided by the local health department. Recycling can help reduce the amount of waste that ends up in landfills. Recycling facilities should be made available to the public, and awareness campaigns should be carried out to encourage people to recycle. Composting of organic waste, such as food waste, can help reduce the amount of waste that ends up in landfills. The compost can be used as a natural fertilizer for plants and gardens.

Conclusion

Solid waste management during Covid-19 is a challenging task that requires a multi-faceted approach. The efficient collection and disposal of medical waste, promotion of recycling, and composting of organic waste are some of the solutions that can be adopted to mitigate the problem. It is crucial to raise awareness among the public about the importance of proper waste management during the pandemic. By working together, we can ensure that our environment remains clean and healthy even during these challenging times.

Ananya Bhardwaj B.S.c.(Hons) Microbiology, 2nd yr

Vasudha: The Eco Club







Vasudha - The Eco Club of Ram Lal Anand College, University of Delhi is a group of young ignited minds who wish to take the environmental revolution to the doorstep of each individual urging the community to think global and act local. Vasudha is dedicated to promoting environmental awareness and sustainability through various initiatives and events. Our commitment to creating a greener future is persistent and the varied events and activities showcases the efforts made by our team to create a positive impact on our campus and community.

On the occasion of World Environment Day Vasudha in association with the Department of Environmental Studies had organized a slogan writing competition. The competition was held online and the main purpose of the event was to celebrate environment day and create awareness about the deteriorating condition of the environment and earth and the theme of the competition was "Only One Earth". Renowned geologist Prof. N.C.Pant delivered a lecture on the topic Climate of the past from ice-core- lessons on anthropogenic carbon emission on this occasion. It was an impactful interaction and intriguing questions were raised by the students that addressed the hurdles in preserving nature and reducing the carbon footprint.



On the Occasion of "WORLD OZONE DAY" (16th September), Vasudha orchestrated an Online lecture on the theme Saga of Ozone layer Science and Policy delivered by Dr. Amit Kumar Mishra from the Department of Environmental Sciences, Jawahar Lal Nehru University who once again emphasized on sustainable development and the wider impact of Montreal Protocol. On the same day students participated in the poster making competition with great interest and enthusiasm and showed their creativity and imagination via posters. The first prize was awarded to Shreya

Sain ,second prize was bagged by Sashwat Yadav and third was given to Shivani Rai. To conclude the program, the Eco Club planted two saplings in the front lawn of the college and spread the message of planting more trees.

On the Occasion of "WORLD RIVER DAY" (26th September) an Open mic event was organized to celebrate the waterways of the world .Dr. Virendra Bahadur Singh gave his valuable time and oversaw and judged the program and motivated the students. The students highlighted the importance of rivers aiming to heighten the awareness and encourage people to preserve our important and beautiful rivers. The first position was won by Prateek Singh Yadav, Second by Aditya Verma, and third by Manasvi Bangarh. To conclude the program, the star member of the month was announced by the judges



which was given to Tamjeed Athar, the content writing head of the society.

An Open mic presentation was organized on the occasion of 'World Habitat Day' re-enforcing and promoting the idea that everyone deserves a decent place to live. The finalized themes on which presentations were made pondered over the Adaptability of African Cheetahs in the Indian Habitat, Importance of migratory birds in the era of climatic change and role of bio-diversity parks in urban environmental sustainability. Diksha Singh bagged the first prize followed by Rahul Kumar Thakur and the third prize went to Prateek Singh Yadav.



#Factual Friday

Factual Friday is another academic program taken into consideration by Vasudha. In this through various posts, we make people aware of the hidden facts regarding the environment and the efforts are made to sensitize the population

STAR MEMBER OF MONTH

We also have the tradition of praising the most hard-working member of our society. On the basis of their commitment and taking cognizance of their dedication we call them the star Member of the Month. The society felicitates the following members

October: Tamjeed Athar (BMS 2nd Year), November: Kashish Hans (History Hons. 3rd Year), December: Aayush Kumar (BMS 2nd Year) and January: Chandra Gupta Roy (History Hons. 3rd Year)

The webinars and events encouraged students to gain a changed perspective and fruitful insight on how human practices can affect the ecology and helped enlighten the students of their responsibility towards saving and taking care of nature.

Dr.Parul Lau Gaur Convenor (Eco-Club)

Clean Campus Drive

The Department of Computer Science organized a 'Clean Campus Drive' in essence of 'Swachhta Action Plan'. It is an initiative by the honorable Prime Minister – Mr. Narendra Modi. The TIC and teachers educated students about the event theme and the importance of cleanliness. The necessary arrangements such as gloves, disposal bags were provided by the Swachhta Action Committee. All the teachers, non-teaching staff and students of the Department of Computer Science started the drive from the college entrance lawn and collected the waste material in disposable bags. After that college ground and the entire campus was covered by the team. Everyone observed that the campus was relatively more clean as compared to previous year drives. The whole drive was quite inspiring and motivating for the faculty, staff and 87 participating students. The students realized that any work is best done when it is carried out by a person himself. It also made the students aware of the dignity of labor.



Poster Making Competition on Solutions for addressing E-Waste

BRIEF SUMMARY OF THE EVENT:

The Department of Computer Science organized a poster making competition on the topic "Solutions for addressing E-Waste" on 9th September 2022 in the Computer Laboratory Room No 43 from 11:00 am – 1:00 p.m. The event was organized by the Department of Computer Science in association with the E-Waste Management Committee of the college. The event objective was to spread awareness about environmental consciousness and e-waste management amongst the students and other staff of the college.

The problem, of course, is one we all recognize: technology. As technology becomes more advanced, the life span of our devices just keeps getting shorter. Far too many products simply get thrown out once a newer and more sophisticated version comes out, or once their batteries die, to be replaced with new devices. Manufacturers, it's known, intentionally build devices to eventually become obsolete. The fast-growing number of unwanted devices means the amount of e-waste being sent to landfills is skyrocketing — and with it comes an environmental ticking time bomb in the form of toxic chemicals inside those devices that can contaminate our soil, water, and air.

The good news is that there are efficient and successful ways to solve the growing environmental problems that e-waste poses. And one of the most proven solutions is through recycling.

Students were allowed to participate in a team of 2 or as individuals. They were allowed to create a poster on A3 size sheets or digital posters. All the participants came up with the outstanding poster with very relevant solutions to the problem. These posters were displayed in the college to spread awareness about the topic of concern. 28 students of different disciplines participated in the event out of which 18 were females and 10 were males.





Mathematics Department Cleanliness Drive

Cleanliness Drive Clean environment is an indicator of progress of human being and with the motto of clean environment, Government of India has initiated 'Swacchta Bharat Abhiyan'. The Department of Mathematics, Ram Lal Anand College, University of Delhi has taken this opportunity and initiated cleanliness drive in and outside the college campus on September 14, 2022 (Wednesday) under Swachhata Action Plan (SAP). All the stakeholders assembled at the Front lawn of the college and the drive was initiated at 2:00PM and continued for 45 minutes. All the students (77 in nos.) and the faculties (4 in nos.) actively took part in the drive with great enthusiasm. The entire volunteers were divided into four teams under the supervision of faculties and gloves, bin bags, hand brooms were provided to them. The entire campus was virtually separated into four parts. Canteen area, Central Lawn, Front Lawn, Parking area and outside gate (approach road) area. During the activity volunteers and faculties have cleaned the respective areas (Central Lawn, Canteen, Front Lawn and Parking Area) and chopped the unwanted bushes along the road side. They also removed the unwanted stickers from the wall and picked up all plastic garbage from the campus. Best thing was they segregated the Biodegradable and nonbiodegradable waste into separate big bin and handed over to the Sulabh people. The drive was concluded at the main stage around 2:55PM. The Volunteers and Faculties of the Department of Mathematics have also taken pledge to continue this work in future as well. The Department of Mathematics is thankful to the Swachhata Action Plan committee for providing gloves, bin bags, hand-brooms etc. for the activity.

Commerce Department Cleanliness Drive

The Commerce department organised a cleanliness drive in the college on 25th January,2023. In total 50 students and 6 faculty members participated in the drive which covered lawns, canteen area and various rooms of college.

History Department Cleanliness Drive

On 11th October 2022, the students of Department of History participated in a campus cleanliness drive under Swachhta Action Plan (SAP). The cleanliness drive was led by Dr Parul Gaur. She enlightened student on the importance of ecology, waste-management and how waste-collection could be a very ecologically sensitive business enterprise.



Quiz Competition Report

Hirav, 21 October, 2022

Nature has always served us but now it's our responsibility to take care of mother Earth. What makes our Earth unique is its atmosphere and plants comes first when we think of possibility of life here. When we deal with plants we deal with life and to make over selves more aware responsible towards this life.

H I RAV - The Green Campus Society of Ram Lal Anand College organised an Online Quiz Competition on October 21, 2022. The Google form was open from 6 PM till 6: 20 PM.

The event was successful in its aspect of fulfilling the motive of creating environment related awareness.



It was a huge success receiving forms from more than 80 participation out of which 37 were female participants who showcased their knowledge. Top 2 winners were given pot with e-certificates as tokens of appreciation.

Pot-painting Competition Report

07 December 2022

HIRAV, the green campus society of Ram Lal Anand college organised a pot painting competition on 7th December 2022. Students enthusiastically participated in the competition. Total 18 Teams were there in the event and each team has shown their enthralling creativity and love towards Painting beautifully. The decided themes of



the competition were culture of different states, yoga and fitness and environmental changes. The objective of the competition was to connect more and more students with society to achieve the goal of green campus, to bring



environment related awareness to the masses and to give the artists of college a platform to showcase their immense talent and creativity. Winners of the Competition were announced on 9 January 2023 and they got Pot and ecertificate as an award. This was a first major successful offline event of society held in supervision of Professor Rakesh Kumar Gupta sir (principal) and convenor, Rita Jain ma' am.

Photography Competition Report

Hirav, 26 Jan to 03 Feb 2023

Hirav-The Green Campus Society of Ram Lal Anand College (DU) organized a photography competition between 26th January 2023 to 3rd february 2023. Theme of the competition was NATURE AND SURROUNDING. The very purpose of the photography competition was to identify the best photographer and to have a glance of this beautiful world with our lovely green campus cum planet. It was a creative event in which participants got an opportunity to capture the plant life and celebrate its peerless beauty. Competition was held in online mode. It was a successful event organised under guidance of convenor Dr. Rita Jain ma'am and a step ahead for achieving the motto of Go Green Campus.



BMS Department Cleanliness Drive

BRIEF SUMMARY OF THE EVENT

The Department of Management Studies organized a "Clean Campus Drive" in essence of "Swachhta Action Plan". It is an initiative by the honorable Prime Minister – Mr. Narendra Modi. The teachers educated students about the event theme and the importance of cleanliness. The necessary arrangements such as gloves, masks, disposal bags were provided by the Swachhta Action Committee. All the teachers and students of the Department of Management Studies started the drive from the college entrance lawn and collected the waste material in disposable bags. After that college ground and the entire campus was covered by the team. Everyone observed that the campus was relatively cleaner as compared to previous year drives. The whole drive was quite inspiring and motivating for the faculty and the participating students.





Clean Energy & Conservation Committee

Session 2022-2023



Law of Conservation of Energy says energy can neither be created nor destroyed, only transformed from one form to another that implies light energy; with this under the mandate of our sub-committee "Clean energy and conservation," which comes under the Swachta Action Plan Committee, efforts were made to reduce energy consumption and conserve energy via the judicious use of energy in conjunction with decreased energy

consumption from conventional energy sources. The following initiatives were taken to create awareness and inculcate the mindset of the Ram Lal Anand College students on the wise and judicious use of energy.

A slogan writing event on "Save Electricity" was organized on 10th October, 2022 in online mode for the cognition of the prudent use of electricity. The event was organized with a view to brainstorm students come up with idea's like hang up signs next to the light switches for example "Remember to turn off the lights when you leave!"

A group discussion and deliberation under Statecraft Society centered on the theme of Political Ecology. The event was organized on 17th January, 2023 in collaboration with the Clean Energy and Conservation Committee as well as Samdrishti' the college magazine. More than 65 students attended the event. The aim of the event was to engage the students to delve into the complexities of Political Ecology as well as its issues pertaining to contemporary India. It emphasized the increasing importance of Political Ecology in light of the





rampant environmental degradation, how the issues of political Ecology are multi-faceted, encompassing social, economic, political, and environmental dimensions.

A grid-connected solar rooftop system of 130KW on the college premises without a battery backup was installed to conserve the renewable energy source. Since 2017-18 all the lights in the classrooms and laboratories have been well equipped with LED lights and power-saving fans with brushless direct

current to minimize energy loss. Additionally, 16 solar lights utilizing 10-12 watts were installed on the streets of Ram Lal Anand College premises to explore better use of the renewable energy source Further, a dedicated team of faculty members and students monitor the lights and all the electrical appliances like computers, laboratory instruments etc should be switched off in classrooms, laboratories, libraries, and staff rooms when not in use or before leaving the rooms to make a judicious use of power.





Students' Reflections

मैं तुषार शर्मा (कला स्नातक) हिंदी विशेष तृतीय वर्ष का छात्र शुचिता द क्लीनलीनेस एंड हाइजीन सोसाइटी के बारे में बताना चाहता हूं कि जब मैं शुचिता से जुड़ा, मैं स्वच्छता के प्रति जागरूक तो था लेकिन स्वच्छता हमारे जीवन में किस प्रकार एक अहम परिवर्तन लाती है यह मुझे शुचिता ने अवगत कराया। शुचिता एक क्लीनिंनेस एंड हाइजीन सोसायटी ही नहीं है, मेरे लिए यह जीवन में परिवर्तन लाने का एक अहम माध्यम है। शुचिता ने मुझमें संवादात्मक शैली तो विकसित की ही साथ में जागरूकता का कैसे प्रचार प्रसार करना है यह भी सिखाया, शुचिता एक सोसाइटी ही नहीं बल्कि देश में समाज में एक बेहतर परिवर्तन लाने का उच्च माध्यम भी है। 'अब हमने है माना, शुचिता संग देश को स्वच्छ बनाना', मेरे लिए शुचिता खुशहाल जीवन का मार्ग है। मैं चाहता हूं शुचिता के साथ जुड़ा रहूं।





Women Empowerment

Empowering Women, Empowering Society: Path to Progress

Women empowerment refers to increasing the social, economic, and political power of women. It involves breaking down gender-based barriers and promoting gender equality. Women empowerment is essential for the overall development of a society and its individuals.

The first step towards empowering women is to educate them. Education equips women with the knowledge, skills, and confidence they need to participate fully in society. In many societies, women are denied access to education and are often expected to prioritize the needs of their families over their own personal development. By providing girls with equal access to education, they can become active participants in the workforce, increase their earning potential, and have a voice in the decisions that affect their lives.

Another crucial aspect of women empowerment is ensuring that women have equal access to economic opportunities. This includes equal pay for equal work, access to credit, and property rights. When women have control over their finances, they can make decisions that improve their lives and those of their families. Women are also more likely to invest in the health and education of their children, leading to a cycle of improvement for future generations.

Women's political empowerment is also essential. Women should have the same opportunities as men to participate in the political process and make decisions that affect their lives. This includes the right to vote, run for office, and hold leadership positions. Women's political empowerment also involves ensuring that women's perspectives and experiences are taken into account in the development of policies and laws.

In conclusion, women's empowerment is a crucial component of a just and equitable society. By breaking down gender-based barriers and promoting equality, we can create a world where women have the same opportunities as men to reach their full potential. To achieve this, we must prioritize education, economic empowerment, and political empowerment for women.

Vandana Verma Bachelor of Management Studies III Year

Midnight Sale

How much for a night?

They ask me without knowing about my plights.

They touch me not caring about my consent and turmoil.

And then they ask me how much for a night.

I let my lips mum and wait for the passing of this dark midnight,
I let my shivering body unfazed in this battle of silent cries.
I let them taint my skin with their malicious and lusty sights,
And then they ask me how much for a night.

How much for a night? How much for a night?

> Drishti BA (Hons.) English II Year

Cries of Defeat

My whole body shivers and becomes numb, pulsating with no life.

"Do you understand? You are just a vessel, traded for money!" exclaim they in an ear-deafening voice.

My flesh betrays me and accepts their verdict with a silent and painful cry.

Drish<mark>ti</mark> B.A. (Hons.) Englis<mark>h</mark> II Year

[&]quot;Did you try to escape?" ask they in a deadly voice.

[&]quot;No! No!" cries I.

[&]quot;You are lying!" accuse they one by one in a menacing voice.

[&]quot;No! No!" cries I.

[&]quot;You will be punished," threaten they in a powerful voice.

[&]quot;No! No!" cries I.

[&]quot;You will be punished," again they threaten in a blood-curdling voice.

[&]quot;No! No!" cries I.

[&]quot;No one can escape this place," dictate they in an intimidating voice.

A Journey

"Are you travelling alone?" asks a lady sitting opposite to me. With a curiosity surfacing on her old and wrinkled face, she stares at me and waits for a reply. Her light brown eyes reveal a mixture of scrutiny and inquisitiveness, and demand an answer from me, her fellow passenger.

This question throws me off in a pit of my inner devils. All those past memories surface again. It disposes me off into that horrible and dark lane, where I was drowning in fears and tears. Luckily, the loud blaring of the train's horn distracts the lady and interrupts her continuous staring. With her piercing eyes focusing not anymore on me, I avert my eyes away from her and mumbles a "Yes". It's true that I am travelling alone. I have been wandering through all the phases of my life as a lonely and nameless person. I don't know where my home is. I don't even know about my family. I have no one by my side. Like Usha Bai calls me, I am an orphan.

"Where are you going?" asks the lady again and interrupts my chain of thoughts. By this time, the train has picked up a fast pace.

Shaking my head to get rid of all those previous thoughts, I answer the lady in the same posture and tone, except my eyes are filled with tears:

"Delhi."

"Are you visiting your family there?" inquires the lady again. Through the corner of my glossy eyes, I can see the deepening of her curiosity. It feels like the flames of her curiosity is growing more and more. And the one who has everything to lose in this burning curiosity is me

"No! I -I - I am going to start a new life there,

"replies I in a wavering voice and lowers my eyes towards the train floor. Her blazing eyes terrify me. My hands are shaking under her intimidating eyes. I fear that her eyes will drill deep into my soul and unearth my past. I can feel my past memories pulsating like a venom in my blood. My heart feels constricted and trapped beneath the fleshy layer of my chest. Scenes of Sitara's death, the girl who was traded alongside me to Usha Bai, and Usha Bai's threat of death to me, start playing in a continuous loop in front of my eyes. I can still feel the taste of pain, extreme pain which I felt that night when Sitara jumps off the balcony. In order to save her dignity, she sacrifices her breaths. But those vicious creatures didn't shed an ounce of humanity that day. They didn't even give Sitara a proper burial. Why those vicious creatures are heartless and inhumane? Why are they so inhumane?

"Are you listening to me? I am talking to you. Where do you live? Are you from Kolkata? What do you do?" questions the lady again and brings me back to the present. This present is the one in which I have left behind all that hellhole, Sitara's memory and my chains. I have left behind those fetters, trapping me, in this present. However, the nightmares still lurk like a dark shadow behind me. I cannot stop those nightmares. It makes me question my escape, my freedom. Am I free?

Looking up from the floor, I gaze directly in the eyes of the lady. My shivers resonate with the turbulent movements of the train. Piercing through the shrill voice, produced by the contact between wheels of the train and track, my faltering yet firm voice gains momentum:

"I was living in Songachi (Kolkata) in the past. I was being forced into prostitution. But I escaped. And now, I am going in search of a

new place to live, a place which I can call Home."

The curious waters in the eyes of the lady subside and morphs into disgust. Her face seems like painted with a transparent shade of disgust. She gazes at me with a detestation.

I stare back at her with my tear-stained face.

My tears flow freely like a river with no end, and assimilates all those past memories and her disgust. I feel relieved and light-hearted.

The train's pace slows down indicating the arrival of next station. And amidst this slow pace, I question myself – Am I finally free?

Drishti B.A. (Hons.) English , II Year

Failing Feminism

Do you think feminism unconsciously changes women into the very 'man' we as feminists are trying to change? The struggle of feminism is to establish the idea that women are human beings and are entitled to rights and equal opportunities which were denied in the patriarchal society. What I am trying to challenge in this article is not the idea of feminism but the approach we as young feminists are employing to establish the idea of equity. I believe there are stages of feminism and we all are stuck in different stages as per our personal experiences. Women have been victims of patriarchy for a long time and the extent of this victimization is highly dependent on the socio-political as well as economic background of an individual thus creating a broad spectrum of victimization of women. This idea of being a victim is influenced by the mindset created under those circumstances of an individual and with sufficient awareness and opportunities over the period of time there is growth in the mindset causing the very root of victimization to change. After the struggle of establishing oneself as a human is over, we as feminists often become victims of patriarchy where women who are privileged enough to attain opportunities and education become the 'man' they were trying to change. This idea of being

privileged is well known to the woman who attains it and the power struggle to maintain that certain circumstance causes her to be the 'man' who took away the power unknowingly. This unconscious power struggle to secure a place is further aggravated with the capitalist nature of the society in case of women. We often spend most of our time enforcing unheard rules which we pick up subconsciously, and because positions of power and success as celebrated by our society are often represented by a man which causes women to imitate the same dysfunctional behaviour thus further feeding the cycles of patriarchy. As Vir Das very beautifully says that 'man' is defined by their unrealistic dreams but to limit the woman to the achievement of a man is to ask a scientist to become a monkey. It becomes essential that we start challenging the ideas widely celebrated by society by a sustainable lens so we don't end up working towards a direction which is problematic in the future.

> Paridhi Verma B.A. (Hons.) Englis<mark>h,</mark> II Year

Wonder Woman

Oh! Woman you are the best! A teacher, lover, doctor, friend all covered in a wonderful blend whether its sober or a jest.

Oh! Woman you are the best!

You showed the world
you can conquer the heights
and even count on the depths.

Oh! Woman you are the best!

No more brooding in the four walls
give your soar eyeballs
a relaxing cooling rests.

Oh! Woman you are the best!
Bring out the treasure of knowledge spread it like the infection with which you can reach the edge without any rejection.

Oh! Woman you are the best!
Show the world
what you can bestow
how you are bold
when queries overflow.

Oh! Woman you are the best!
Live the life you are gifted with
forgetting all the myth
standing side by side
showcasing all that strength.

Vyshnavi VK Bachelor of Management Sciences III Year

लैंगिक भेदभाव

महिलाओं के उत्पीड़न, शोषण और उन पर होने वाली हिंसा की खबरें हमें रोज़ पढ़ने और सुनने को मिलती हैं। अक्सर हम लैंगिक बोध जैसी चर्चाएं भी सुनते हैं. इससे जुड़ी हुई बातों के साथ इसे समझना जरुरी है।

लिंग भेद क्या है? लिंग भेद को कुछ इस प्रकार परिभाषित किया जा सकता है कि "एक माता अपने शिशु को अपना दूध पिलाती है, परन्तु इस प्रकार की विशेषता प्रकृति ने पुरुष को प्रदान नहीं की है। स्त्री और पुरुष का यह अंतर लिंग भेद है।"

लिंग भेद स्त्री और पुरुष की शारीरिक बनावट पर आधारित जैविक अंतर है, जो स्त्रीत्व और पुरुषत्व का आधार है। प्राकृतिक होने के कारण इस प्रकार का अंतर सभी जगहों और सभी समय समान होता है।

लिंग भेद होना तो प्राकृतिक है परंतु मुख्य प्रश्न है लैंगिक भेद का जिसे लैंगिक असमानता भी कह सकते हैं। "सामाजिक असमानता का यह रूप न्यूनाधिक मात्रा में दुनिया में प्रायः हर स्थान पर मौजूद रहा है।

ऐसा नहीं है कि पुरुष घरेलू व घर की देखभाल के लिए कार्य नहीं कर सकते, किन्तु ऐसी सोच बनी हुई है कि घर के भीतर का कार्य महिलाओं की जिम्मेदारी है, जबिक वे घर से बाहर धन कमाने के कार्य भी कर सकती है। और कर भी रही है। यह सोच लैंगिक भेद का एक उदाहरण है"।

लिंग भेद को तो नहीं मिटाया जा सकता परंतु लैंगिक भेद को अवश्य ही मिटाया जा सकता है और उसके लिए हमें जरूरत है लैंगिक संवेदनशीलता की। आइये जानते हैं लैंगिक संवेदनशीलता क्या है और इसका अर्थ क्या है?

लैंगिक संवेदनशीलता का अर्थ है, कि स्त्री और पुरुष दोनों के प्रति समान भाव अनुभव करना। लैंगिक संवेदनशीलता को लैंगिक समानता भी कहते हैं।

लैं गिक संवेदनशीलता को समझकर बालक—बालिका के पालन—पोषण, शिक्षा व स्वास्थ्य में कोई अंतर नहीं करना चाहिए। उन्हें अपने विकास के लिए समान अवसर और अधिकार देने चाहिए। हमारे समाज की खुशहाली स्त्री और पुरुष दोनों के ही समान सहयोग पर निर्भर है।

महाकवि कालिदास ने कहा है, कि यह स्त्री है यह पुरुष है। यह निरर्थक बात है। वस्तुतः सत पुरुषों का चिरत्र ही पूजा के योग्य होता है। अब हम समाज में मौजूद लैंगिक भेद (असंवेदनशीलता) के अनेक रूपों पर चर्चा करते हैं।

सार्वजनिक जीवन पुरुषों के कब्जे में है और महिलाओं को कम भागीदारी दी जाती है, उन्हें सामुदायिक कार्यों के नेतृत्व के पर्याप्त अवसर नहीं दिए जाते हैं।

यदिप भारत में महिलाओं ने राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, न्यायाधीश जैसे पदों को सुशोभित किया हैं. किन्तु संसद, विधानसभाओं और मन्त्रिमंडलों में पुरुषों का ही वर्चस्व रहा है।

लैंगिक भेदभाव के विभिन्न रूप

श्रम का लैंगिक विभाजन

लड़के—लड़िक्यों के पालन पोषण के दौरान ही यह मान्यता उनके मन में बैठा दी जाती है, कि महिलाओं की मुख्य जिम्मेदारी घर चलाने और बच्चों का पालन पोषण करने की है, हम देखते हैं कि परिवार में खाना बनाना, सफाई करना बर्तन और कपड़े धोना आदि घरेलू कार्य करती है।

इसके अलावा गाँवों में दूर दूर से पानी लाने और जलाऊ लकड़ी के गट्टर ढ़ोने का कार्य भी करती हैं, वही महिलाएं खेतों में पौधे रोपने, खरपतवार निकालने, फसलें काटने और दुधारू पशुओं की देखभाल का कार्य भी करती हैं। फिर भी जब हम किसान के बारे में सोचते हैं तो हमारे मस्तिष्क में महिला किसान की बजाय पुरुष किसान की छिव उभरती हैं।

एक तरफ ये कार्य भारी और थकान वाले होते हैं, तो दूसरी तरफ महिलाओं को इन कार्यों से कम महत्व का आँका जाता है। ऐसे कार्यों में लगी महिलाओं को मजदूरी भी कम दी जाती है।

इन कार्यों में लगी लड़िकयां शिक्षा से वंचित रह जाती हैं। वास्तव में यदि हम महिलाओं द्वारा किए जाने वाले घर और बाहर के कामों को जोड़े तो हमे पता चलेगा कि कुल मिलाकर सामान्यतः महिलाएं पुरुषों से अधिक काम करती हैं।

शिक्षा और काम के अवसर

पुरुषों की तुलना में शिक्षित स्त्रियों की संख्या कम है। वर्तमान समय में बड़ी संख्या में लड़कियाँ स्कूल जा रही हैं। परन्तु बहुत सी लड़कियाँ गरीबी, शिक्षण सुविधाओं के अभाव व अन्य कारणों से शिक्षा पूरी किए बिना ही विद्यालय छोड़ देती हैं।

विशेषकर वंचित वर्ग, आदिवासी और मुस्लिम वर्ग की लड़कियां बड़ी संख्या में बीच में ही स्कूल छोड़ देती हैं।

समाज में प्रायः सोचा जाता है कि घर के बाहर महिलाएं कुछ खास तरह के काम ही कर सकती है। कि लड़कियों और महिलाओं को तकनीक कार्य की समझ नही हैं।

इस प्रकार की रूढ़िवादी धारणाओं के चलते लड़िकयों को अनेक कार्यों व व्यवसायों की शिक्षा और प्रशिक्षण लेने के लिए परिवार का सहयोग नहीं मिल पाता हैं।

फलस्वरूप उन्हें अनेक क्षेत्रों में कार्य के अवसरों से वंचित रहना पड़ता है। सरकार के प्रोत्साहन और प्रयासों के बाद अब स्थितियां बदलने लगी हैं। अब सभी कार्य क्षेत्रों में महिलाओं को भूमिका निभाते हुए देखा जा सकता हैं।

सामुदायिक सहभागिता

सामुदायिक स्तर पर भी महिलाओं और पुरुषों की भूमिका और सहभागिता में बड़ा भेद मौजूद है। घर की चार दीवारी तक सीमित कर दिए जाने के कारण सार्वजनिक जीवन में खासकर राजनीति में महिलाओं की भूमिका नगण्य है।

सार्वजानिक जीवन पुरुषों के कब्जे में है और महिलाओं को कम भागीदारी दी जाती है, उन्हें सामुदायिक कार्यों के नेतृत्व के पर्याप्त अवसर नहीं दिए जाते हैं।

यद्यपि भारत में महिलाओं ने राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, न्यायाधीश जैसे पदों को सुशोभित किया हैं. किन्तु संसद, विधानसभाओं और मन्त्रिमंडलो में पुरुषों का ही वर्चस्व रहा है।

भारत में लिंग भेद रोकने के उपाय

अब हम महिलाओं की स्थिति में परिवर्तन लाने के लिए किए जाने वाले कार्यों की चर्चा करेंगे। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए सामाजिक और वैधानिक दोनों स्तर पर अनेक प्रयास किए गये हैं।

इन प्रयासों से होने वाले सामाजिक परिवर्तनों के कारण महिलाओं में गतिशीलता बढी है और अब सभी क्षेत्रों में उनकी भागीदारी में वृद्धि हो रही है।

धीरे—धीरे सामाजिक धारणाएं भी बदल रही हैं। आज सेना, पुलिस, वैज्ञानिक, डॉक्टर, इंजीनियर, प्रबन्धक और विश्वविद्यालयी शिक्षक जैसे पेशे भी बहुत सी महिलाएं कर रही हैं। सफलतापूर्वक व्यापारिक प्रतिष्ठानों का संचालन उनकी योग्यता का प्रमाण है।

महिला आंदोलन और नारी उत्थान

महिलाओं ने पारिवारिक और सार्वजनिक जीवन में बराबर मांग उठाई। महिला संगठनों ने समाज, विधायिका और न्यायालय की ओर इसका ध्यान खीचा है। जहाँ कही भी महिलाओं के अधिकारों का उल्लंघन होता है, तो उसके विरुद्ध आवाज उठाई जाती है।

मामले को उचित स्तर पर न्याय दिलाने का प्रयास किया गया है। महिलाएं जागरूक और संगठित हुई हैं। महिला—संगठन विधानसभाओं और संसद में 33 प्रतिशत स्थान महिलाओं के लिए आरक्षित करवाने की मांग प्रमुखता से उठा रहे हैं।

महिला संरक्षण और सशक्तिकरण के लिए अनेक कानून और योजनाएं बनाई गई हैं। नतीजतन महिलाओं के लिए वैधानिक और नैतिक रूप से अपने प्रति गलत मान्यताओं और व्यवहारों के खिलाफ संघर्ष करना आसान हो गया है।

लिंग भेद को रोकने के सरकारी उपाय

- सरकार दो तरह से महिलाओं की प्रगति सुरक्षा और संरक्षण का कार्य कर रही हैं। पहला महिलाओं की सुरक्षा और संरक्षण के लिए कानून बनाए हैं, दूसरा महिलाओं की प्रगति के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं।
- सरकार ने सामाजिक कुप्रथाओं के विरुद्ध

दहेज प्रथा निषेध कानून, बाल विवाह निषेध कानून, सती प्रथा निषेध कानून जैसे कानून बनाकर इन्हें दंडनीय अपराध घोषित किया है।

- महिलाओं के विरुद्ध घरेलू हिंसा की रोकथाम
 के लिए दंडात्मक कानून बनाए हैं।
- पंचायतीराज व्यवस्था और नगरी, निकायों के चुनावों में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत स्थान आरक्षित कर दिए हैं।
- महिला समस्याओं के हल में मदद के लिए राष्ट्रीय एवं राज्य महिला आयोग बनाए हैं।
- सरकारी नौकरियों में महिलाओ के लिए पद आरक्षित कर दिए हैं।
- समान कार्य के लिए समान मजदूरी का कानून बनाया गया है।

महिला उत्थान की योजनाएं :-

- राजस्थान के प्रत्येक जिले में थानों और महिला सलाह के लिए सुरक्षा केन्द्रों का गठन किया गया है।
- शिक्षा के प्रोत्साहन के लिए छात्रवृत्ति व अन्य सुविधाएं देना तथा 9वीं कक्षा में प्रवेश लेने वाली लडिकयों को साइकिल देना। शैक्षिक रूप से पिछड़े उपखंडों में आवासीय विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं।
- रोजगार का प्रशिक्षण देना और रोजगार के लिए ऋण उपलब्ध करवाना।
- महिला के नाम की सम्पति की रिजस्ट्री करवाने पर शुल्क में छुट।
- गरीब परिवारों को मकान के लिए निःशुल्क

जमीन महिला के नाम आवंटित करना।

- बालिकाओं की उच्च शिक्षा के लिए बचत द्वारा धन जुटाने हेतु सुकन्या समृद्धि योजना प्रारम्भ की गई है।
- भामाशाह योजना में महिला को परिवार का मुखिया बनाना।
- महिला और बाल कल्याण के लिए जननी सुरक्षा योजना जैसी अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं।

लिंगानुपात में समानता लाने के लिए बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओं अभियान चलाया जा रहा है, परिवार समाज एवं देश की प्रगति महिलाओं व पुरुषों का बराबर महत्व है। महिला और पुरुष दोनों की समानता से ही परिवार में खुशहाली और समाज की प्रगति संभव हैं।

राम कुमार पांडेय हिंदी विशेष द्वितीय वर्ष

Sanitary Napkin Distribution by NSS

On National Girls Child Day the NSS Unit of Ram Lal Anand College organized a Collection and Donation drive of sanitary napkins. The collection drive continued from 13th-23rd January'23. Distribution Drive was done on 24th January 2023 in JJ COLONY, South Moti Bagh by the NSS volunteers from 3-5 pm. Over 100 packets of sanitary napkins were collected in a collection drive held prior to the distribution drive. Nearly 72 volunteers participated in this pivotal event, of whom 32 were females. Their contribution played a significant role in supporting the underprivileged part of the society to gain a better knowledge of female health.







जशोदाबेन मोदी और साधारण महिलाओं का सम्मान

महिला दिवस के सालाना उत्साह और भाषणों में कुछ जरूरी नाम छूट जाते हैं। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की धर्मपत्नी जशोदाबेन मोदी का नाम उन्ही मामूली मगर जरूरी नामों में से है। 11 साल की उम्र में उनकी शादी कर दी गई, 18 वर्ष की आयु में उनके पित और देश के वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी भौतिक सुख का त्याग कर संन्यासी बनने निकल गए। पितृसत्ता की उसूलों के बुनियाद को चुनौती देते हुए जशोदाबेन मोदी अपने जीवन के सबसे महत्वपूर्ण पुरुष की सहायता के बगैर अपनी पढ़ाई पूरी की, एक नौकरी हासिल की, स्वावलंबी बनी और एक आदर्श जीवन जीया।

दुनिया को जशोदाबेन मोदी की कहानी शायद मालूम ही नहीं पड़ती, अगर सुप्रीम कोर्ट का एक फैसला श्री नरेंद्र मोदी को अपनी पत्नी की जानकारी देने पर मजबूर नहीं करता। 50 साल बाद भी उनको बस नाम दिया गया, अपनाया नहीं गया। मोदीजी तीन बार मुख्यमंत्री रहे, दो बार प्रधानमंत्री रह चुके हैं मगर कोई सुविधा जशोदाबेन मोदी को हासिल नहीं हुई और नहीं हासिल हुई तो क्या खाक कुछ बिगड़ गया? अपना जीवन जशोदाबेन मोदी ने अपने दम पे जीया, शान से जीया।

जशोदाबेन मोदी उन हजारों महिलाओं का प्रतिनिधित्व करती हैं जिनको उनके पति या परिवार ने बिना बताए, बिना आश्वासन दिए छोड़ दिया लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी।

नरेंद्र मोदी दशकों से सत्ता के केंद्र में रहे हैं, एक गरीब और साधन विहीन घर से प्रधानमंत्री होने की कहानी अपने आप में असाधारण और कई अर्थों में अप्रत्याशित है, जिससे सफल होना, प्रख्यात होना, जनता को प्रभावित करने का कौशल तो जरूर सीखा जा सकता है लेकिन जशोदाबेन मोदी की कहानी से लोगों को जिजीविषा सीखनी चाहिए।

साधारण महिलाओं का सम्मान करना शायद सबसे जरूरी है। वो म<mark>हिलाएं</mark> जो गर्भवती होकर भी घर का सारा काम करती हैं, जिन्हें माहवारी के वक्त फैक्ट्रियों में दिहाड़ी मजदूरी करनी होती है, जिन्हें बॉस के साथ पित का गुस्सा झेलना पड़ता है, इस दिन उन सब का भी उत्सव मनाना चाहिए।

जाते जाते कुछ महीने पहले किसी मुसाफिर के टी शर्ट पर अंग्रेजी में लिखी बात सबसे सटीक लगती है, "मर्दों को शुक्रगुजार होना चाहिए कि महिलाएं समानता मांग रही है, बदला नहीं।"

रौनक सिंह बीएमएस द्वितीय वर्ष

Rising Strong

She stands tall with grace and power,
A force to be reckoned with in every hour.
She breaks down walls and shatters chains,
Her spirit shines brighter than any plane.

She stands for justice, equality, and love,
With a heart full of compassion, a soul sent from above.
She's a warrior in times of need,
Her voice echoes like the sounds of freedom, indeed.

She refuses to be told what she can't do,
Her determination and strength shining through.
She inspires others to rise and shine,
With her courage and resilience, she'll always be fine.

So, let's celebrate this amazing creation,
The embodiment of strength and inspiration.
For women hold the key to a brighter tomorrow,
And with their courage and power, there'll be no more sorrow.

Srishti Bachelor of Management Sciences III Year

An Ode to the Most Important 'She'

When she is around,
Joy knows no bounds.
She is the fragrance of all seasons,
Or all joy vanishes with no reasons.
Welcome at every station,
Nature's best creation.
She is the flavourful 'n' spice,
Taking away any price.
For him, she may be an eye-sore,
For you, the goddess of all chores.

Be it any city or town,
Tolerate her without a frown.
Whatever be her attitude,
Always express your gratitude.
For she is as rare as a queen bee,
Your maid is the most important "she".

Nikita Pathania B.Sc. (Hons.) Computer Science II Year

Awareness and Sensitization

The much-needed change that our society is headed towards is difficult to imagine without the application of Awareness and Sensitization. Awareness is the state of being conscious of something and sensitization means making people sensitive about an issue. Community Sensitization is achieved through general awareness.

According to David Harrison, "Being aware will give you an insight into your beliefs and whether they are positive or holding you back...It will make you seek out more information on the beliefs that are holding you back and how to change them." Awareness allows one to understand things from multiple perspectives and frees them from their assumptions and biases. Sensitization is at the core of raising awareness, which aims to increase the knowledge of a group of people about a subject, often encouraging or discouraging certain practices. Sensitization campaigns are becoming increasingly popular to eradicate the social ills and breaking taboo surrounding STDs, Misogyny, Homophobia, Casteism, etc.

Executing Nelson Mandela's teaching, "Education is the most powerful weapon which you can use to change the world", Sensitization should be included in the education system. It should begin at an age when the minds of children are still mouldable. For Example, instead of preaching gender roles to toddlers, gender sensitization should be promoted. Environmental sensitization should be instilled at a younger age too. Awareness and Sensitization regarding LGBTQIA+, sex education and HIV/AIDS could be introduced a little later.

Of course, awareness and sensitization programs should exist for adults too. Afterall they are the most active members of the public sphere of a society. Their decisions and actions make our society the way it is. But since adults have matured brains, it is difficult for them to change the values and codes of conduct by which they've lived all their lives. But what harm is there in trying? The final decision of any scope of change lies in the hands of the target audience. Subtle methods which aim at making people aware of and understand the problem are employed and suggestions are given to solve them, wherein the people are free to accept the suggestions, to invent the solutions themselves or completely disregard the idea itself. Therefore, the stress is on making the Youth sensitized because they are the future. A sensitized youth means an accommodating and welcoming society for all irrespective of their gender, class, race, language, caste, religion, etc.

Rudrakshi Jain BA(Hons.) English II Year

The She of Today

She woke up today, dressed up for school Excited to finally enjoy her life But oh, she was such a fool Her hands desired a pen But to her father She was just another household tool How her dreams shattered like fragile glass Hurt more than the burns she got yesterday While working like a child slave in her own house When all she wanted was to study and play The women of yesterday fought for us So, the women of today can live free But the stories of such young girls struggling Is our misogynist world's reality The she of today, she deserves the life she wants Not the ones they build with norms Her dreams and hopes need not follow world's rules She's not just a girl but God in many forms

> Shreya Nayak B.Sc. (Hons.) Microbiology, III Year

Some Good Things To Know

If you want to win,
Then win the hearts of others.
If you want to eat,
Then eat your pride.
If you want to laugh,
Then laugh at your foolishness.
If you want to die,
Then die for your your duty.

Nikita Pathan<mark>ia</mark> B.Sc. (Hons.) Computer Science, II Year

Eve Adam, Adam Eve

God created me as a human being,
But He-men think that I am just a thing.

This ugly beautiful world is patriarch, I'll not come in their arch.
Who cares? I am alone but not a lone
Who cares? I am just a thing but useful thing.
Honour Saver, Humble, Home keeper, Babysitter, Burden
Even production machine without booster vaccine.
It's me, it's me, it's me and my roles
they are things which I can't control.
In this movie, which will end sooner or later
Whether it's happy or sad, they are many dead hatters.
Oh! Are you pitying on me?
Aren't you?
Let me tell you things from starting.

When I came to this beautiful Earth It was like my rebirth.

Adam was weeping, trees were laughing.

I was shocked what the hell was going?

That first day proved man can't stand alone,

They need human being more than anything of any worth.

God gave this ugly heaven to soulmates.

Each of us owned equal share of this heaven

Equal status, equal sovereignty, equal smooth relationship.

Time flied like a Falcon, we lost our partnership

One became billionaire, other went bankrupt.

Man committed the first ever sin for me

Oh! Oh! Don't you know what is my worth?

Adam was punished for me
Perhaps man is taking revenge from me
But he was all alone,
These men are grown.
There is no limit for the illiterate.
Problems were created by bees.
Adam was sleeping, I was seeing
I was sleeping, Adam was climbing on rock.
Adam was my heart; I was his beat

We were like Umar Fatima in the heat.

But we did not live in Lucknow,

Time is different now

We have become slave and master

Is it going to change?

For many centuries, I have no key
They want me for my hubby
Even if I want his death
They put me in death for their wealth
There was no Annie, there was no Malala.
Men were players, Men were referees
I was that ball,
Which was always stuck to their feet.
I was in veil, just like jail
Why? Because they were Male.
I had no right to fight for my right If I did so,
They would just, "Get out of sight"
Crown, Cloud, Cloth, Campus, Capital
These all were for masters, they had guaranteed.

Hitlers say, "you can't do it even if you want." I can do it! I can do it!

I can do whatever I want.

What makes you to think like that?

Long hair, soft skin and this female hat.

I am Draupadi, I am Mary, I am Fatima.

I am everywhere just as ant,

I am in your houses as well

Run away from me just like death.

I gave birth to your prophet

Without a man, seems like it is no profit.

You think I am weak

Look around, I do work for whole week

You live in past

What do you want?

I am being dominated in every era
Like a man lost anywhere in the Sahara.
I am rising as a Sun Crown don't need a son.
I don't need men anymore,
Men came after me era to era

Now, I am rising as a force, I can join armed force.

Don't tell me, don't tell me

Look at Jhansi ki Rani, Sumaiya bin khabbaat They at all rats in plate like a cat.

I can't live behind the veil

If you tell me, you will go to jail

I am proving destructive for you

When? Hey innocent, taking revenge now and in coming eras.

From kiribati to Alaska, from Del Fuego to Denmark
I am enjoying my ego like as flamingo.
Yeah, I agree, we are weak in the Middle East But we can become beast.
I am already a princess there
Which so called boundaries just for their ego.
They had forgotten what they loved most
It's rule, good things can't be remembered forever
World always remember bad things
Power can't differentiate between good and bad things
War, Worship, Wine can't walk together
Peace, Prosperity, People can play together
War is curse on Human; Human is curse on War
Wait! Am I deviating from my goal to satisfying my ego?

My prophet gave me permission
To go to mosque to establish his mission
That prophet also said, "Cover yourself from head to toe."
Yeah, I know, I know, I know
Sometimes, they discriminate me for my beauty.
In addition, opposition defines my beauty as my position
I have freedom to choose
What to wear from Burqa to Shorts
Whenever I wear shorts, my family shout Astaghfirullah.
Whenever I wear burqa, my cousins say Mashallah.
Are there really my choices?
All the ulemas care for me
As like they are just going to hell because of me
Is this a tradition or definition?

You shouldn't care about me,
I will not pay any fee
My brother treats me as a princess
Their love for me is priceless

They hide me from everything
Is it because they don't believe in luck?
But is it for me?
A princess with uncountable boundaries,
Remind me of later Mughal Emperors
Give me mirror, seems like horror errors.
The call me a door of Jannat,
So, they fulfil my whole Mannat.
Hey you, please, Liberty can go to hell I accept
it's not for me.

For my honour, cousins became enemy Secretly,
my box of sin became empty.
I ate wheat, I am going to retreat
Who'll fight with me, will taste defeat
I'll run for fun
They can be donor of our family
I'll become queen, but not drama queen.
I am here, not because of my brown beautiful hair.
Glory for mine, Sorry for design This different world can be divine.
Now, fields are ready to harvest,
We will pass this test with best
Priest, Pope, Prisoner, Pioneer, Protector, Protestor
You should give pistol and pen to your mommy.

I can fly in the sky with my wings

"Article 15! Article 15! Article 15!" I'll sing.

Whites are with head; blacks are with tail

Let's see who will be going to fairy-tale?

Alexander came and was gone, Chengiz is come and gone

I am here, I am here, I am always on.

From now on, I'll follow this tone

"I came, I saw, I conquered"

I am warrior, greater than any warrior,

Fights war with pain to give birth to warrior.

Always remember, I am more than man

I am WOMAN, I am WOMAN

Mohd. Um<mark>ar</mark> B.A.(Program<mark>me)</mark> III Year

Women Welfare Advisory Committee

CONVENOR: Dr. Vandana Gupta

The Women Welfare Advisory Committee of Ram Lal Anand College, University of Delhi, has worked with the aim of equality and unity amongst all genders and the development of students by providing them a safe space for a healthy discussion and a platform to showcase their skills and thoughts on various issues that matter today.

Event		Date
T shirt designing competition	Theme: Women in independent India	16 Aug 2022
Seminar on equity day	Importance of being financially independent	29Aug 2022
Self Defence	In collaboration with Delhi Police	10-14 Oct 2022
International day of elimination of violence against women	Setting up of wall	9 Dec 2022
Seminar on Cancer awareness	In collaboration with Action cancer hospital	10 Jan 2023
Health camp	In collaboration with Action balaji hospital	10 Jan 2023

T SHIRT DESIGNING COMPETITION

This year started with a T-shirt design competition on the occasion of Independence Day. The theme for the event was HER STORY: women in independent India. The event was a success, we received 20+ T-shirt designs. Winners could not be declared for the lack of originality of the designs.



SEMINAR ON EQUITY DAY

On equity day we organized a seminar on labour laws and the importance of being financially independent. The guest lectures were given by two leading businesswomen: Mrs. Nandita Krishan, General Manager, Marching sheep and Mrs. Aakansha Bhargava, CEO, PM relocations Pvt Ltd. 50 students and faculty members attended the seminar and the event ended with a highly interactive question-answer session







SELF DEFENCE WORKSHOP

Women Welfare Advisory Committee and National Service Scheme organised a self-defence work shop for girl students from 10–14 October 2022 in association with Delhi Police. We received 100+ registrations and the active participants received certificates on completion of the workshop. This workshop taught the participants some extremely important tips and tricks that can be used in times of danger







INTERNATIONAL DAY for ELIMINATION OF VIOLENCE AGAINST WOMEN

On 9th December, the society set up an informative wall on the topic: the elimination of violence against women. The idea behind the wall was to help the students realise that if they are facing any violence, then, all helplines are available, it's important to speak up and they are not alone.



HEALTH AWARENESS TALK

Women welfare advisory committee in association with Action Cancer Hospital organised a health awareness talk on 10th January 2023. The topics were: "Prevention and early detection of cancer" and "Common Gynaecological problems- awareness and perception regarding breat and crevice cancer" by Dr. Rajesh Jain and Dr. Shruti Bhatia.





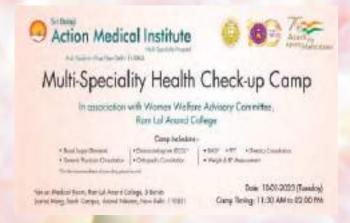


The event was a huge success with 50+ participants. The doctors busted our myths about cancer and helped us understand more about cancer and the available vaccines.

HEALTH CHECK-UP CAMP

Starting 2023 on a healthy note- WWAC in association with Sri Balaji Action Medical Institution organised a multi- specialty health check-up camp in which routine tests such as Blood sugar, Physician consultation, ECG, Orthopaedic consultation, BMD, PFT, .dietetics consultation, Weight, BP, LFT, and lipid profiling were done for the staff and students.





Asmi: The Gender Sensitisation Committee

REPORT 2022-23



ASMI- The Gender Sensitization Committee of Ram Lal Anand College pledge to make the students aware about gender related issues and individual's rights irrespective of their gender identities. The name ASMI is significant in defining the aim of this society. The word ASMI means "I am or I exist." Etymologically it comes from Sanskrit dhaatopadh "AS" which means – "to exist." The gender sensitization club of Ram Lal Anand College runs with the motto that everyone's existence is significant in the same way as ours to us. It promotes the idea of inclusiveness and harmonious coexistence among each entity in the world for a better future.

Under the able guidance of Dr. Shruti Anand, Convenor of the committee, the Gender Champions of Asmi, Shelja Agarwal, Aditi Panwar, Mansvi Bangarh and E-journal Editors, Shreya Nayak, Sumedha Bhatia, Paridhi Verma, Sania Khan, Deepshika, Shingarika along with the Members were able to successfully conduct the events of this session.

The first event was a poster-making competition held on 19th January,2023 from 11 a.m. to 1 p.m. The event was conducted in the seminar room on the theme "Gender equality for a sustainable tomorrow." The Convenor and event coordinators are Prof Shruti Anand and Dr Shachi Meena respectively. The teachers present in the event included Dr. Shachi Meena, Dr. Kuldeep, Dr. Laxmi, Ms. Misha Sabreen and Ms. Pallavi. A total of 12 participants were present in the event, conducted by 16 volunteers. The winners of the event are-

1st position Sashwat Yadav History (Hons) 2nd year

2nd position Sreya Ek BSc (Hons) Computer Science 2nd year

3rd position Akash BA political Science (Hons) 1st year.

The second event was a creative writing event organized in the month of January on the topic – "Gender Equality for Sustainable Development". 17 write- ups including Hindi and English were received.

The third event was a talk session held on 7TH February,2023 in collaboration with NDDLSA which was titled 'Sparsh- GIVE CARE NOT SCARS- ENDING VITRIOLAGE- AN EFFORT THROUGH LEGAL AWARENESS' at 12 PM in the Seminar Hall. Ms. Chandni Bano of Hindi Department started off the event by reciting a poem. The talk was successfully conducted with Adv. Mikhil Sharda and Adv. Rohan Taank as the honorable guest speakers. The event was coordinated by Dr. Shachi Meena and Ms. Pallavi Dutta. The talk session concluded with a vote of thanks by Shelja Agarwal, coordinator of the committee. Towards the end, a certificate distribution ceremony took place. The winners of the previously held 'Poster making competition' were felicitated by the guest speakers.

Followed by this was a nukkad naatak presentation. The participants were moved to the front lawn area. This nukkad naatak also aimed at raising awareness about acid attack and acid attack victims.

A total of 50 participants attended the events, and it concluded with some refreshments for everyone.





Gender Sensitization

What exactly is this Gender?? Why it is? Who coined this word?

What is Gender sensitivity? Why it is important and what is the need of it? Gender sensitization is a process of creating awareness regarding gender equality and the views of people about other genders. It has become. Very important topic in these changing times. Let us first understand what is this Gender. Gender: According tto "WHO," are "It refers to characteristics of women, men that Are Socially Constructed". It varies from society to society and can change over time. Why do we need this ?? Gender insensitivity and inequality are major factors that lead to decline in productivity and increase absenteeism. When both the genders feel empathetic towards each other, it creates positive culture. Un the Society. Gender bias like women should have long hair, men should have short hair. Men and boys should not. Advertisement show pictures of women doing household chores that are followed in various societies. As per World Economic Forum Global Gender Gap Report, india has slipped his rank.

So there is a very big need of Gender Sensitization should take place from young age. Conduction of sessions and workshops at schools, Colleges. Educate and empower women. Make use of gender neutral teems like 'they' at workspace, ok. To develop mutual respect towards opposite Gender, creates more inclusive society. Gender sterilization is a need of hour. With changing times, it is important to spread awareness and gender issues. And take effective steps.

Kashish, 2nd Yr Maths Department

Stigmatized Rest

Have you ever stood still and watched a busy metro station like Rajiv Chowk? There is so much chaos and you find everyone running to catch their metros as they go on with their busy day. Personally, I love taking some time to watch such busy places as I feel they represent our capitalistic society and the nature of humanity it creates. The idea of urgency is cultivated by the world we live in especially in the digital age. The world we created is so fast paced that the idea of inactivity becomes alien to many of us. This phenomenon is also known as action bias in psychology where individuals feel that action is better than inaction even when there is no supporting evidence that action would give better outcome. Urgency culture further increases this action bias as we often keep running and recreating the hamster wheel in life. The idea of rest is based on the fact that we need it for survival rather than requirement for expansion. This idea limits rest into activities like sleeping or taking a vacation after prolonged periods of continuous work. Rest should be seen as a fertile space where we have conscious periods of inactivity. Apart from physical rest we must indulge in mental, sensory, emotional, spiritual, social as well as creative rest. We often work towards increasing productivity so as to achieve milestones in the shortest way possible but we as society need to understand the importance of mindfulness and patience to let things take its natural course of time. Rest is not a reward but an essential part of the process. Inactivity feels a lot like wasting time, but we need to remind ourselves that it's essential for our growth. Let us embrace inactivity and let go of the false idea of having control as we micromanage and plan every second of our life. Let us surrender to the natural process and state of our body as we put faith that our bodies are telling the truth. Let us acknowledge that lack of such mindfulness causes disturbance to our mental health. Few symptoms which our bodies show when it is not in its natural peaceful state are rewarded by the capitalist class thus causing problems like high functioning depression, chronic anxiety and many disorders. It's time we start listening to our bodies rather than continuing the toxic cycles of capitalism causing individuals to burnout. Joy Harjo encapsulates the idea of community consciousness as she talks about the possibility that the world ends at the kitchen table. We must live in the present and feel every emotion our body has to offer as we experience this beautiful thing called life.

> Paridhi Verma B.A. (Hons.) <mark>Eng</mark>lish II Year

Romanticizing Failure

Romanticizing failure sounds odd, isn't it? Most times we hear motivational quotes after facing failure in any aspect of our life and give ourselves a pep talk as we look in the mirror with positive affirmations. While that isn't a bad thing, but I was more interested in romanticizing it. I am pretty sure I am not the only one who had this absurd idea of feeling comfort in failure. There are so many quotes on failure and the pleasure it gives and one might think these people are addicted to self-sabotage but i believe these people are just focused on living their truth. I grew up to realize that

setbacks and failures are very different and we need that face in the bathroom mirror pep-talk after facing setbacks. Failure on the other hand is something which doesn't have recovery and it causes resentment because of endless setbacks we saw while we denied the possibility of failure with the hope that we might achieve the things we aimed for as we put in the work. When I started romanticizing failure, I had to accept that they are normal natural occurrences which provide us with redirections. The idea of failure is not to define us but giving us information about ourselves to become better versions of us, is what drove me to eventually romanticize failure. Failures come with broken dreams causing a lot of pain and grief, and that aspect of failure is the part which drives us to not repeat the same mistakes but amidst all these complex and big feelings there is information about ourselves or the society we live in and I grew up to realize that it is very essential. The fact that we have faced every possibility and overcome every setback to eventually fail is the part which causes pain but what if we put a spin on it? What if we changed our mindsets about failures? The quote by Franz Kafka 'The relief of giving in to destruction' is usually taken in a negative sense but I believe even Kafka is romanticizing failure or falling. Sylvia Plath does the same when she says 'The floor seemed wonderfully solid. It was comforting to know I had fallen and couldn't fall no farther.' We are so afraid to fall but how come we don't remember that we fell multiple times before we could learn to walk. To fall is to connect with earth as you connect with the ultimate truth. There is a certain level of comfort as you watch everything turn into dust because you know it gives you an opportunity to rebuild things and this time it will be better as you have practice and experience. To watch things, fall to dust is to realize that nothing is permanent in life. It is a step closer to being human. Let us embrace failures and the truth which comes with it, even though the truth might be ugly but at the end of the day it is the truth.

> Paridhi Verma B.A. (Hons.) English II Year

The Cursed Gift

I get the gift to write
But I write in pain
I hardly sleep in night
When I do I wake up again
I want to be a bit quite
But there is what people call brain

I sell my pain in the name of art
Will sanity ever be its part?
My darkness follows me when I write
Like sunflower follows the sunlight

I write i<mark>n the</mark> abyss of my h<mark>eart</mark> and mind You see what I write, I see what I have cri<mark>ed</mark>

You think I am good
I think that too
When you read what I write
You will know what's true

Ayush Gupta Bachelor of Management Sciences II Year

Empowerment

Women play an important role in every society. They determine the education of the future generation of every country. Women transfer whatever they have learnt to their children and build the future generation. Smart and well-educated mothers are certainly raise better children. They instill selfesteem and self-confidence in their children's lives, which is the most important part of education that every human being needs until the end of his life. Any country that values women more and fulfills their needs Its people also have a healthier life, because mothers are the roots, and when the roots are well watered, the tree lives and grows, and so does the society. A father and a man who fulfills the emotional needs of his daughter and wife will definitely see more happiness and satisfaction in his life, which in turn brings peace to the family.

Accepting and supporting women does not start in the family but it includes the society too, but as we can see that still there are women who don't have their basic rights.

Let's give the example of Afghan women, you may have heard from Social media and news that how they are discriminated by men, today in Afghanistan, they are not allowed to work, education, exercise, drive and etc. because from the Taliban's point of view, this is against Islamic Sharia. The Taliban want women to do the housework, but the women of Afghanistan are not quiet, we can say that they are the strongest women in the world. they protest to in the streets daily and raise their voices for the solidified rights Although the Taliban used to beat them, but they don't give up.

Islam didn't say that women are not allowed to get education. as the last messenger of Islam prophet Muhammad úý Said.

طَلِبُ العِلمِ فَرِيُّضَة عَلى كُلَّ مُسلَّمِ

Translate: Acquisition of knowledge is binding on all Muslims (both men and women without any discrimination). [Narrated by Ibn Maja in al-Sunan, 1:81 §224.]

What we can get from this Hadith is that Islam encourages Muslims both male and female to get knowledge. This is the Taliban who banned on women education. I hope for opening of schools and colleges and other rights that a woman should has.

Today the world considered Malala Yousafzai the powerful woman in history, which she got noble prize because she raised her voice against women discriminations but we can say that, there are many Malala Yousafzai in Afghanistan who are facing lots of troubles and discriminations but their voices are not heard in the world.

Women build the half of the society, and they have an essential role in the society. It's very necessary to pay huge attention to the women empowerment in education, freedom, right to express their thoughts and participating in social, political activities and so on. The women should be encouraged for selfdependent and improvement of the society, because an educated and independent women solve half of the issues of the family and society.empowering women and giving priority to women and their effective and efficient activities is actually considered as an investment for the future generation. I hope afghan women get their human right and have freedom like other women in the world.

> Name: Mastoora Saba Department: BMS, Semester:VI th

Glass Ceiling in Corporate

The term glass ceiling is a metaphor describing the invisible barrier women and people from other marginalised groups face when trying to reach high levels of professional success. This expression is typically used to refer to women in the workplace. These obstacles don't stem from a formal business policy; rather, they are hidden biases ingrained in organisational hierarchies that prevent some people from moving up to senior management roles despite their abilities. Since the beginning of time, the glass ceiling has persisted in corporate culture, and leaders and managers from all over the world have taken a variety of actions to eradicate itin order to support their organisations' DEI initiatives. The claim that the glass ceiling does not exist in modern era is a sham. The glass ceiling is as real as climate change. According to data from the Bureau of Labor Statistics, women's average salaries were 18% lower than men's in 2019. When it comes to Fortune 500 companies, less than 9 percent of the firm's CEO roles are occupied by women. Women are partaking actively in workforce but breaking the glass ceiling is still long way off. Many women encounter various forms of bias at work. Being paid less than coworkers of the same gender, being passed over for promotions or other significant professional opportunities but being viewed incompetent tops the list. Aside from DEI initiatives, women's representation in executive roles has increased to some extent over the last two decades as people began to judge others based on their attributes. Although there is still a long way to go to break the shackles of years of generational bias, there has been a significant social shift in the right direction.

Priyanshi Chimnani, BMS

The Best Moments in Life

To laugh until it hurts your stomach.

To visit scenic pretty places for a vacation.

To listen to your favourite song on the radio.

To go to bid and to hear the pattern patter of the rain.

To action home after the last paper in an exam.

To receive a call from someone you don't love.

To find money in your pocket that you don't often use.

To laugh without reasons.

To wake up and realize it is still possible to sleep a couple of hours.

To hear a song that awakes special memories.

To make new friends. To be part of a team.

To spend time with your best friends.

To see an old friend again and to feel that the things didn't change.

Nikita Pathania

B.Sc. (Hons.) Computer Science, II Year

Empowering Women, Empowering Society

A Path to Progress

Women empowerment refers to increasing the social, economic, and political power of women. It involves breaking down gender-based barriers and promoting gender equality. Women empowerment is essential for the overall development of a society and its individuals.

The first step towards empowering women is to educate them. Education equips women with the knowledge, skills, and confidence they need to participate fully in society. In many societies, women are denied access to education and are often expected to prioritize the needs of their families over their own personal development. By providing girls with equal access to education, they can become active participants in the workforce, increase their earning potential, and have a voice in the decisions that affect their lives.

Another crucial aspect of women empowerment is ensuring that women have equal access to economic opportunities. This includes equal pay for equal work, access to credit, and property rights. When women have control over their finances, they can make decisions that improve their lives and those of their families. Women are also more likely to invest in the health and education of their children, leading to a cycle of improvement for future generations.

Women's political empowerment is also essential. Women should have the same opportunities as men to participate in the political process and make decisions that affect their lives. This includes the right to vote, run for office, and hold leadership positions. Women's political empowerment also involves ensuring that women's perspectives and experiences are taken into account in the development of policies and laws.

In conclusion, women's empowerment is a crucial component of a just and equitable society. By breaking down gender-based barriers and promoting equality, we can create a world where women have the same opportunities as men to reach their full potential. To achieve this, we must prioritize education, economic empowerment, and political empowerment for women.

Name- Vandana Verma Roll No. 6556 Course- Bachelor of Management Studies 3rd year (6th Semester)

Women Empowerment and Gender sensitization

Vocalising your thoughts can make you unacceptable but would definitely mould your personality into a more resilient version of yours. when you feel that you are weak or at your weakest and you should give up, remember that-you are someone's source of strength whether you know it or not. Becoming an unfiltered character in a filtered world is not easy, especially when you are the most susceptible but desirable thing in the world. Talking about the history, women have gone through so much in their lives domestic violence, abuse, molestation and ultimately their death but everytime is a high time when we need to understand that before being a mother, a daughter, a wife, a sister, we are woman- a complete human. Independent of thoughts, decisions,, work and money. But are we really independent?

Of course we are because we are obliged to god not to the society. Into my sentiments, women is the finest creation of the creator, but they fail to acknowledge it. They are never resisting, always accepting the things the way they are. If they can transform themselves for anyone, same goes for them, the other person should also alter themselves as per her wish. If the laws say that women are empowered then What is wrong in this.

In fact I believe that we all have a sick mentality in order to raise our standard in we always want to mould the other person's personality as per our needs. Well it's all in our head, instead of centring on someone else we should start prioritizing ourself. Loving ourself for someone else to love us. Good things happen only when we make up our minds and start implying it. Standing for ourself and after that everybody else. One for all and all for one. Making our conscience the strongest. In a point of fact not only women , men also have the same self esteem in the society. And that's what we call gender equality. We all need to learn how to exude respect. Getting a status in the society is a very sorted and clear process, only thing it requires is 'acceptance'. When we start accepting everyone everything happens in a better way.

In fact the motive behind running a co-education Institute is to let both the sex understand each other in a better way and speak up their mind without any hesitation and to satisfy their curiosity for each other indeed the commonality in both male and female is that they both are the creation of god and the, Almighty does not create anything in vain then why to be prejudiced against each other and spread hatred.

Fairly, When both man and woman come together they are even stronger and have the power to bring more ages.

We all need to work upon our mindsets, perspective and ofcourse our strongly held views in order to make a better world. Well changes are always tough but are always worth it.

Kanishka Chauhan Course - BA English Honours Roll No. 580

Students Reflections:



Shelja Agarwal B.Sc(H) Microbiology Year - 3rd

As a member of ASMI: The Gender Sensitization committee I got aware about many aspects of Gender and issues related to it. Many events and talk sessions as well as the competitions organised by the committee have helped me to develop many aspects of my personality like the knowledge of gender equality and diversity among individuals. It has also enhanced my knowledge, enriched my experiences and helped in my healthy learning of various social constructions of gender that shapes the experiences of the individuals in society. We as a society have tried to generate awareness in regards to equality in the social system and helped in changing the attitude and mindset of individuals.



Aditi Panwar B.Sc(H) Microbiology Year - 3rd

First being a member and then a gender champion in Asmi for two years has helped me grow a lot as an individual. I came from a background where gender equality was a given and it was an inbuilt concept for me, but one day I came across ASMI and decided to join. It opened up my eyes about this very sensitive and serious topic of our society and as well as the world. I have learned that everyone is equal regardless of their gender identity and it is a mental perception of someone who doesn't want to get bound by the mere parameters set by our ancestors. I believe that as long as someone is not harming anyone that person has every right to think, do and portray whatever they want. The only thing we can do is to have respect and understanding for them.



B.A Program

On 22nd November 2022, Ram Lal College of Delhi University organized an educational field trip to Bharat Darshan Park located at Punjabi Bagh (West), New Delhi.

It was a departmental trip organized by B.A Programme in collaboration with its own society, Serenity. 38 students in total joined this educational trip along with two department teachers.

It was an educational trip to Bharat Darshan Park, which is full of education, history, greenery and Indian heritage. Park is fully packed with all major monuments of India. Students were happy and full of excitement as it was the first departmental trip organized by college after pandemic. It took a whole of 2 hours to visit park.



Students were also provided with refreshments from college side on this wonderful trip. They showed their dance moves and singing skills on the way to the destination.

Our two teachers, provided valuable information about the park and major monuments. They assisted the students to making this trip possible and safe for all.

English Department

The students of BA (H) English, 2 nd Year went on an educational field trip to the National Science Centre, Pragati Maidan, New Delhi on 15 November 2022 with Ms. Seema Meena. The trip to the centre began with a lot of enthusiasm and vigour and provided a fresh perspective to the students. Due to the critical skills learnt by reading various texts over the period of one year the students were able to see as well as connect the science and history with their literature texts.

They actively recalled the texts from this year as well as the texts from the previous academic year while they observed and read about the various scientific and historical facts. The use of advanced multimedia to show scientific facts and fun activities not only induced and



increased the awareness in students but also instilled in them a sense of experiential learning. The students were also told to ponder on their experience and critically reflect about the same in their project work. The trip really added excitement to the Science Fiction genre from the paper Popular Literature which makes up for a major part of the 3rd semester syllabus with five short stories. On the whole, it was an enriching learning experience for the students.

Political Science Department

Students from the Department of Political Science, along with faculty members Dr. Nidhi Yadav & Dr. Sunil Kumar, visited the Ambedkar National Memorial on April 6, 2022. Every student in attendance that day learnt a lot about Dr. Ambedkar's life (14 April, 1891–6 December, 1956), his educational background, his fight for socio-political-economic equality for all social classes, and much more. Overall, the instructional excursion turned out to be insightful for everyone.

WWF-India is one of the leading organizations working in the field of protection and conservation of species. It is situated in the Lodhi Estate, New Delhi, India. Many students from BJMC, BMS, Mathematics, Microbiology, Geology, Computer Science and Statistics departments, Ram Lal Anand College, University of Delhi have visited exhibition "Wings of Wonder" at WWF-India

on 24th and 28th November 2022. Various faculty members from Department of Environmental Studies, History (Eco-Club), Geology, Computer Science etc. were also involved in this exhibition. Our students know about the conservation of various species such as Amur Falcon, Forest Owlet, Vulture etc. as well as feeding and migration patterns of various magnificent birds through stunning photographs in the WWF India exhibition "Wings of Wonder".



Commerce Department

The Commerce society 'KA-CHING' started its academic year 2022-23 with an educational visit to central offices of 'National Cooperative Union of India (NCUI), which is the apex organization of The Indian Cooperative Movement. The visit was held on 31s August, 2022. In total, 50 students and three teachers participated in the visit. In addition to the visit to campus of the esteemed institution, the students attended a one-day awareness program on 'Cooperation' which included lectures by top officials of NCUI about Cooperative movement, success stories of various cooperatives and the various promotional policies adopted for progress of cooperative sector by the government. The

visit also included a tour of the training areas of artisans, workshops of the institution; as well as a detailed tour of the 'shopping haat' of NCUI. It was truly an enriching experience for the students.



Geology Department

Outreach program at Government Co-Ed Sarvodaya Vidyalaya, Sector 13, RK Puram

Students of Terre-X, the Geological Society of Ram Lal Anand College, University of Delhi conducted an outreach activity and interaction session with the students of classes 9th to 12th at Government Co-Ed Sarvodaya Vidyalaya, Sector 13, RK Puram on 9th February, 2023 to introduce them to the field of Geology and guide them about study and career options in the field.

25 students participated in the program. They explained about importance of Geology, its uses in day to day life and some popular topics like Rock Cycle, Evolution of Earth, Plate boundaries, Human Evolution, Geological Time Scale and Hydrological cycle. They also displayed rocks, minerals and fossil samples there and explained about them to evoke interest among the schools children.

Outreach Program and Volunteering at National Science Centre



An outreach and volunteering program was held in the National Science Center, New Delhi from 13-15th October, 2022 by the student members of Terre-X, the Geological Society of Ram Lal Anand College, University of Delhi, had volunteered as guides at the National Science Centre, New Delhi.

To promote scientific communication in the field of Earth Science and to spread awareness about Earth Science and its various discipline, in celebration of Earth Science Week, volunteering and outreach activity was conducted by the students of the Geology department from 13th to 15th October, 2022.

Lecture, Exhibition and Quiz competition conducted by Atomic Mineral Directorate, R.K. Puram New Delhi

15 students attended the program on 22nd August 2022. Dr. Sarbari Nag and Dr. Prem Kumar accompanied the students.

22ND AUGUST 2022



The students of Ram Lal Arvand college participated in the one day workshop organised by Atomic Mineral Directorate on 22nd August 2022 on the occasion of Asadi ka Anarii Mahoesav The event witnessed lectures by entiment stientists of AMD on nuclear energy resources of India followed by a science quiz and exhibition.

Our students' quiz team consisting of Apoorvi Jain and Priyanshu Gupta bagged 2nd prize in the quiz competition.

Environmental Science Department

Rain Water Harvesting Training conducted by the Central Ground Water Board, Delhi Office

7 students attended the training program along with Dr. Virendra Bahadur Singh of the Environmental Science Department.



Microbiology Department

An industrial visit was organised for the students of B.Sc. (H) Microbiology 4th Semester for 2 days from 6-7th September 2022. On the first day, students and faculty visited the BIONEST at Punjab University where they were welcomed warmly and were given the introduction about the labs and projects at the centre. Facilities like HPLC, animal cell culturing, preservation of animal cells in liquid nitrogen, fermenters and many more were shown and explained to the participants.

Another alumni interaction and career counselling session was organised on 9th



November 2022 with our departmental alumni Gagandeep Singh who is now working as Assistant Research Officer (Biotechnology) at Central Ayurveda Research Institute, Jhansi, CCRAS, Under Ministry of Ayush, Govt. of India. He patiently answered to all the queries about the scholarships for research careers. Students from all three semesters (I, III and V) participated in the session.

An outreach workshop titled "Journey to the Microbial Realm" was conducted for class 8th students of Apeejay school students on 9 September, 2022 by Department of Microbiology, Ram Lal Anand College, University of Delhi under DBT Star scheme. The school students were introduced to the microbial word and the various methods to grow them. They were shown several temporary as well as permanent mounts of bacteria, fungi, algae and protozoa. There were total of 5 teachers and 4 students who had participated in the workshop as mentors and volunteers respectively who guided more than 120 students were part of this workshop.

Another outreach workshop titled "How Microorganism Look, Grow and Replicate" was conducted for class 11th students of Ramjas International School on 11th October, 2022 by our department under DBT Star scheme. It included 20 students and one biology teacher Mrs. Sonia Varghese. The major microbiological techniques covered in the whole workshop included different types of bacterial and fungal staining, measurement of microbial growth using spectrophotometer, visualization of DNA on agarose gel electrophoresis and functioning of gel doc. There were total of 5 teachers and 4 students who had participated in the workshop as mentor and volunteers respectively.





On similar lines an outreach workshop titled "How Microorganism Look, Grow and Replicate" was conducted for class 12th



students of Darbari Lal DAV School on 02 November, 2022 by our department under DBT Star College Scheme in which 33 students and one teacher participated. The major microbiological techniques covered in the whole workshop included different types of bacterial and fungal staining, difference between inoculated and un-inoculated nutrient broth, disk diffusion method for antibiotic sensitivity, visualization of DNA using agarose gel electrophoresis and functioning of gel doc. There were total of 5 teachers and 4 students who had participated in the workshop as mentor and volunteers respectively.

On 2nd November 2022, a departmental orientation program was organized for the newly admitted first year students in order to convey necessary information to them and acquaint them with the functioning of our department. Participants: 25 students, 7 teachers, 5 lab staff

A one week Hands-on workshop in association with Centre for Innovation in Infectious Disease Research, Education and Training (CIIDRET) and Delhi School for Skill Enhancement and Entrepreneurship Development (DSSEED) under the theme of 100 days training and skill enhancement festival was organized on "Basic Techniques in Microbiology" from 17th December 2022 – 23rd December 2022. We had 27 registered participants including B.Sc, M.Sc, B.tech and research scholars from JMU, NTU, JNVU, DTU and several colleges affiliated to University of Delhi. There were total of 7 teachers and 9 students who had participated

in the workshop as mentor and volunteers respectively.

On 17th January, 2023 a group of 19 students visited our department from St. Edmund College, Shillong, Meghalaya accompanied by two teachers of the department of Biochemistry. They were shown small scale fermenter, streak plate technique, colony counter and anaerobic gas Pak System at microbiology lab. Then they visited geology lab and fascinated with the crystal structures seen under microscope and rock specimens in geology lab. Also, they were given a whole tour of the college campus wherein they interacted with students as well as college faculty. They were shown the recently built community radio facility in the media lab at the department of Hindi Journalism. We also arranged their interaction as well as lab visit to CIIDRET and BIONEST incubator at South Campus University of Delhi where they were really excited to visit to sequencing facility, real Time PCR and large scale fermenters etc.





In the month of January, we conducted an exploration session for the students of B.Sc (Hons) Microbiology II year and III year to IIT Delhi's Research Park with an aim to help students explore the area of innovation and experiment on 30th January 2023. The representative of the Organization began by giving the students a basic idea about the working and history of FIIT, ATAL INCUBATION CENTER in Sonipat, start-ups incubated at FIIT. Information was also provided on the various programs run by FIIT Delhi like the Meity Samridhi, NIDHI, Startup Residency programs. Students were made aware of the levels at which FIIT Delhi facility cater to a particular idea and the ways in which these benefit an individual. Students visited the mechanical lab of the Incubation center. Students and faculty also interacted with the CEO of DRONE ADDA which basically is a drone parts manufacturing company. No of participants: 47 students and 3 teachers





Visit to Bharat Biotech Start-up Expo on 9th June 2022



Summer workshop for the students of B.Sc Hons Microbiology 4th Semester



Teachers Day Celebration in the Department of Microbiology







Students enjoying ice-cream at Verka Milk Plant, Chandigarh



Students enjoying at Sukhna Lake, Chandigarh



Outreach workshop Apeejay school, New Delhi on 9 September, 2022



Dr. Salome John showing bacterial culture to students at the Outreach workshop Apeejay school, New Delhi on 9 September, 2022



Students of St. Edmund College, Shillong, Meghalaya visiting our department on 17.1.2023



Students of St. Edmund College, Shillong, Meghalaya at CIIDRET, DU



Visit to Research Park, IIT Delhi on 31st January 2023

History Department

HERITAGE WALK, 2023 Organized by TAWARIKH: THE HISTORY SOCIETY RAM LAL ANAND COLLEGE, UNIVERSITY OF DELHI

On 20th January 2023, the Department of History organised a heritage walk to the Mahrauli Archeological Park, Qutub, Delhi. The walk was attended by 129 students from all years. Students were accompanied by faculty members including Dr. Parul Gaur, Dr. Shachi Meena, Dr. Dinesh Kataria, Dr Rajiv

Kumar (Convenor) and Dr. Arvind Patel. Office-bearer of Tawarikh Society-Sanskriti Semwal(President), Mohit Tak (treasurer), Hardika Sharma(vice president), Raman Jha(secretary), and Yash Sirohi (Joint secretary)-were also there for the smooth conduct of the walk. First, we visited the Jamali Kamali mosque and the tomb in its vicinity. There, Dr shachi Meena enlightened everyone with the historical background of the place, it's significance and the derivation of the word 'Mehrauli' itself. Moreover, everyone got to

know about the art and architecture of the place and attained a grasp over islamic architecture. Afterwards, students vistedtomb of Ghiyasud din Balban built in 1287 CE in rubble masonry. The faculty members gave an overview of the place. Some important photographs related to the place were captured. The next station was Rajon ki Baouli or Rajon ki Bain. It includes a mosque and a tomb apart from the famous stepwell.

Apart from the sites, Mehrauli itself exhibits very distinctive properties. Mehrauli is a neighbourhood in South Delhi, a district of Delhi in India .Mehrauli is one of the seven medieval cities that make up the present state of Delhi. Mehrauli has a semi-arid climate with high variation of temperatures. The citadel wall, observation towers, numerous tombs and other lofty structures of Mehrauli dominate its hilly landscape. These reflect that Mehrauli during the Sultanate era was one of the most magnificent and thriving capital city In the accomplishment of this event, the convenor Dr. Rajiv Kumar played a major role in the smooth functioning of this event. Other faculty members were a great support to him. Moreover, a very crucial role was played by the event management team and all the volunteers of Tawarikh.



हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग

हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचारः शैक्षिक भ्रमण यानी ज्ञान का खजाना

राम लाल आनंद महाविद्यालय के हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों के लिए शैक्षिक भ्रमण संबंधी कई गतिविधियां आयोजित की गईं। इसमें आकाशवाणी में रेडियो के कामकाज को समझना,जवाहर भवन में लगी 'भारतगाथा' प्रदर्शनी के जिरए पूरे भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को जानना और संसद भवन में सरकार के कामकाज के तरीके को जानना और समझना शामिल रहा।



06 सितम्बर 2022 :हिंदी पत्रकारिता के द्वितीय और तृतीय वर्ष के विद्यार्थी बस के जिरए पाठ्यक्रम संयोजक प्रो. राकेश कुमार के नेतृत्व में आकाशवाणी पहुंचे। यहां उन्होंने जाना कि किस तरह रेडियो के लिए समाचार लिखे जाते हैं। किस तरह सम्पादित होते हैं। किस तरह उनका वाचन होता है और किस तरह से उन्हें प्रसारित किया जाता है। यह पूरी प्रक्रिया जानने के लिए आकाशवाणी के अपूर्वा झा की ओर से विद्यार्थियों को बारी—बारी से हर विभाग में ले जाया गया, जहां उन्होंने रेडियो पर पूरे कामकाज की प्रक्रिया वेखी। साथ ही मन में उठ रही जिज्ञासाओं को सवालों के जिरए रखा। इस दौरान विभाग की ओर से डॉ. सीमा भारती, डॉ. अटल तिवारी, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. निशा सिंह, सुश्री श्वेता आर्या मौजूद थीं।



06 सितम्बर 2022 : आकाशवाणी के बाद विद्यार्थियों ने संयोजक प्रो. राकेश कुमार के निर्देशन में जवाहर भवन में लगी 'भारतगाथा' प्रदर्शनी को देखने गए। इस प्रदर्शनी का संयोजन राष्ट्रीय आंदोलन फ्रंट और राजीव गांधी फाउंडेशन की ओर से किया गया था। इसमें आजादी की पूरी गांथा को 75 आदमकद पैनल में दिखाया गया था। महत्वपूर्ण बात यह रही कि राष्ट्रीय आंदोलन फ्रंट के संयोजक डॉ. सौरभ बाजपेयी ने बारी—बारी से सभी पैनल के बारे में विद्यार्थियों को बताया कि किस तरह हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने देश को आजाद कराने में अपनी भूमिका का निर्वाह किया। अंत में जवाहर भवन के मुख्य अधिकारी विजय महाजन के साथ एक सवाल जवाब का सत्र भी रखा गया, जिसमें विद्यार्थियों की ओर से किए गए सवालों का जवाब विजय महाजन,सौरभ बाजपेयी और प्रो. राकेश कुमार ने दिया।

21 सितम्बर 2022 :हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार के तृतीय वर्ष के विद्यार्थी संसद भवन के भ्रमण पर गए। शिक्षिका डॉ.



सीमा भारती व डॉ. अटल तिवारी के निर्देशन में गए विद्यार्थियों ने संसद के दोनों सदनों में कामकाज के तौर—तरीकों के बारे में जाना। इसके साथ ही उन्होंने सेन्ट्रल हाल का भी भ्रमण किया,जहां विशेष परिस्थितियों में दोनों सदनों का संयुक्त सत्र होता है। इसके साथ ही जिस पुस्तकालय का इस्तेमाल संसद के सदस्य करते हैं,उसको भी निहारा। संसद के इतिहास पर केन्द्रित एक लघु फिल्म भी विद्यार्थियों ने देखी। तत्पश्चात संसद के एक अधिकारी के साथ सवाल—जवाब का सत्र भी हुआ,जिसमें विद्यार्थियों ने संसद और भारतीय राजनीति से जुड़ी अपनी जिज्ञासाओं को शांत किया।



20 दिसम्बर 2022 ःहिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार पाठ्यक्रम की ओर से फेक न्यूज पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह ऑनलाइन और ऑफ़लाइन दोनों माध्यम में रखी गई,जिससे बड़े पैमाने पर लोग जुड़ सके। इसमें विशेषज्ञ निमिष कपूर ने फेक न्यूज क्या होती है,उसे कैसे पहचाना जाए,उसके लिए कौन से दूल्स इस्तेमाल किए जाएं,इस पर विस्तार से बताया। इस कार्यशाला का संयोजन शिक्षिका सुश्री श्वेता आर्या ने किया।

प्रो. राकेश कुमार संयोजक, हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार



B.Com (P)



B.Com (H)



B.A (Prog.)



Geology



History



Political Science



Mathematics



Hindi



English



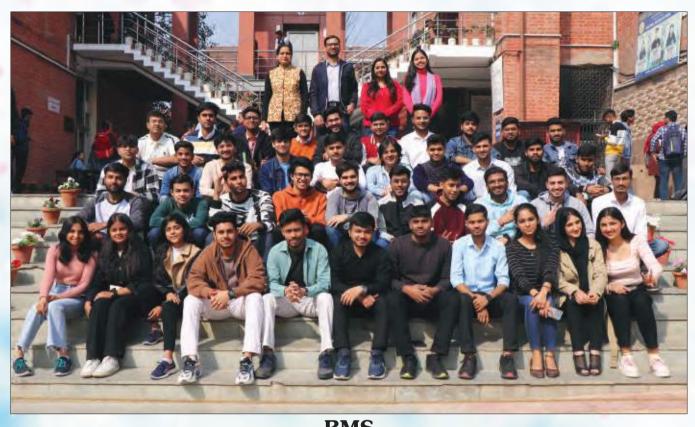
Microbiology



Statistics



Computer Science



BMS



BJMC



Administrative Staff



Lab and Other Staff

Backbone of RLA



Accounts Staff



Admin Staff

Backbone of RLA



Admin



Non-Teaching Staff



Medical Staff

25 Years of Teachers













25 Years Non-Teaching













Student of the Year +NCC+NSS+Sports+ECA











































Splendour - 2023











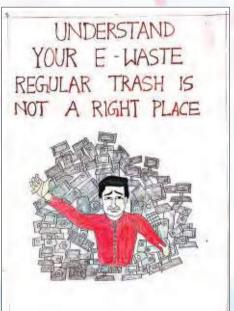


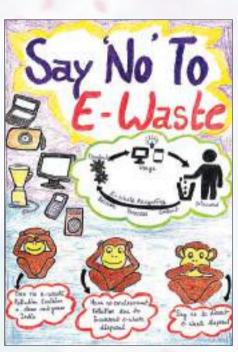




Poster













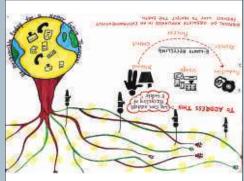
Poster



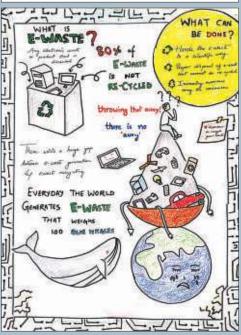




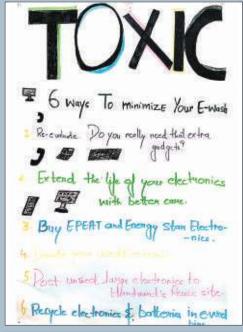


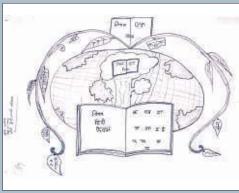




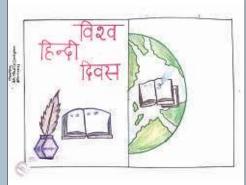












Tarang























Designed and Printed at : Indu Cards & Graphics, Mob. 9811419531